फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 215 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 07 मार्च, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Ek Bollywood Wo Tha Ek Ye Hai!!!

"Hai Ram! Sharman, yeh kaunsa camera hai? Aankhon ke saamne tare dikh rahe hain!" (Oh Lord! Sharman, what kind of camera is this? I'm seeing stars before my eyes!) - Rajesh Khanna to Sharman Desai

An Invitation Like No Other: A Grand Prelude to IIFA 2025

जब इंदिरा गांधी चुनाव हारी थीं, तो उन्होंने एआईसीसी के सब दरवाज़े खुलवा दिये थे, जिससे जनता उनसे मिल सके

अब, कांग्रेस फिर एक के बाद एक चुनाव हार रही है, पर, कांग्रेस मुख्यालय के सभी दरवाज़े बंद करवा दिये गये हैं। जनता का प्रवेश इस मुख्यालय में केवल इजाज़त व पूर्व अपॉइन्टमैंट से ही हो सकता है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। जब इंदिरा गांधी चुनाव हार गईं थी, तो उन्होंने अपने स्टाफ को अपने घर के दरवाजे खुले रखने के आदेश दे दिये, ताकि जो व्यक्ति उनसे मिलना चाहे, वह अन्दर आ सके।

2025 में राहुल और प्रियंका गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस अलग प्रकार की पार्टी है। नये कांग्रेस मुख्यालय के द्वार और दरवाजे पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं तथा मीडिया के लिये बंद कर दिये गये हैं और विडम्बना यह है कि इसका नाम इन्दिरा भवन रखा गया है।

साइनबोर्ड पर लिखा है: बिना आज्ञा प्रवेश वर्जित है। नवनियुक्त सिक्योरिटी गार्ड किसी को पहचानते नहीं हैं। इसलिये, और तो और, हरि प्रसाद जैसे वरिष्ठ नेता को रोक दिया गया, उन्हें अन्दर नहीं जाने दिया गया।

नये मुख्यालय में राज्य-वार मीटिंग हो रही हैं। लेकिन मुट्ठी भर नेताओं को ही अन्दर जाने दिया जा रहा है। अन्य नेताओं को बाहर ही ठहरने को कह दिया जाता है।

- **ये नये आदेश किसने दिये हैं, क्योंकि ये तो राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के चिन्तन से एकदम विपरीत हैं।**
- **मुख्यालय की नई बिल्डिंग में लागू इस नई व्यवस्था से आम जनता व कार्यकर्ता अपने नेताओं से कटते जा रहे हैं।**
- **आम कार्यकर्ता नेताओं के इस आचरण से कुण्ठित तो है ही, क्योंकि वो नहीं समझ पा रहा है कि पार्टी क्या मैसेज देना चाह रही है।**
- **कांग्रेस को कवर करने वाले पत्रकार भी परेशान हैं, उनकी प्रैस कॉन्फ्रैंस के दौरान ही नए भवन में एंट्री हो पाती है, और यह एंट्री भी ग्राउण्ड फ्लोर तक ही सीमित है। हाल ही में एक महिला पत्रकार को भाग कर पुराने मुख्यालय, 24, अकबर रोड, जाना पड़ा, "वॉशरूम" का उपयोग करने के लिये।**

24 अकबर रोड कार्यालय वाले स्टाफ को नये मुख्यालय में शिफ्ट नहीं किया गया है। वहाँ उनके पास कोई खास काम नहीं है, क्योंकि नेतागण वहाँ नहीं होते।

महासचिवों तथा राज्य प्रभारियों से कह दिया गया है कि वे नये मुख्यालय से ही अपना काम-काज संभालें, लेकिन उनके पास स्टाफ नहीं है।

इन नेताओं में से अधिकांश लोग परेशान हैं लेकिन उन्हें यह नहीं मालूम कि क्या कहें और किससे कहें। पार्टी नेता धीरे-धीरे कार्यकर्ताओं से दूर होते जा रहे हैं। कार्यकर्ता नहीं समझ पा रहे कि वे अपने नेताओं से कैसे मिलें तथा इस व्यवस्था की शिकायत किससे करें।

कोई कार्यकर्ता या नेता, जो अपने निजी काम से या अन्य किसी कारण से दिल्ली आता था, तो एआईसीसी मुख्यालय, 24 अकबर रोड जरुर जाता था तथा अन्य कार्यकर्ताओं और नेताओं से मिला करता था, जिनमें से अधिकांश लोग कार्यालय के लॉन में इकट्ठे हो जाया करते थे।

गुलाम नबी आजाद जैसे वरिष्ठ नेता अपना अधिकांश समय लॉन में कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग करने में गुजारते थे, जिससे कि कार्यकर्ताओं को यह संतुष्टि मिले कि वे किसी वरिष्ठ नेता से मिल लिये हैं।

नए भवन में मीडिया उस समय तक भवन में प्रविष्ट नहीं हो सकता, जब तक आमंत्रित न किया गया हो। आमंत्रण की स्थिति में भी, पत्रकार ग्राउंड फ्लोर पर स्थित ब्रीफिंग रुम तक ही जा सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आबू रोड के पास ट्रोला और कार की टक्कर में 6 की मौत

जालोर/आबूरोड, 6 मार्च (का.सं.)। सिरोही जिले के आबूरोड सदर थाना क्षेत्र के किवरली के पास गुरुवार सुबह करीब 3 बजे एक दर्दनाक हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई तथा एक महिला गंभीर रुप से घायल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद सिरोही रैफर किया गया है। जानकारी मिलने पर सीओ गोमाराम, सदर थानाधिकारी दर्शनसिंह, एसआई गोकुलराम, हैड कांस्टेबल विनोद सहित, पुलिस

- **कार अहमदाबाद से जालौर आ रही थी, जब उसकी आगे चलते ट्रोले से टक्कर हुई।**
- **मृतकों के शव को बाहर निकालने के लिये कार के दरवाजे तोड़े गये। करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला जा सका।**

अधिकारी मौके पर पहुंचे।

सीओ गोमाराम ने बताया कि जालोर निवासी लोग कार में सवार होकर अहमदाबाद से जालोर आ रहे थे। नेशनल हाइवे 27 पर किवरली के पास आगे चल रहे ट्रोले से कार की टक्कर हो गई। हादसे में कार में सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों के शवों को मोर्चरी मे रखवाया गया है तथा परिजनों को सूचना दे दी गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्रांस ने अच्छी तरह से अमेरिका को अंगूठा दिखाया और दादागिरी स्वीकार करने से साफ इन्कार किया

फ्रांस ने रूस के खिलाफ "न्यूक्लियर हथियारों" के रक्षा कवच में पूरे यूरोप को शामिल किया तथा एक तरह से "नाटो" का विकल्प प्रस्तुत किया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। डॉनल्ड ट्रम्प और अमेरिका ने सोचा भी नहीं होगा कि ऐसा होगा। लेकिन फ्रांस ने अमेरिका से अलग होने की घोषणा कर दी है और अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता की घोषणा करते हुए फ्रांस ने अमेरिका के अस्थिर बुद्धि राष्ट्रपति के आगे झुकने से इंकार कर दिया है।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार अमेरिका को अपने निकटतम यूरोपियन सहयोगी से इतना बड़ा झटका मिला है।

फ्रांस ने रूस की तरफ से होने वाले हमलों से सुरक्षा के लिए अपने न्यूक्लियर हथियारों व रक्षा कवच को अपने तक सीमित न रखकर यूरोप के सभी देशों को इसमें शामिल किया है। यह रूस के खिलाफ नाटो (एन.ए.टी. ओ.) की साझा डिफैंस रणनीति का फ्रांसीसी विकल्प है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपने देश की रणनीतिक स्वतंत्रता तथा प्रभु सत्ता की घोषणा की, जो कि अन्य सम्प्रभु देशों को दबाने की अमेरिका की नीति के एकदम उलट है। यह अमेरिका के नेतृत्व में नाटो के तहत बने वैस्टन सिक्युरिटी एवं डिफ्रैंस गठबंधन से एक

- **साथ ही, जर्मनी, इंगलैण्ड, फ्रांस ने यूरोप के अन्य मित्र राष्ट्रों के साथ मिलकर यूक्रेन के लिये शांति प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया। दूसरी ओर अमेरिका ने सऊदी अरब में रूस के साथ बैठकर, बिना यूक्रेन को शामिल करे, यूक्रेन में युद्ध समाप्ति का समाधान "ढूंढ़" लिया। इस बैठक में यूरोप के किसी अन्य देश को आमंत्रित नहीं किया गया था।**
- **अमेरिका ने यूक्रेन की खनिज सम्पदा के दोहन का पूरा प्लान बना लिया, बिना यूक्रेन की रज़ामंदी व स्वीकृति के।**
- **फ्रांस व यूरोप के अन्य देशों के, मिल बैठकर तैयार किए गए "पीस प्लान" की प्रक्रिया में अमेरिका को शामिल नहीं किया गया है, बाहर रखा गया है।**
- **फ्रांस ने यह भी वादा किया है कि एक बार शांति स्थापित हो गई तो वह यूक्रेन की सहायता के लिये अपने सैनिक भी भेजेगा।**

तरह की खुली बगावत है।

इन्टरनैशनल न्यूज़ चैनल सी.एन.एन. के अनुसार, मैक्रो ने फ्रांस के परमाणु शस्त्रागार के बारे में कहा कि "हमारा परमाणु निरोधक कवच हमें सुरक्षा प्रदान करता है। यह संपूर्ण है और सम्प्रभु है।"

उन्होंने आगे कहा कि जो भी स्थिति हो, निर्णय हमेशा रिपब्लिक के राष्ट्रपति, जो सेना का कमांडर भी हैं, के हाथ में रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हजारों भारतीय युवाओं पर "डिपोर्टेशन" की तलवार लटकी'

- **हजारों भारतीय मूल के युवा जो अब इक्कीस साल के होने वाले हैं, तकनीकी रूप से अपने एच-वन बी वीज़ाधारी व अमेरिका में कार्यरत माँ-बाप पर "डिपैन्डैन्ट" नहीं रह गये। अतः, वे "डिपोर्ट" किये जा सकते हैं, चाहे वे अपने माँ-बाप के साथ कितने ही वर्षों से अमेरिका में रह रहे हों।**
- **अब तक इन भारतीय युवाओं के पास एक विकल्प था कि वे दो साल में अगर अमेरिका में रोजगार पा जाते थे, तो उनके वीज़ा में "डिर्पोटेशन" की शर्त हट जाती थी।**
- **पर, अब राष्ट्रपति ट्रम्प की नई पॉलिसी के अंतर्गत, यह दो साल की अवधि खत्म कर दी गई है।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। अमेरिका के वर्तमान माइग्रेशन कानूनों के तहत ऐसे हजारों भारतीयों के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है जो 21 वर्ष के होने जा रहे हैं और जो एच-4 वीसा के तहत अमेरिका आए थे। ये सैल्फ डिपोर्टेशन के खतरे के साए में रह रहे हैं क्योंकि वे अपने एच- वन बी वीसा होल्डर माता-पिता पर निर्भर नहीं माने जाएंगे।

अभी तक उनके पास दो साल थे 21 का होने के बाद वीसा ट्रांज़िशन के लिए, पर इम्मिग्रेशन नीति में हालिया बदलाव के बाद उनका भविष्य संदेह के घेरे में आ गया है।

पता चला है कि इनमें से अधिकांश अन्य विकल्प तलाश रहे हैं जिनमें से कैनडा व ब्रिटेन जाने का विकल्प भी है, जहां इमिग्रेशन नीतियां काफी लचीली हैं। अमेरिका के रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड सिस्टम में भारी बैकलॉग है, जो भारतीय अप्रवासियों को गैर आनुपातिक के रुप में प्रभावित कर रहा है।

यूएस सिटीज़नशिफ एण्ड इम्मिग्रेशन सर्विसेज (यू.एस.सी.आई. एस.) ने हाल ही में वित्त वर्ष 2026 के लिए एच-वन बी वीसा के रजिस्ट्रेशन की घोषणा की है। प्रक्रिया 7 मार्च से खुलेगी और 24 मार्च तक चलेगी। यह वीसा गैर इम्मिग्रैंट वीसा है इसके तहत अमेरिकन कम्पनियां विदेशी नागरिकों को नियुक्ति देती हैं। एक साल में ज्यादा से ज्यादा 65000 एच-वन बी वीसा दिए जा सकते हैं जिसमें अमेरिका से मास्टर्स डिग्री लेने वालों के लिए 20,000 की वृद्धि की जा सकती है। यूएससीआईएस ने एक लाभार्थी केन्द्रित चयन प्रक्रिया शुरु की है ताकि फर्जीवाड़ा कम हो सके निष्पक्ष चयन सुनिश्चित हो। नई रजिस्ट्रेशन फीस 215 डॉलर है।

मार्च 2023 को टाइम्स ऑफ इण्डिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, करीब 1.34 लाख भारतीय बच्चे, उनके परिवारों को ग्रीन कार्ड मिलने से पहले, डिपेन्डेन्ट वीसा की उम्र को पार करने की स्थिति में आने वाले थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हज यात्रा के महंगे एयर टिकट पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली, 06 मार्च। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को हज यात्रा के महंगे एयर टिकट पर सवाल उठाने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। इस सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से एक सप्ताह में फैसला लेने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश केंद्र सरकार की ओर से दिए गए बयान के बाद दिया है। सरकार की ओर से दिए गए बयान में कहा गया है कि हवाई जहाज के किराए को लेकर

- **सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को हज यात्रा के महंगे एयर टिकट पर 7 दिन में फैसला लेने का निर्देश दिया है।**

उठाए सवाल के आधार पर जांच की जाएगी। सरकार के निर्णय के कारणों को वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। ताकि यह दिखाया जा सके कि कालीकट से जेद्दा की हज यात्रा केरल के अन्य जगहों से की जाने वाली यात्रा की तुलना में अधिक महंगी क्यों है?

हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि इस बात पर विवाद नहीं है कि किराया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडु के बाद अब महाराष्ट्र में भाषा विवाद!

विवाद की शुरुआत हुई, वरिष्ठ आरएसएस नेता सुरेश भैयाजी जोशी की टिप्पणी से

- **भैयाजी ने कहा कि "अगर कोई बाहर से मुम्बई आता है, उसके लिये जरुरी नहीं है, वह मराठी सीखे।"**
- **उद्धव ठाकरे ने इस टिप्पणी के बाद सार्वजनिक मांग की कि भैयाजी जोशी पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिये तथा उनकी टिप्पणी महाराष्ट्र का अपमान है। ठाकरे ने आगे इस संदर्भ में कहा, केवल इसलिये कि "मराठी मानुस, सबका स्वागत करता है, इसका मतलब यह नहीं कि कोई उसको थप्पड़ मार सकता है।"**
- **विवाद इतना बढ़ा कि मु.मंत्री फड़नवीस को विधानसभा में खड़े होकर कहना पड़ा कि "मराठी, मुम्बई की व महाराष्ट्र की भाषा है और जो भी व्यक्ति यहाँ रहता है, उसे यह भाषा बोलना, सीख लेना चाहिये।"**

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। तमिलनाडु के बाद, अब भाजपा -शासित महाराष्ट्र में भी भाषा विवाद पनपता दिखाई दे रहा है। इसके पीछे आरएसएस नेता सुरेश भैया जी जोशी का यह बयान था कि "मुम्बई आने वाले किसी व्यक्ति के लिये मराठी सीखना आवश्यक नहीं है।"

भाषा के प्रश्न पर अति संवेदनशीलता तथा सभी राजनैतिक दलों के राजनेताओं की कड़ी प्रतिक्रियाओं के चलते, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को विधानसभा में खड़े होकर यह कहना पड़ा कि "मराठी मुम्बई और महाराष्ट्र की भाषा है तथा यहां रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मराठी बोलना सीखना चाहिये।"

भाषा के मुद्दे पर आरएसएस नेता के बयान पर विपक्षी एमवीए (महाराष्ट्र विकास अघाड़ी) के नेतृत्व में भारी विरोध फूट पड़ा तथा मराठी की प्रमुखता पर जोर देने वाले नारे लगाये जाने लगे। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने मांग की कि जोशी को राजद्रोह के जुर्म में गिरफ्तार किया जाना चाहिये। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि उनका बयान "महाराष्ट्र के अपमान" के बराबर है।"

शिव सेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने पूछा: "क्या वे (भैयाजी) कोलकाता, लखनऊ, चेन्नई, लुधियाना, पटना, बेंगलुरु, त्रिवेन्द्रम या हैदराबाद जाकर, ऐसा बोल सकते हैं?"

मुख्यमंत्री ने एक स्पष्टीकरण जारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जीवन में सबसे अच्छा दोस्त वह है, जो आपका सर्वश्रेष्ठ बाहर लाता है। –हेनरी फोर्ड

आवश्यकता है, चुनाव कानूनों में बदलाव की

परिवर्तन प्रकृति का नियम है। परिवर्तन ही जीवन के विकास का नियम है। परिवर्तन एक निरन्तर प्रक्रिया है। परिवर्तन के कारण ही जीव का जन्म होता है। भगवान कृष्ण ने गीता में संदेश दिया कि परिवर्तन संसार का अटल नियम है। यह सार्व भौमिक है। अत: कानून में भी परिवर्तन होना स्वाभाविक है। यह समय की पुकार है। कानूनों में सुधार करना संशोधन करना विकास के लिये अति आवश्यक है। संविधान में भी अनुच्छेद 368 में संशोधन की विशद विवेचना तथा प्रक्रिया दी है। भारत के संविधान में अब तक 102 संविधान संशोधन अधिनियम पारित हो चुके हैं और अनेक पाइप लाइन में हैं।

भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ और उसने अपने लिये एक संविधान बनाया जो 26 जनवरी, 1950 से लागू किया गया। संसद व विधान सभाओं में कानून बनते हैं और समय-2 पर उनमें संशोधन होते हैं तथा आवश्यकता न रहने पर वे रिपील भी कर दिये जाते हैं।

भारत संसार का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहाँ सरकार का गठन चुनावों की प्रक्रिया से होता है। स्वतंत्र चुनाव चुनाव कमीशन कराता है जो एक संवैधानिक निकाय है, जिसे कार्यपालिका, विधायिका व न्यायपालिका के अधिकार प्राप्त हैं। चुनाव के लिये चुनाव कानून है। मतदान से चुनाव होता है। कानून से मतदाता लिस्ट बनाई जाती है। चुनाव के लिये प्रमुख कानून लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 है। इस कानून के अनुसार संसद के सदन व विधान मण्डलों के सदनों के हेतु चुनाव कराने की प्रक्रिया दी गई है। संविधान लागू होने के 75 वर्षों में देश में काफी परिवर्तन हो चुका है। इसलिये समय के साथ हमें अपने कानूनों में भी परिवर्तन/संशोधन लाना होगा। बांग्लादेश पडोसी देश के लोग भारत में अनाधिकृत प्रवेश कर रह रहे हैं। फर्जी रूप से मतदाता बनकर चुनावों में मतदान कर रहे हैं और चुनावों के रिजल्ट को प्रभावित कर रहे हैं। डिजीटलाइजेशन व एआई के कारण कई परिवर्तन हो रहे हैं। देश में अब किसी न किसी भाग में चुनाव हो रहे हैं। देश में पूरे वर्ष चुनाव का वातावरण बना रहता है। इसके कारण विकास के कार्य रूक जाते हैं। आवश्यकता है 'एक देश एक चुनाव' की। कैसे इस समस्या से निपटा जावे, इस बाबत संसद में बिल भी पेश हो रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि एक देश एक चुनाव प्रस्ताव 2029 से पहले संसद में पारित हो जावेगा; किन्तु कई कठिनाईयां इसके मार्ग में हैं। चुनाव में कई तरह के खर्चे बढ रहे हैं। साथ ही प्रशासनिक लागत में भारी बढ़ोत्तरी हो रही है। फ्रीबीज के कारण सरकारों का बजट राज्य को कंगाल कर रहा है। मशीन के स्थान पर पेपर बेलेट की ओर वापिस आने की बात कुछ राजनीतिक पार्टियां उठा रही हैं जबकि सुप्रीम कोर्ट ईवीएम मशीनों की प्रमाणिकता पर मुहर लगा चुकी है।

परिसीमन के प्रश्न पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया केन्द्रीय सरकार के विरोध में सडक पर उतरने की धमकी दे रहे हैं। उनके अनुसार परिसीमन की कवायद के द्वारा केन्द्रीय सरकार दक्षिण भारत के राज्यों की सीटें व राजनीतिक प्रभाव कम करने जा रही है। प्रस्तावित परिसीमन पर वार्ता के लिये तामिलनाडू के मख्यमंत्री एम के स्टालिन 5 मार्च, 2025 को सर्वदलीय बैठक आहूत कर रहे हैं। उनका आंकलन है कि तामिलनाडू को आठ सीटों का नुकसान होगा, यदि जनसंख्या देश पर आधारित यह कार्य किया गया। सीटें 39 है, वे घटकर 31 रह जावेंगी। सर्वदलीय बैठक में अन्नाद्रमुक और पीएमके जैसे दल बैठक में भाग लेंगे, किन्तु भाजपा और उसके घटक दल इस बैठक का बहिष्कार करेंगे। इस प्रसंग का उल्लेख केवल इसलिये किया गया है कि चुनाव सम्बन्धित सभी विषयों में कानून का अस्पष्टता के कारण विवाद पैदा हो रहे हैं। चुनाव में फर्जी मतदाता सूचियों का उल्लेख होता है तो कुछ राजनीतिक पार्टियां एक दूसरी राजनैतिक पार्टी पर आरोप लगाती हैं कि मतदाता सूचियों से मतदाताओं के नाम काटे व जोडे जा रहे हैं।

चुनाव कमीशन के समक्ष कई विवाद चल रहे हैं। यह भी विवाद है कि दो अलग-2 राज्यों के मतदाताओं के वोटर कार्ड पर एक जैसे इलेक्टर्स फोटो आइडेंटिटी कार्ड (पहचान पत्र) नम्बर को लेकर विवाद है। आयोग ने इसका स्पष्टीकरण दिया है कि एक जैसे एपिक नम्बर का अर्थ यह नहीं है कि लिस्ट में फर्जी मतदाता है।

दिल्ली के चुनावों में वोटर्स लिस्टों को चुनौती दी गई है। फर्जी वोटर्स का आरोप लगाया है।

जिन व्यक्तियों के विरूद्ध संगीन अपराध के केसेज चल रहे हैं, उन्हें चुनाव में खडा किया जाता है। उम्मीदवार के लिये शिक्षित होने की कोई शर्त नहीं है। कई बातें जो नोमिनेशन प्रपत्र में उल्लेख करना अनिवार्य है, उसका कोई अर्थ नहीं है। नामांकन पत्र में शिक्षा का कॉलम है, किन्तु अशिक्षित होने पर भी वह खडा हो सकता है। मुकदमें (फौजदारी) चल रहे हैं फिर भी इस आधार पर व्यक्ति को चुनाव लडने से प्रतिबंधित नहीं किया गया है।

संविधान में प्रत्येक नागरिक के मूल कर्त्तव्य परिभाषित अनुच्छेद 51क में किये गये हैं; किन्तु उसकी पालना न होने पर भी किसी प्रकार का कोई अंकुश नहीं है। मूल कर्त्तव्यों में प्रत्येक नागरिक से अपेक्षा की गई है कि वह हिंसा से दूर रहेगा, सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करेगा। देश में कहीं भी आन्दोलन हों, सरकारी वाहनों व सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाया जाता है, सडकें तोडी जाती हैं, आगजनी होती है और रेल्वे की लाइनें उखाडी जाती हैं और जनता का मार्ग अवरोध किया जाता है। कर्त्तव्यों में यह अपेक्षा की है कि प्रत्येक नागरिक भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे, किन्तु हमारा आचरण इसके विपरीत है। क्या ऐसे व्यक्ति संसद सदस्य अथवा विधानसभा के सदस्य होने चाहिये?

गत कई वर्षो से संसद व विधान सभाओं में हंगामें व शोरगुल में ही समय नष्ट होता है और सतत व समग्र विकास का कार्य नहीं होता, नये भारत के निर्माण के कार्य को गति प्राप्त होनी चाहिये। अतः नियम बनाना चाहिये सदन में बहस हो, चर्चा हो, किन्तु शोरगुल व हंगामा तथा असभ्य भाषा का प्रयोग न हो और ऐसा करने वाले सदस्यों को सत्र से निष्कासित माना जावे और पूरे सत्र का भत्ता न दिया जावे।

समय की पुकार है हमें हमारे चुनाव कानूनों को देश के विकास के लिये नई सोच के अनुरूप बनाना होगा। अत: आवश्यकता है हम चुनाव कानून में संसद सदस्य/विधानसभा के सदस्य के लिये योग्यता (Qualification) का निर्धारण करें। कानून बनाने वाला कम से कम बी.ए. तो पास होना ही चाहिये। इसी प्रकार अयोग्यता (Disqualification) भी निर्धारित होने चाहिये। जो व्यक्ति अपने कर्त्तव्यों की पालना ही नहीं कर पा रहा है उसे आप कानून बनाने वाला कैसे बना सकते हैं?

चुनाव कानून में यह व्यवस्था होनी चाहिये कि चुनाव सम्बन्धित विवाद केवल चुनाव हो जाने के बाद ही एक विशेष ट्रिब्यूनल निर्धारित करे। इन दिनों यह देखने में आ रहा है संविधान के अनुच्छेद 14 व 21 के अधिकार के हेतु पक्षकार सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा रहे हैं। इस पर अंकुश होना चाहिये। मतदाता सूची के मामले राज्य के चुनाव अधिकारी द्वारा तय किये जाने चाहिये और उसका निर्णय 15 दिन में होना चाहिये।

इन दिनों फ्रीबीज की सुविधाओं की बाढ आ रही है। फ्रीबीज एक प्रकार से वोट प्राप्त करने के हेतु रिश्वत ही है। इसका बंद होना आवश्यक है। केश बेनीफिट देना और मत प्राप्त करना अनैतिक है, इसके हेतु सजा का प्रावधान होना चाहिये। दागी व्यक्तियों को चुनाव में खडा होने का अधिकार देना उचित नहीं है।

संक्षेप में लेखक का अनुरोध है कि नया चुनाव कानून शीघ्र लाया जावे। 10वीं क्लास के बालक को चुनाव कानूनों का तथा संविधान का सामान्य ज्ञान देना चाहिये।

प्राय: यह देखने में आया है कि चुनाव याचिकाओं का निर्णय चुनाव की अवधि समाप्त होने तक नहीं होता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश को चुनाव पिटीशन की सुनने का अधिकार दिया है, उनके पास अपना कार्य करने के लिये भी समय नहीं होता, फिर वे कैसे न्याय कर सकते हैं?

संविधान में कुछ प्रावधान ऐसे हैं, जिन्हें 'Sunseet Law' के नियम के अनुसार लागू करना चाहिये। संविधान के अनुच्छेद 334 में स्थानों के आरक्षण और विशेष प्रतिनिधित्व का अधिकार दिया हैं इस प्रावधान में यह व्यवस्था है कि लोकसभा में और राज्यों की विधान सभाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षण होगा, किन्तु यह कहा गया है कि इस संविधान के उपबन्ध इस संविधान के प्रारम्भ से 10 वर्ष की अवधि की समाप्ति पर प्रभावी नहीं रहेगा। इसका अर्थ है कि आरक्षण 10 वर्ष बाद स्वत: ही समाप्त हो जायेगा। किन्तु ऐसा नहीं हुआ और 10 वर्ष के स्थान पर प्रत्येक 10 वर्ष में बढ़ा दिया जाता है। आज यह प्रावधान 10 के स्थान पर 80 हो गया है। इस प्रावधान को सुप्रीम कोर्ट में तथा हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है; किन्तु आज तक सुनवाई इस पर नहीं हुई। सम्भवत: लगभग 20 वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में केस पेन्डिंग है।

संविधान के भाग 4 में राज्य की नीति के निदेशक तत्वों का उल्लेख है। इनमें अधिकथित तत्व देश के शासन में मूलभूत हैं और विधि बनाने में इन तत्वों को लागू करना राज्य का कर्त्तव्य होगा। अनुच्छेद 37 में केवल यह स्पष्ट किया है कि इन तत्वों को कोई न्यायालय प्रवर्तनीय नहीं कर सकेगा। इसका अर्थ यह नहीं है कि नीति निदेशक तत्वों की क्रियान्विति के लिये बनाई जाने वाली विधि मूल अधिकारों से असंगत नहीं होगी। वस्तुत: नीति के निदेशक तत्व राष्ट्रीय चेतना के आधारभूत स्तर का निर्माण करते हैं। लेखक के मत के अनुसार यह व्यवस्था कुछ समय के लिये थी, किन्तु इसके कारण संविधान की अवज्ञा नहीं की जा सकती। समान नागरिक संहिता लागू करना राज्य का कर्त्तव्य है 75 वर्षों के बाद भी इसे लागू न करना संविधान की अवमानना है। संवैधानिक दृष्टि से भाग 4 में वर्णित कर्त्तव्य भाग 3 के मूलभूत अधिकरों से भिन्न नहीं है। भाग 3 के मूल अधिकार राजनीतिक मूल अधिकार हैं और भाग 4 के कर्त्तव्य राज्य के सामाजिक व आर्थिक कर्त्तव्य हैं।

संविधान के कई अनुच्छेद जिनमें अनुच्छेद 334, 343, 44, 45, 48ए, 50 आदि को हमें विकसित भारत की दृष्टि से देखना होगा।

अत: भारत की जनता, राज्य से अपेक्षा करती है कि चुनाव कानूनों में संशोधन की आवश्यकता है और शीघ्र से शीघ्र चुनाव कानून नई क्रान्तिकारी सोच के अनुसार बने अथवा उनमें संशोधन हो। भविष्य में आने वाले चुनाव तक भारत को विकसित देश बनाने का राष्ट्र का संकल्प होना चाहिये।

गत कई वर्षों से संसद व विधान सभाओं में हंगामें व शोरगुल में ही समय नष्ट होता है और सतत व समग्र विकास का कार्य नहीं होता, नये भारत के निर्माण के कार्य को गति प्राप्त होनी चाहिये। अत: नियम बनाना चाहिये सदन में बहस हो, चर्चा हो, किन्तु शोरगुल व हंगामा तथा असभ्य भाषा का प्रयोग न हो और ऐसा करने वाले सदस्यों को सत्र से निष्कासित माना जावे और पूरे सत्र का भत्ता न दिया जावे।

हे! मेरे देश तेरी जय हो, जय हो, जय हो!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

किशोरों की आवाज़ : स्वास्थ्य सेवा मूल्यांकन में किशोरों की भागीदारी

किशोरों को आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज में उजाला क्लिनिक सेवाओं के मूल्यांकन में कार्यशाला द्वारा शामिल किया

किशोरावस्था मानव के विकास का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें कई विशिष्ट स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करना होता है।किंतु जब किशोरावस्था के संदर्भ में ख़ास स्वास्थ्य सेवाओं का मूल्यांकन किया जाता है जो विशेष रूप से किशोरों के लिए बनाई गई हैं, तो किशोरों की आवाज़ अक्सर अनसुनी रह जाती है। जनवरी-मार्च 2024 के बीच किए गए एक सहभागी शोध अध्ययन ने इस स्थिति को बदलने का प्रयास किया, जिसमें किशोरों को आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज में उजाला क्लिनिक सेवाओं के मूल्यांकन में कार्यशाला द्वारा शामिल किया गया।

इस अध्ययन में 15-18 वर्ष की आयु के किशोरों को शामिल किया गया, जो तीन स्थानीय स्कूलों- विद्या भवन पब्लिक स्कूल, विद्या भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल और सीडलिंग मॉडर्न पब्लिक स्कूल से थे। इन किशोरों ने क्लिनिक की सेवाओं का मूल्यांकन करने में सक्रिय भूमिका निभाई। वे केवल उपभोक्ता नहीं थे, बल्कि उन्होंने मूल्यांकन को डिज़ाइन करने, प्रश्न तैयार करने और एकत्र किए गए डेटा का प्रारंभिक विश्लेषण करने में भी योगदान दिया। किशोरों द्वारा पहचानी गई प्रमुख स्वास्थ्य संबंधी विषयों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ जैसे कि चिंता, अवसाद और पारिवारिक दबाव शामिल थे। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य, शरीर की छवि (बॉडी इमेज) और व्यायायाम/फिटनेस की कमी को लेकर भी चिंता व्यक्त की। यौन स्वास्थ्य भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा था, क्योंकि कई किशोर खुद को गर्भ निरोधक उपायों और यौन संचारित रोगों की जानकारी के मामले में असुरक्षित और अनभिज्ञ महसूस कर रहे थे।

प्रतिभागियों ने उजाला क्लिनिक के भौतिक वातावरण को लेकर भी समस्याएँ उठाईं, जिसमें सफाई की कमी और निजता के अभाव को मदद लेने में प्रमुख बाधा बताया गया। क्लिनिक के मंद रोशनी वाले माहौल की ओर इशारा करते हुए एक प्रतिभागी ने बोला, उजाला क्लिनिक में कोई 'उजाला' नहीं है,।हालांकि, कर्मचारियों के साथ बातचीत ज्यादातर सकारात्मक रही। किशोरों ने उजाला क्लिनिक के कर्मचारियों की मित्रवत, सहनशीलता और सहायक प्रकृति की बहुत सराहना की।

एक प्रतिभागी ने साझा किया, मुझे नहीं लगा था कि उजाला क्लिनिक में मैम हमारे साथ इतना अच्छा व्यवहार करेंगी और इतनी शांतिपूर्वक हमसे बात करेंगी। उन्होंने हमारे सभी सवालों का बहुत अच्छे से जवाब दिया। इस स्वागतपूर्ण रवैये ने किशोरों को संवेदनशील मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने में सहज महसूस कराया।

इस अध्ययन के सहभागी दृष्टिकोण ने किशोरों को प्रेरित किया और उन्हें अपने स्वास्थ्य सेवा अनुभवों पर अधिक नियंत्रण का अनुभव करने का अवसर दिया। एक प्रतिभागी ने कहा, अगर कोई आता है, तो वे हमसे सवाल पूछते हैं, लेकिन इस बार हमने सवाल पूछे।इंटरैक्टिव और रचनात्मक गतिविधियाँ, जैसे कि रोल-प्ले, समूह चर्चा और संगीत, विशेष रूप से सराहे गए। एक प्रतिभागी ने कहा, हमें चार्ट बनाना और अलग-अलग तरीकों से काम करना बहुत मज़ेदार लगा,जिससे यह स्पष्ट होता है कि इन तरीकों ने कार्यशाला को अधिक रोचक और जानकारीपूर्ण बनाया।

किशोरों ने क्लिनिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए, जिनमें सेवाओं के बेहतर प्रचार-प्रसार, निजता सुनिश्चित करने पर अधिक ध्यान देने और गैर-आलोचनात्मक स्थान बनाने पर जोर दिया गया, जहाँ युवा स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर खुलेआम चर्चा कर सके। प्रतिभागी अपने स्कूलों में अपने साथियों के साथ एकत्रित जानकारी साझा करने को लेकर भी उत्साहित थे। एक प्रतिभागी ने सुझाव दिया, हम अपनी असेंबली में 5 मिनट ले सकते हैं और किशोरों को स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी दे सकते हैं।

अध्ययन के निष्कर्ष इस बात को उजागर करते हैं कि उन स्वास्थ्य सेवाओं को आकार देने में किशोरों की भागीदारी कितनी महत्वपूर्ण है जो उनके लिए बनाई गई हैं। उनके विचार भविष्य में वास्तविक सुधार ला सकते हैं और यह दिखाते हैं कि जब युवाओं को भाग लेने का अवसर दिया जाता है, तो वे उन सेवाओं में सार्थक योगदान दे सकते हैं जिन पर वे निर्भर हैं।

संविधान के हर पहलू से रूबरू करवाता है "संविधान कक्ष"

जोधपुर जिले के बावड़ी कस्बे में स्थित पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ने देश के संविधान को पूरी तरह समर्पित एक संविधान कक्ष का निर्माण करवाया है

जयपुर। पीएमश्री विद्यालयों में किए जा रहे नवाचार अब प्रशंसा बटोर रहे हैं। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देशन में विद्यालयों में नवाचार किए जा रहे हैं। नई सोच, नए प्रयास नए उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। ऐसा ही एक अनोखा उदाहरण पेश किया है जोधपुर जिले के बावड़ी कस्बे स्थित पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ने। विद्यालय ने देश के संविधान को पूरी तरह समर्पित एक कक्ष का निर्माण करवाया है, जिसे संविधान कक्ष का नाम दिया गया है। यह कक्ष न केवल विद्यार्थियों को संविधान से जुड़ी विभिन्न जानकारियों से रूबरू करवा रहा है, बल्कि उनमें अपने देश के संविधान के प्रति आदर भाव भी बढ़ा रहा है।

- **शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देशन में विद्यालयों में किए जा रहे विभिन्न नवाचार**
- **जोधपुर के बावड़ी कस्बे स्थित पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के अनोखे नवाचार ने बटोरी प्रशंसा**
- **विद्यालय में बनाया गया है संविधान कक्ष, संविधान निर्माण से जुड़ी अद्भुत जानकारियों का किया गया है संकलन**

सजा है महान विभूतियों की तस्वीरों से :-विद्यालय के संविधान कक्ष में संविधान से जुड़े विभिन्न पहलुओं को जीवंत करने का प्रयास किया गया है। जिसके अंतर्गत भारतीय संविधान की अनेक विशेषताओं को समावेशित करते हुए संविधान निर्माण में योगदान देने वालों डॉ.राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. बी आर अंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल, पं. जवाहर लाल नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आजाद, सचिदानंद सिन्हा, प्रो. के. टी. शाह, एच. वी. कामथ, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, के.एम. मुंशी, टी.टी. कृष्णमाचारी, वी.टी. कृष्णमाचारी, अल्लादी कृष्णा स्वामी अय्यर, गोपालास्वामी आयंगर, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, चौधरी रणबीर सिंह, एच.सी. मुखर्जी, फ्रैंक जे एंथोनी, प्रो. सिब्बन लाल सक्सेना, हीरालाल शास्त्री, जय नारायन व्यास, पुरुषोत्तम दास टंडन, जयपाल सिंह मुंडा, महावीर त्यागी, टी प्रकाशम, के संथानम के हनुमंथैया के फोटो तैयार कर लगवाए गए हैं। इसके अतिरिक्त संविधान सभा के सदस्य नहीं होते हुए भी संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले बी. ए. राव, नंदलाल बोस, एस एन मुखर्जी, एच वी आर आयंगर एवं प्रेम बिहारी नारायण रायजादा के योगदान भी याद किया गया।

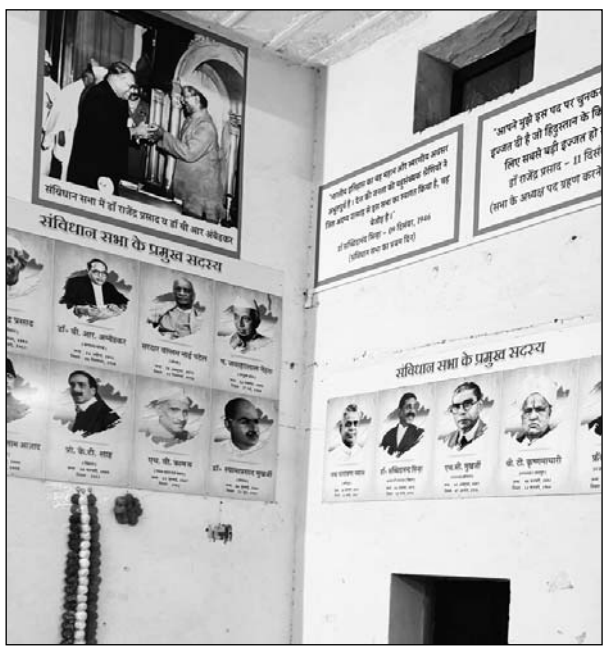

नारी शक्ति के योगदान को भी किया रेखांकित :-संविधान कक्ष में नारी शक्ति के महत्ती योगदान को भी याद किया गया है। संविधान सभा में 15 महिलाएं सदस्य थीं, महिलाओं के संविधान निर्माण में योगदान को रेखांकित करने के उद्देश्य से सभी 15 महिलाओं अम्मू स्वामीनाथन, दाक्षायाणी वेलायुधन, दुर्गाबाई देशमुख, हंसा मेहता, मालती चौधरी, सुचेता कृपलानी, पूर्णिमा बनर्जी, कमला चौधरी, सरोजनी नायडू, लीला रे, विजयलक्ष्मी पंडित, राजकुमारी अमृत कौर, रेणुका रे, बेगम एजाज रसूल, ऐनी मस्करीनी की तस्वीरें भी यहां लगाई गई हैं।

यहां संविधान की है विस्तृत जानकारी :-भारतीय संविधान से सम्बंधी महत्वपूर्ण तथ्यों में संविधान के भाग, अनुसूचियां, संविधान सभा के अधिवेशन, प्रारूप समिति, संविधान सभा की महत्वपूर्ण समितियां, संघ सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय सरकार, उद्देशिका मूल कर्तव्य, राजस्थान से संविधान सभा के सदस्य आदि के चार्ट तैयार कर लगवाए गए हैं। इसके साथ ही संविधान निर्माण के दौरान महत्वपूर्ण तिथियां जैसे 9 दिसम्बर 1946, 26 नवम्बर 1949, 24 जनवरी 1950 के दिन के कार्यो को भी प्रदर्शित किया गया है।

अब लगाए जाएंगे ऑडियो सिस्टम :-अपनी देखरेख में संविधान कक्ष को तैयार करने वाले राजनीति विज्ञान के स्कूल व्याख्याता सुरेंद्र सिंह राजपुरोहित बताते हैं कि संविधान की मूल कॉपी पर 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। सभी सदस्यों के हस्ताक्षर, संविधान सभा से संबंधित चित्र और संविधान सभा में विभिन्न सदस्यों के कथन आदि के पोस्टर लगाकर संविधान कक्ष को जीवंतता प्रदान करने का प्रयास किया गया है। अगले चरण में संविधान कक्ष में कैमरे, संविधान कक्ष में मैटिंग लगाना, संविधान कक्ष में संविधान की मूल कॉपी रखने का कार्य किया जायेगा। साथ ही ऑडियो सिस्टम भी लगाया जायेगा ताकि संविधान व संविधान कक्ष से संबंधित जानकारिया विद्यार्थियों, अभिभावकों के साथ साझा की जा सके।

शुरुआत से ही बच्चे जानें अपना संविधान :- संविधान कक्ष जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी जोधपुर के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री दिनेश गहलोत की देखरेख में तैयार हुआ है। उनका कहना है कि संविधान कक्ष बनाने के पीछे लक्ष्य यह था कि नई पीढ़ी शुरुआत से ही संविधान के बारे में जानें। यह किन परिस्थितियों में तैयार हुआ, किन-किन लोगों की भागीदारी रही जैसी बातें उन्हें पता चलें। पीएम श्री विद्यालयों में नागरिक सहभागिता के तहत यह किया गया है। यह कदम बेहद कारगर साबित हो रहा है। प्रधानाचार्य अंजना दवे सहित विद्यालय परिवार व भामाशाह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

राशिफल शुक्रवार 7 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 11:32 तक, प्रीति योग सायं 6:14 तक, बव करण प्रात: 9:19 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:45 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 11:32 से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी है। आज से होलाष्टक आरम्भ होंगे और अष्टानिका महापर्व आरम्भ (जैन) होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:16 तक, लाभ-अमृत 8:16 से 11:11 तक, शुभ 12:38 से 2:05 तक, चर 5:00 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:49, सूर्यास्त 6:27

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में/आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
आज शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

मकर
घर-परिवार में चल रहे आपसी विवाद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मीन
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

आज हम फल सब्जियों, गेंहू, दूध, घी सबमें जहर खा रहे हैं : हरीश चौधरी

विधानसभा में कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने स्वास्थ्य विभाग की मांगों पर बहस में भाग लिया

जयपुर। कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने बहस में हिस्सा लेते हुए कहा कि पीने के पानी की गुणवत्ता पर मेडिकल विभाग को रिपोर्ट स्पष्ट करनी चाहिए। पानी मे फ्लोराइड जैसे तत्व सबसे ज्यादा हैं। सरकार को इसमें सम्बंधित विभागों की जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। थार के अंदर पानी के टांके बने हुए हैं, उनमें पानी की गुणवत्ता है। आज हम उसके बारे में बात नहीं कर रहे। आज प्रदेश के अंदर स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मिलावटी खाने के बारे में जनता को सही जानकारी देने की हमारी जिम्मेदारी है। आज हम फल सब्जियों, गेंहू, दूध, घी सबमें जहर खा रहे हैं। सदन कोई कानून नियम नहीं बना रही।

> ■ 'जहर मिलाने वालों के लिए हमने बड़े कमजोर नियम बना रखे हैं, ऊपर से दोषियों को बचा रहे हैं'

उन्होंने कहा कि गौमाता की जय तो बोलते हैं, लेकिन यह नहीं देख रहे की बाजार में मिल रहे गाय के घी में कितनी मिलावट आ रही है। गाय के आहार में मिल रहे पेस्टिसाइड्स से हमें दूध में जहर मिल रहा है। हरीश चौधरी ने कहा कि जहर मिलाने वालों के लिए हमने बड़े कमजोर नियम बना रखे हैं। ऊपर से दोषियों को बचा रहे हैं। हमें जांच लैब की कमी पर बात करनी चाहिए। एसएमएस अस्पताल में 15 हजार की ओपीडी होना चिंताजनक है। इलाज का विकेंद्रीकरण करना होगा। हमें किसी देश के मॉडल अपनाने की जगह राजस्थान की परिस्थितियों के हिसाब से मॉडल बनाना चाहिए। मेडिकल सेंट्रलाइज्ड करने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को जयपुर आना पड़ता है और शहरी लोगों को निजी अस्पतालों में जाना पड़ता है। कोरोना से मेडिकल अधिकारियों ने नहीं नर्सिंग स्टाफ ने लड़ाई लड़ी। उन्हें सल्यूट करता हूं। आज उन्ही लोगों की भर्ती नही हो रही। बायतु उपजिला अस्पताल के अंदर 38 स्वीकृत पदों में सिर्फ 14 पद भरे हैं। जेनरेटिक दवाइयों को बढ़ावा देने की साथ एंटीबायोटिक दवाइयों के दुष्परिणाम के बारे में भी हमें सोचना चाहिए। स्टेरॉइड के कारण बहुत मौतें हुई। हमें कोई नीति बनानी पड़ेगी। चिरंजीवी योजना के माध्यम से लोगों को 25 लाख का इलाज मिल रहा था। आज नाम बदल दिया, लेकिन लोगों को सुविधाएं नहीं मिल पा रही। इंश्योरेंस कंपनी की वजह से पैसा अटकने के कारण लोग अस्पतालों में क्लेम के लिए धक्के खा रहे हैं। सरकार की क्लेम दिलाने की प्राथमिकता नहीं है। आरजीएचएस के भुगतान के लिए मेडिकल स्टोर वाले कहते हैं कि इसका पैसा टाइम पर नहीं मिलता। टोटल फर्टिलिटी रेट को भी समझने की आज जरूरत है।

'गौशालाओं को देय अनुदान राशि में हो रही निरंतर वृद्धि'

जयपुर। गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गुरुवार को विधानसभा में राज्य सरकार को गौशालाओं के रख-रखाव के लिए संवेदनशील बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बजट वर्ष 2024-25 में गौशालाओं को देय अनुदान सहायता राशि में दस प्रतिशत की वृद्धि की गई थी और अब बजट वर्ष 2025-26 में भी 15 प्रतिशत की वृद्धि के लिए घोषणा की गई है। कुमावत प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 4 हजार 140 गौशालाएं संचालित हैं। इनमें से 3 हजार 43 गौशालाएं इस वर्ष अनुदान सहायता राशि के लिए पात्र है।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की परीक्षाएं गुरूवार से शुरू हो गए। मालवीय नगर में सेक्टर 1 के गर्ल्स स्कूल में कक्षा 10 का एग्जाम देने जाते विद्यार्थी।

आपकी कृपा से विधायक नहीं हूं : कुलदीप धनकड़

जयपुर। विधानसभा में अनुदान मांगों पर बोलने वालों की लिस्ट से नाम काटे जाने के मुद्दे को लेकर भाजपा विधायक कुलदीप धनखड़ और सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के बीच जमकर नोक-झोंक हुई। दोपहर में लंच टेबल पर दोनों ने एक-दूसरे को जमकर खरी-खोटी सुनाई। इस दौरान कई विधायक भी मौजूद थे, सीनियर नेताओं ने बीच-बचाव कर मामला शांत करवाया। धनखड़ स्वास्थ्य की अनुदान मांगों पर बोलना चाहते थे, लेकिन सचेतक ने उनका नाम नहीं लिखा, इस मुद्दे पर बात इतनी बढ़ी कि कई विधायकों की मौजूदगी में लंच के दौरान भिड़ गए।

> ■ मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग और भाजपा विधायक धनकड़ के बीच हुई नोक-झोंक

धनखड़ ने गर्ग से नाराजगी जताते हुए कहा कि टारगेट बनाकर मेरा नाम हटाया गया। इस पर गर्ग ने और भी 10 विधायकों के नाम हटाने का तर्क दिया। इस बीच दोनों के बीच बहस बढ़ गई, गर्ग ने गुस्से में यहां तक कह दिया कि अपने दिमाग से गंदगी को निकाल दो। बदले में धनखड़ ने भी कह दिया को गंदगी आपके दिमाग में है। गर्ग इस पर गुस्सा हो गए, और कहा कि आपने तो मुख्यमंत्री तक शिकायत कर दी, लेकिन मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाए।

धनखड़ ने फिर पलटवार किया और कहा कि मैं आपकी कृपा से विधायक नहीं हूं। इस बीच वरिष्ठ विधायकों ने बीच-बचाव किया और दोनों को शांत करवाया।

नागपुर में जल्द शुरू होगा 'पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क'

जयपुर। नागपुर के मिहान (नागपुर में मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल कार्गो हब और एयरपोर्ट) क्षेत्र में पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क 9 मार्च को परिचालन शुरू करने के लिए तैयार है। मिहान में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने हेतु भूमि पूजन का कार्य सितम्बर 2016 में किया गया था।

> ■ लगभग 700 करोड़ किया जा चुका है निवेश, करीब 1500 करोड़ निवेश करने की योजना

नागपुर में स्थापित होने वाला पतंजलि का यह फ्रूट्स एण्ड वैजीटेबल्स प्रोसेसिंग प्लांट है जिसमें सिटरस तथा ट्रॉपिकल फल व सब्जियों को प्रोसेस करके जूस, जूस कन्संट्रेट, पल्प, पेस्ट व प्यूरी का उत्पादन कर सकते हैं। जैसा की विदित है, नागपुर पूरे विश्व में ऑरेंज सिटी के नाम से विख्यात है, यहाँ सिटरस फ्रूट्स जैसे संतरा, कीनू, मौसम्मी, नींबू इत्यादि की बहुलता है। इसको दृष्टिगत रखते हुए पतंजलि ने सिटरस प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया है। इस सिटरस प्रोसेसिंग प्लांट में प्रतिदिन 800 टन फ्रूट प्रोसेस करके फ्रोजन जूस कन्संट्रेट बना सकते हैं। यह जूस 100 प्रतिशत प्राकृतिक है तथा इसमें किसी भी प्रकार के प्रिजर्वेटिव या शुगर का प्रयोग नहीं किया जाता।

इसके साथ-साथ ट्रापिकल फ्रूट्स का भी प्रसंस्करण किया जाता है जिसमें आँवला प्रतिदिन 600 टन, आम प्रतिदिन 400 टन, अमरूद प्रतिदिन 200 टन, पपीता प्रतिदिन 200 टन, सेव प्रतिदिन 200 टन, अनार प्रतिदिन 200 टन, स्ट्रॉबेरी प्रतिदिन 200 टन, प्लम प्रतिदिन 200 टन, नाशपाती प्रतिदिन 200 टन, टमाटर प्रतिदिन 400 टन, लौकी प्रतिदिन 400 टन, करेला प्रतिदिन 400 टन, गाजर 160 टन, एलोविरा 100 टन प्रतिदिन टन प्रोसेस करके वैश्विक विनिर्देश के अनुसार जूस, जूस कन्संट्रेट, पल्प, पेस्ट व प्यूरी का उत्पादन कर सकते हैं। फ्रूट से सीधे प्रोसेसिंग की इस प्रक्रिया को प्राइमरी प्रोसेसिंग कहते हैं।

इस प्लांट में अभी तक लगभग 700 करोड़ का निवेश किया जा चुका है। इस पूरी कार्य योजना में लगभग 1500 करोड़ निवेश की योजना है। इस प्लांट के स्थापित होने से यहाँ इंफ्रास्ट्रक्चर भी विकसित होगा।

दिया कुमारी को वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

जयपुर। पेसिफिक एशिया ट्रैवल राइटर्स एसोसिएशन ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उप मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी को वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर, इंडिया के सम्मान से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान आईटीबी बर्लिन, जर्मनी में सेशेल्स के पूर्व पर्यटन मंत्री डॉ. एलन सेंटएन्ज द्वारा दिया गया।

उप मुख्यमंत्री की ओर से पर्यटन विभाग के अधिकारी, अपर निदेशक आनंद त्रिपाठी, उप निदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया।

गहलोत व डोटासरा विधानसभा के गौरवशाली इतिहास को कलंकित कर रहे हैं : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के शुभारंभ को लेकर दिये गये बयान पर जोधपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी सरकार के समय होने वाले निर्माण कार्य प्रदेश की जनता के टैक्स से होते हैं। गत सरकार में कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान को संचालित करने वाली कार्यकारी संस्था का चयन नहीं हुआ था लेकिन अब विधानसभा अध्यक्ष द्वारा इस संस्था के चयन के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित विधानसभा के सदस्यों को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब के प्रवेश के समय आमंत्रित किया जाना पूरी तरह न्यायसंगत और विधिसम्मत है।

राठौड़ ने कहा कि जिस प्रकार घर में प्रवेश करते समय परिवार के सदस्यों को आमंत्रित किया जाता है उसी तरह कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान का संचालन करने वाली संस्था के चयन के उपरांत क्लब के विधिवत कार्यशील होने के महत्वपूर्ण अवसर पर सदस्यों को आमंत्रित करना गलत कैसे हो सकता है? दुर्भाग्य है कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा राजस्थान विधानसभा के गौरवशाली इतिहास को कलंकित करने का काम कर रहे हैं और राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए विधानसभा अध्यक्ष का अपमान करने में जुटे हैं। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा बार-बार विधानसभा अध्यक्ष को अपमानित करना ना केवल संसदीय परंपराओं को कमजोर करने का प्रयास है बल्कि उनकी संकीर्ण मानसिकता को भी दर्शाता है। कुछ दिनों पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष द्वारा विधानसभा अध्यक्ष के प्रति निम्न स्तर के शब्दों का प्रयोग करना, निलंबित होने पर 7 दिन तक बेवजह गतिरोध बनाये रखना तथा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के माफी मांगने पर गतिरोध समाप्त होने के बाद भी सदन से लगातार अनुपस्थित रहना यह दर्शाता है कि कांग्रेस पार्टी में गहलोत बनाम पायलट गुट के अलावा अब नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के नये गुट में अंतर्कलह प्रारंभ हो गई है।

श्रीजी का फाग उत्सव मनाया

जयपुर। श्रीजी का फाग उत्सव गुरुदेव गोस्वामी प्रेमकुमार महाराज, गोस्वामी हितेंद्र कुमार, गोस्वामी प्रियांश (छोटी सरकार श्रीधाम वृंदावन) के सानिध्य में मनाया गया। रसिक जन होली धमाल के पदों पर नृत्य कर बहुत आनंद लिया। फागोत्सव जवाहर सर्किल स्थित गोकुल वाटिका पर रविवार को फूलों की होली एवं भजन संध्या का आयोजन हुआ। आयोजक सुरेश टांक, राजेन्द्र, विष्णु टांक ने अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर और फूल बरसाकर सम्मान किया। विष्णु टांक ने बताया कि हर वर्ष फाग श्याम भजन संध्या का आयोजन किया जाता है। फूलों की होली खेली जाती है। राधाकृष्ण स्वरूप झांकी सजाई गई श्याम जी का फूलों की झांकी से श्रृंगार किया। श्याम रंग रसिया, फागण आयो रंग रसिया श्याम।

आर.यू.एच.एस. का कुलपति महाराष्ट्र के फार्मासिस्ट को बना दिया : बराला

'क्या राजस्थान का एक भी डॉक्टर इस पद के लाइक नहीं था?'

जयपुर। कांग्रेस विधायक शिखा मील बराला ने राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज मैं गैर डॉक्टर को कुलपति बनाए जाने पर सवाल उठाए।

स्वास्थ्य विभाग की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान शिखा मील बराला ने कहा कि आरयूएचएस में एक नई पर्ची के स्वास्थ्य विभाग के गलियारों में बड़े चर्चे हैं। आरयूएचएस वीसी पद पर महाराष्ट्र के रहने वाले फार्मासिस्ट को लगाया गया है, वह राजस्थान के सभी वरिष्ठ और योग्य अनुभवी डॉक्टर के पर एक सवालिया निशान है। ये वहीं डॉक्टर हैं, जिन्होंने अपने करियर में हजारों स्पेशलिस्ट तैयार कर दिए। क्या राजस्थान का एक भी डॉक्टर इस पद के लाइक नहीं था?

बराला ने कहा कि मेडिकल एजुकेशन की स्थिति बहुत चिंताजनक है। नए मेडिकल कॉलेजों में यू-ट्यूब से और बिना फैकल्टी पढ़ाई हो रही है और यह डॉक्टर हमारा इलाज करेंगे। इंडियन मेडिकल काउंसिल (आईएमसी) 8वीं-10वीं पास लोगों को फर्जी डिग्री देती है, ऐसे डॉक्टर फिर फील्ड में जाकर इलाज करेंगे तो मौतें होंगी, वो सरकार के खाते में लिखी जाएगी। राजस्थान में फिजियोथेरेपी काउंसिल नहीं है, इसकी स्थापना होनी चाहिए।

रंगाई-छपाई की 848 इकाइयों की संपत्ति कुर्क करने के आदेश पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सांगानेर की 848 रंगाई-छपाई इकाइयों से निकले अपशिष्टों के प्रबंधन के लिए बनाए सीईटीपी की निर्माण राशि व इससे जुडी करीब 96 करोड रुपए की वसूली के मामले में सांगानेर कपड़ा रंगाई छपाई एसोसिएशन के निदेशकों, पदाधिकारियों व सदस्यों के स्वामित्व वाली संपत्तियों को कुर्क करने के संबंध में कॉमर्शियल कोर्ट के गत 14 फरवरी के आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है। जस्टिस अवनीश झिंगन व जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश गुरुवार को राज्य सरकार की अपील पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि पहले याचिका की मेंटेनेबिलिटी पर सुनवाई की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कॉमर्शियल कोर्ट एक्ट, 2015 की धारा 13 के तहत अपील दायर कर कहा कि कॉमर्शियल कोर्ट का आदेश पूरी तरह से विधि के प्रावधानों के खिलाफ है। प्रार्थी फर्म अपने व्यावसायिक हितों के लिए कोर्ट के डिक्री आदेशों का क्रियान्वयन करवाना चाहता है। इसके जवाब में दावाकर्ता फर्म मैसर्स एडवेंट एंवायरकेयर टेक्नोलॉजीज ने कहा कि राज्य सरकार की अपील सुनवाई के लिए मेंटेनेबल नहीं है।

कैंसर जांच व जागरूकता अभियान

जयपुर। रघुकुल ट्रस्ट,भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल और कैंसर केयर की संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को जयसिंह पुरा रोड पर कैंसर जांच एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। हवा महल क्षेत्र से एमएलए महाराज बालमुकुंद आचार्य की सानिध्य में, रोहित पब्लिक स्कूल के सहयोग से स्कूल परिसर में आयोजित इस शिविर में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अभियान के उद्घाटन समारोह में पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल ने कैंसर जांच के महत्व के बारे में बताया। इस मौके पर समाजसेवी व कैंसर विजेता साधना गर्ग ने जनता को प्रोत्साहित करके कहा की अर्ली डिटेक्शन कैंसर से बचने का मूल मंत्र है। कैंसर स्क्रीनिंग के माध्यम से कैंसर रोगी अपने आप को एवं अपने परिवार को आर्थिक, सामाजिक और मानसिक त्रासदी से बचा सकता है।

सहारा प्राइम सिटी के मामले में अभियुक्त की गिरफ्तारी के आदेश

जयपुर। राजस्थान राज्य उपभोक्ता आयोग द्वारा सहारा प्राइम सिटी के विरुद्ध अवमानना कार्रवाई को गंभीरता से लेते हुए अभियुक्तों की हर संभव गिरफ्तारी करने के आदेश दिए हैं। राज्य उपभोक्ता आयोग द्वारा दो दिनों में अलग-अलग कुल 67 अवमानना प्रकरणों की सुनवाई करते हुए पुलिस के विशेष बल द्वारा की गई कार्रवाई का अवलोकन किया।

पुलिस द्वारा बताया गया कि नोटिस तामील नहीं हो पा रहे है। आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र कच्छवाहा, सदस्य न्यायिक निर्मल सिंह मेड़तवाल, सदस्य लियाकत अली ने आदेश दिया कि आयोग द्वारा लंबे समय से वारंट बार-बार जारी किए जा रहे हैं। विशेष पुलिस बल का गठन भी किया गया है। आयोग द्वारा अपने आदेश में कहा कि पुलिस रिपोर्ट के अवलोकन से ज्ञात हो रहा है कि वारंटी जानबूझकर प्रकरणों में पूर्व में जारी जमानती वारंट की तरह गिरफ्तारी वारंट की भी तमिल से बच रहे हैं, और निकट भविष्य में वारंटी की तमिल सामान्य क्रम में होने की संभावना नहीं है। अत: प्रकरण के शेष अप्रार्थी, अभियुक्त के विरुद्ध वारंट पुन: जारी कर विशेष पुलिस दल को सुपुर्द किए जाए और गिरफ्तारी वारंट पर पूर्व की तरह शर्त लिखी जावे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 8 को

जयपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में 8 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह लोक अदालत राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर एवं जयपुर पीठ सहित प्रदेश के सभी अधीनस्थ न्यायालयों, राजस्व न्यायालयों, उपभोक्ता आयोगों एवं अन्य प्रशासनिक प्राधिकरणों में आयोजित होगी। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में इस लोक अदालत का शुभारंभ राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस श्री चंद्रशेखर तथा राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ में राजस्थान उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस इंद्रजीत सिंह की अध्यक्षता में प्रात: 10 बजे किया जाएगा।

राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद लागू होगा एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट : पटेल

जयपुर। विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाएगा। पटेल प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा राज्य में अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल विधानसभा में प्रस्तुत किया गया था। इसे 15वीं विधानसभा के अष्ठम सत्र में 21 मार्च 2023 को विधानसभा द्वारा पारित किया गया। उन्होंने बताया कि इस बिल पर राष्ट्रपति की स्वीकृति अभी तक प्राप्त नहीं हुई है।

> ■ विधायक अमीन कागजी के प्रश्न पर विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने जवाब दिया

इससे पहले विधायक अमीन कागजी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के 31 जिला एवं सेशन न्यायालय परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इनमें वर्तमान में 33 हैड कांस्टेबल तथा 131 कांस्टेबल सुरक्षा गार्ड उपलब्ध हैं।

भ्रष्टाचार उन्मूलन की दिशा में सशक्त अनुसंधान एवं प्रभावी अभियोजन महत्वपूर्ण : डॉ. मेहरड़ा

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राजस्थान द्वारा गुरुवार को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में "इन्वेस्टीगेशन ऑफ डी ए केसेस : ए कंप्रेहेंसिव एप्रोच इन दी लाइट ऑफ न्यू क्रिमिनल लॉज " विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि महानिदेशक, एसीबी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा और विशिष्ट अतिथि डी.सी. जैन, सेवानिवृत्त डीजी द्वारा किया गया। महानिदेशक एसीबी मेहरड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आय से अधिक सम्पति मामलों पर विस्तार से चर्चा कर डी ए केसेस की जांच को नए आपराधिक कानूनों के तहत अधिक प्रभावी बनाना और अभियोजन प्रक्रिया को मजबूत करना है। महानिदेशक ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं ब्यूरो के अधिकारियों को एक प्लेटफार्म पर नये क़ानून पर एक साथ चर्चा करने से प्रभावी ज्ञानवर्धन का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इससे भविष्य में आपसी समन्वय की भावना के साथ मजबूत अनुसंधान करने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने इस कार्यशाला को अनुसंधान अधिकारियों और अभियोजन अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला से राज्य सरकार की भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति को प्रभावी रूप से लागू करने में सहायता मिलेगी।

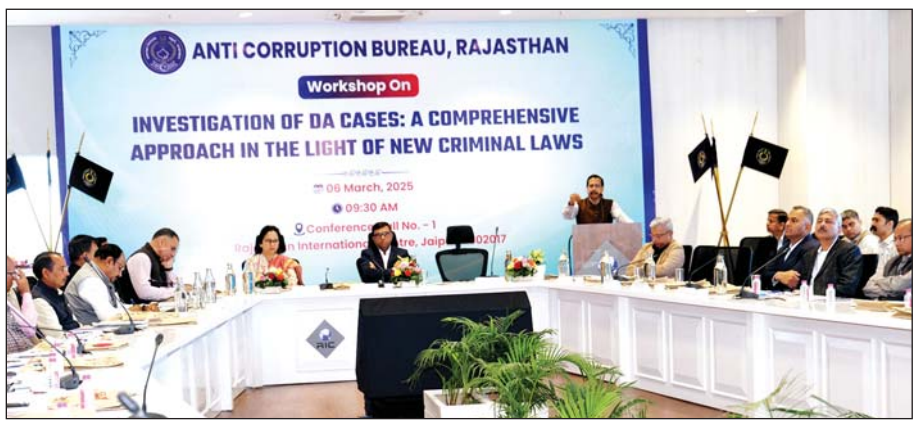

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ओर से गुरुवार को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में "इन्वेस्टीगेशन ऑफ डी ए केसेस : ए कंप्रेहेंसिव एप्रोच इन दी लाइट ऑफ न्यू क्रिमिनल लॉज" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता: डी.सी. जैन, सेवानिवृत्त डीजी ने पहले सत्र में "अंडरस्टैंडिंग दी न्यूसेन्स इन्वॉल्वड इन दी इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ डी ए केसेस" विषय पर सम्बोधन में डीए मामलों की जांच के जटिल पहलुओं को समझने पर चर्चा की गई। डी.सी. जैन ने संपत्ति की जांच, वित्तीय विश्लेषण, और सबूतों की सत्यता सुनिश्चित करने के विभिन्न पहलुओं पर गहराई से प्रकाश डाला।

इस अवसर पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के कालूराम रावत, उप महानिरीक्षक प्रथम, राजेश सिंह, उप महानिरीक्षक तृतीय, अनिल कयाल, उप महानिरीक्षक चतुर्थ एवं शिवराज सिंह, उप महानिरीक्षक कोटा रेंज, पुलिस अधीक्षक प्यारेलाल शिवरान, वित्तीय सलाहकार सांवरमल और ए सी बी की सभी यूनिट्स में पदस्थापित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा ब्यूरो के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कांस्टीट्यूशन क्लब के उद्घाटन का कांग्रेस बहिष्कार करेगी

जयपुर। कांस्टीट्यूशन क्लब को लेकर प्रदेश में सियासी पारा गरम हो गया है। कांग्रेस ने 8 मार्च को होने वाले उद्घाटन का बहिष्कार का ऐलान कर दिया। कांग्रेस ने कहा कि जिसका उद्घाटन हो चुका, उसका फिर से उद्घाटन क्यों? हम बहिष्कार करते हैं।

कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि हमारी सरकार ने कांस्टीट्यूशन क्लब न केवल बना दिया था, बल्कि उसकी उद्घाटन भी कर दिया था। बावजूद इसके, अब इसका फिर से उद्घाटन किया जा रहा है। 8 मार्च को होने वाले उद्घाटन समारोह में कांग्रेस शामिल नहीं होगी। हम इस समारोह का बहिष्कार करते हैं। जूली ने कहा कि उद्घाटन हो चुका है, शुभारंभ के नाम पर वापस इसका उद्घाटन करना चाह रहे हैं। यह गलत परंपरा है। इस गलत परंपरा का हमारी पूरी पार्टी, पूरा विधायक दल इसका बहिष्कार करेगा। इस प्रकार से गलत परंपरा में विपक्ष शामिल नहीं होगा। जूली ने कहा कि कांस्टीट्यूशन क्लब में पट्टिका लगी हुई है। क्लब का उद्घाटन पहले हो चुका है। इस पर पुनर्विचार किया जाए।

> ■ कांग्रेस बोली, "दोबारा उद्घाटन क्यों? हम बहिष्कार करते हैं"

भाजपा विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ पट्टियां लगाने का काम किया। विधायक आवास में डेढ़ साल नहीं हुआ, दरारें आ गई, टाइलें उखड़ गई, छत से पानी टपकने लग गया। कांग्रेस ने ऐसे भ्रष्टाचार के नमूने जगह-जगह खड़े कर दिए। कांग्रेस ने सिर्फ सिलापट्टी का लगाना और लगाते जाने का ही काम किया। इसलिए, कांग्रेस के आरोप यह सब फिजूल की बातें हैं।

मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में की जायेगी सख्त कार्रवाई : बेढ़म

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने गुरुवार को विधानसभा में आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री रोकने के लिए राज्य सरकार सजग हैं और अपराधियों के साथ पुलिस की मिलीभगत एवं तस्करी में लिप्त की शिकायत पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। बेढ़म प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के पूरक प्रश्न 'क्या मादक पदार्थ तस्करी मामलों में पुलिस की गठजोड़ की शिकायत प्राप्त हुई हैं और तस्करी रोकने की कोई कार्ययोजना हैं' पर कहा कि अपराधियों के साथ पुलिस की मिलीभगत की कोई शिकायत अब तक प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि ऐसी कोई भी शिकायत आने पर कठोर कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी रोकने के लिए सजगता से कार्रवाई की जा रही है।

सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में तीन दिन से लगी आग बायोपार्क व आबादी की ओर बढ़ी

सज्जनगढ़ सेंचुरी और बायोलॉजिकल पार्क में पर्यटकों की एंट्री बंद, मकान खाली करवाए

- हवा तेज चलने के कारण आग 7 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली, सूचना के बाद उदयपुर से दमकल की 10 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंची
- वनकर्मी मैनुअल तरीके से फायरबीटर के जरिए आग बुझाने के प्रयास में जुटे हैं, वहीं फायरकर्मी पानी और स्प्रे कर आग बुझा रहे हैं
- सांसद मन्नालाल रावत ने आग नियंत्रित करने हेलीकॉप्टर के लिए सीएमओ फोन किया, पहाड़ी पर टांके व रास्ते बनाने का सुझाव दिया

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में पिछले तीन दिन से लगी आग ने गुरुवार सुबह विकराल रूप धारण कर लिया। हवा तेज चलने के कारण आग 7 हेक्टेयर क्षेत्र में फैल गई। आग फैलने की सूचना के बाद उदयपुर से दमकल की 10 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंची। कई फेरे करते हुए आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस, वन विभाग और दमकल कर्मचारी मौके पर डटे हुए हैं।

कलेक्टर नमित मेहता के अनुसार दो दिन से आग को कंट्रोल कर लिया गया था। सुबह तेज हवा की वजह से आग फैलती गई। सज्जनगढ़ अभयारण्य के बैक साइड एरिया में पहाड़ी पर लगी आग पर गुरूवार को भी काबू नहीं पाया जा सका है। 100 से ज्यादा वनकर्मी, सभी फायर स्टेशनों के दमकलकर्मी सहित करीब 22 फायर ब्रिगेड और 40 पुलिसकर्मी लगातार आग बुझाने में जुटे हुए हैं। आग ने अभयारण्य और आसपास के करीब सात हेक्टेयर वन क्षेत्र को चपेट में ले लिया है। हवा के साथ आग डायरेक्शन बदल रही है, जिससे आग अभयारण्य के पिछले हिस्से से बायोलॉजिकल पार्क और आबादी बस्ती की ओर बढ़ रही है जिसने सभी की चिंता बढ़ा दी है। सभी प्रयासों के जरिए आग को बायोलॉजिकल पार्क की बाउंड्री से पहले ही रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। एहतियातन सज्जनगढ़ अभयारण्य की बाउंड्री से नजदीक 4.5 कच्चे पक्के घरों को खाली करवाया गया है।

डीएफओ सुनील सिंह ने बताया कि सुबह दस बजे के करीब आग लगने की सूचना मिली। उस समय मानसून पैलेस और बायोलॉजिकल पार्क में लगभग 50 पर्यटक मौजूद थे। सुरक्षा को देखते हुए सबसे पहले टिकट खिड़की को बंद करवाया गया। इसके बाद सभी पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला और पार्क की एंट्री बंद कर दी गई। अभयारण्य में फैलती आग की स्थित को देखते हुए गुरूवार को सांसद मन्नालाल रावत, कलेक्टर नमित मेहता, एसपी योगेश गोयल, वन संरक्षक सुनील, डीएफओ मुकेश सैनी, अजय चित्तौड़ा, पुलिस एडिशनल एसपी, डीएसपी, 5 थानों के एसएचओ सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं।

एसपी योगेश गोयल ने बताया कि आग हवा के साथ डायरेक्शन बदल रही है, यह बड़ी चुनौती है। लगातार आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। वनकर्मी मैनुअल तरीके से फायरबीटर के जरिए आग बुझाने के प्रयास में जुटे हैं, वहीं फायरकर्मी पानी और स्प्रे कर आग बुझा रहे हैं। काफी हिस्से में लगी आग पर काबू पाया जा चुका है। आग पास की आबादी बस्ती या बायोलॉजिकल पार्क की तरफ नहीं बढ़े इसके प्रयास भी किए जा रहे हैं। बायोलॉजिकल पार्क की बाउंड्री के पास आग पहुंच चुकी है। आग पर काबू पाने की वनकर्मी हर संभव प्रयास कर रहे हैं और कोशिश की जा रही है कि किसी भी तरह से आग को बायोलॉजिकल पार्क की बाउंड्री को पार न करने दिया जाए। बायोलॉजिकल पार्क में शेर, टाइगर, पैंथर सहित 60 से अधिक प्रजाति के वन्यजीव हैं।

जानकारी के अनुसार जहां आग लगी उससे लगता हुआ आबादी क्षेत्र है। प्रशासन ने 6 घरों को खाली कराया है और उन घरों से गैस सिलेंडर को बाहर निकलवाया है। आग की सूचना के बाद लोगों की भीड़ भी मौके पर जमा हो गई है। प्रशासन ने मवेशियों को भी बाहर निकालने की अपील की है। सज्जनगढ़ अभयारण्य की पहाड़ियों पर लगी आग शहर के कई इलाकों से दिखायी पड़ रही तो कई किमी दूर से पहाड़ी से उठता धुंआ साफ दिख रहा है।

आग का जायजा लेने पहुंचे सांसद डॉ. रावत

उदयपुर, (निसं)। सज्जनगढ़ की पहाड़ियों पर लगातार आग की घटनाओं पर सांसद मन्नालाल रावत ने गुरुवार को मौके का दौरा किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस तरह के हालात से निबटने के लिए पहले से पुख्ता व्यवस्था करें। हर साल पहाड़ियों पर आग की घटनाएं चिंताजनक है।

सांसद रावत सुबह सज्जनगढ़ की पहाड़ियों पर आग लगने की सूचना मिलने पर मौके के लिए रवाना हुए। इस दौरान कलेक्टर नमित मेहता व वन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। हालात का जायजा लेने के बाद सांसद रावत ने आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर की मदद लेने का प्रशासन को सुझाव दिया। सांसद ने हेलीकॉटर व्यवस्था के लिए मौके से ही सीएमओ को भी फोन किया। अधिकारियों से चर्चा के बाद सांसद रावत ने कहा कि बार-बार होने वाली आग की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग को जगह-जगह टांके का निर्माण करवाना चाहिए और साथ ही फव्हारा प्रणाली विकसित करनी चाहिए ताकि आग लगने की सूचना पर तत्कालीन मशीनरी काम कर सके।

उन्होंने चिंता जताई कि आग लगती है तब पहाड़ी पर जाने के लिए रास्ते तक नहीं होते। ऐसे में आग बुझाने में काफी वक्त लग जाता है। वन विभाग के अधिकारियों को चाहिए कि पहाड़ी पर जाने के लिए वैकल्पिक रास्तों का भी निर्माण करें जिससे ऐसी आपातकालीन घटनाओं के वक्त तुरंत काम किया जा सके। सांसद रावत ने आग बढ़े नहीं इसके लिए वन विभाग के अधिकारियों को सचेत रहने के निर्देश दिए।

30 करोड़ की हेरोइन तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। भारत-पाक सीमा पर 30 करोड़ रुपए की हेरोइन तस्करी के मामले में तीसरे आरोपी बलजीत सिंह को लुधियाना की सेंट्रल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। श्रीगंगानगर के समेजाकोठी क्षेत्र में भारत-पाक सीमा पर 30 करोड़ रुपए की हेरोइन तस्करी के मामले में एक और बड़ी सफलता मिली है। बलजीत सिंह पर पहले से ही सीमा पार से हेरोइन तस्करी के 5 मामले दर्ज हैं। इस केस की शुरुआत 15 जून को हुई थी। उस दिन गांव 44 पी एस की रोही में पाकिस्तान सीमा से 6 किलो हेरोइन बरामद हुई थी। पुलिस और सीआईडी को मिली सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। समेजा थाने के कॉन्स्टेबल कालूराम की सूचनाओं ने आरोपियों की पहचान में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले पुलिस नवदीप सिंह और गगनदीप सिंह को गिरफ्तार कर चुकी है।

लूटपाट का एक आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने लूटपाट के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बलवाड़ा रेलवे फाटक के पास एक बाइक सवार के साथ लूटपाट को अंजाम दिया था। पर्स में रखे 10 हजार रुपए और मोबाइल लूटकर आरोपी फरार हो गया था।

कोतवाली थानाधिकारी ने बताया कि अमित यादव पुत्र कुरियाजी यादव निवासी भासोर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। जिसमें बताया कि वह और उसकी बहन मनीषा दोनों अहमदाबाद में मजदूरी करते हैं। गत तीन मार्च को वह बहन के साथ अहमदाबाद से अपने घर आने के लिए निकला था। बलवाड़ा रेलवे फाटक क्रॉस करते समय पीछे से एक बाइक पर 4 लड़के ओवरटेक करते हुए आए। चारों ने बाइक आगे खड़ी कर रोक दिया। जेब में रखा पर्स और मोबाइल लूट लिया। पर्स में 10 हजार कैश, एटीएम कार्ड, आरसी, पेन कार्ड रखा हुआ था। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने आरोपी सुनील पुत्र शांतिलाल दुहा मीणा निवासी बिलुड़ा पुलिस थाना बिछीवाड़ा को गिरफ्तार कर लिया है।

कार्यालय नगर निगम जोधपुर उत्तर
(नगर निगम भवन, पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर के अन्दर गौरव पथ जोधपुर)
(www.nnjnorth.raj.nic.in Tel: 0291-2651483)
क्रमांकः- 5490 दिनांकः- 04.03.2025
ई-निविदा सूचना
UB NO. DLB2425SLOB19186
नगर निगम जोधपुर उत्तर गैरेज शाखा में नगर निगम के वाहन चलाने हेतु संविदा पर एक वर्ष के लिए वाहन चालक/कुशल श्रमिक उपलब्ध करवाने के कार्य हेतु अनुभवी एवं योग्य प्रतियोगियों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in, www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjn एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
राज.संवाद/सी/24/12770 आयुक्त, नगर निगम जोधपुर उत्तर

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभासि शशि सूर्ययोः
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (आईटी), जयपुर
फोन :- 0141-2200972 ईमेल: seit@jvvnl.org
'ई-प्रोक्योरमेंट' निविदा सूचना
जयपुर डिस्कॉम द्वारा "For procurement of Customized SIM cards along with Internet connection for JVVNL" के लिए TN-105 (UBN नं. VVN2425SLOB01233) के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित करता है। निविदाओ के बारें में अन्य विवरण वेबसाइट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp व https://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl द्वारा जाने जा सकते हैं। भविष्य में निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ाने की जानकारी केवल उक्त वेबसाईट्स पर उपलब्ध कराई जाएगी।
राज.संवाद/सी/24/12762 जेपीआर - 2962 (2025) अधीक्षण अभियंता (आई.टी.)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय नगरपालिका सुकेत जिला-कोटा(राज0)
क्रमांक : न.पा.सु./2025/879 दिनांक 04.03.2025
संशोधित ई-निविदा सूचना 03/2024-25
नगरपालिका सुकेत द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 03.03.2025 से 22.03.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 03.03.2025 से 22.03.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 24.3.2025 समय 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 25.03.2025 को दोप. 2.00 बजे तकरहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।
NIB – DLB2425A6077 UBN –DLB2425WSOB18825
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/24/12732 नगरपालिका सुकेत

उड़ीसा से लाया जा रहा एक करोड़ का अवैध गांजा पकड़ा, दो गिरफ्तार

पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त ट्रक कंटेनर को जब्त किया

रूपवास/भरतपुर, (निसं)। गहनौली थाना पुलिस ने करीब एक करोड़ रूपये की कीमत का अवैध मादक पदार्थ गांजा पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों सुवालाल व नितेश को गिरफ्तार किया है। वहीं अवैध मादक पदार्थ की तस्करी में प्रयुक्त ट्रक कंटेनर को भी जब्त किया है। आरोपी अवैध मादक पदार्थ गांजे की सप्लाई करने के लिए उड़ीसा से गांजा ला रहे थे। पुलिस अनुसंधान में जुटी है।

- कंटेनर के अंदर 40 कट्टों में 300 प्लास्टिक की थैलियों में टेप से पैकिंग 600 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला

गहनौली थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित दो जनों को गिरफ्तार किया।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि गहनौली थाना पुलिस के द्वारा नाकाबंदी की गई थी। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने धौलपुर की तरफ से आ रहे एक बॉडी ट्रक कंटेनर को रोकने का इशारा किया तो चालक नाकाबंदी को तोड़कर भागने की कोशिश करने लगा, जिसे पुलिस की टीम ने रोक लिया और ट्रक के चालक एवं परिचालक का नाम पूछा तो उन्होंने अपना नाम चालक ने अपना नाम सुवालाल व परिचालक ने अपना नाम नितेश निवासी कौथल कोटपुतली बहरोड होना बताया, जिस पर पुलिस ने ट्रक कंटेनर को चैक किया तो कंटेनर के अंदर 40 कट्टों में 300 प्लास्टिक की थैलियों में टेप से पैकिंग 600 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला, जिसकी कीमत करीब एक करोड़ की मानी जा रही है। वहीं पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से इस मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

गोवंश का कटा सिर मिलने पर गोभक्तों में रोष

जोधपुर, (कासं)। माता का थान क्षेत्र में बछड़े (गोवंश) का कटा हुआ सिर मिलने के खिलाफ गोभक्तों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। साथ ही गोवंश के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट सार्वजनिक करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग का ज्ञापन सौंपा। गोभक्त रोनक चौधरी ने बताया कि गाय के बछड़े का कटा हुआ शव मिलने के मामले में पुलिस प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई नहीं करने पर जनता में भारी आकोश व्याप्त है। पुलिस प्रशासन द्वारा इस संबंध में कोई उचित जवाब नहीं दिया जा रहा है और ना ही गोवंश की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक की जा रही है।

माता का थान थाना में मुकदमा दर्ज करवाने के बाद भी इस पर कार्रवाई नहीं हो रही है। गोभक्तों ने पुनः मेडिकल बोर्ड गठित कर पोस्टमार्टम करवाने की भी मांग की है। मांगें नहीं मानने पर 48 घंटे के बाद गो भक्तों ने महापड़ाव की चेतावनी भी दी है। इस दौरान गोभक्त दयालराम प्रजापत, सौरभ आचार्य, एडवोकेट राकेश रूणगतिया, सचिन आचार्य, रविन्द्रसिंह पंवार, मनीषसिंह राठौड़, कपिल सिंह आदि मौजूद रहे।

नाबालिग से रेप का फरार आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर रेप करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। श्रीगंगानगर की पदमपुर और लालगढ़ जाटान पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर रेप करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी 5 साल से फरार चल रहा था।

आरोपी पंजाब का रहने वाला है। वह पिछले कुछ समय से बठिंडा के भगता भाई का थाना क्षेत्र में रह रहा था। आरोपी पर बीकानेर आईजी ने 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। मामला 2020 का है, आरोपी ने लालगढ़ थाना क्षेत्र की एक नाबालिग का अपहरण किया था। पीड़िता और उसके पिता के बयान पर केस दर्ज किया गया था। तब से आरोपी फरार चल रहा था। कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ वारंट जारी किया था। गिरफ्तारी में पदमपुर थाने के कॉन्स्टेबल गंगाराम की अहम भूमिका रही। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

राजस्थान युवा बोर्ड
(युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार) सवाई मानसिंह स्टेडियम, प्रथम तल, जयपुर टेलीफैक्स 0141-2741489
क्रमांक : प. 1(37)रायुबो/2022/पार्ट II-2025 जयपुर, दिनांक :- 05/03/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 07/2024-25 भोजन एवं आवास व्यवस्था
राज्य सरकार के निर्णय के अध्ययधीन अधिकतम एक वर्ष की अवधि के लिए राजस्थान प्रदेश के 100 युवक-युवतियों के लिए दिल्ली में विभिन्न कोचिंग एवं कैरियर काउन्सलिंग हेतु युवाओं को भोजन एवं आवास की वैकल्पिक सुविधा देने हेतु दक्ष, प्रतिष्ठित व अनुभवी फर्म/संस्था/कम्पनी से निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदा सूचना संख्या 07/2024-25, दिनांक 05.03.2025 से 24.03.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा संबंधित पूर्ण विवरण राजस्थान युवा बोर्ड, जयपुर की वेबसाईट www.youthboard.rajasthan.gov.in एवं लोक उपापन पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB Code. : RYB2425A0006, UBN No. : RYB2425SLOB00006
राज.संवाद/सी/24/12747 सदस्य सचिव

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)
पता :- सी0ए0डी0 सर्किल, दशहरा ग्राउण्ड, कोटा
ई-मेल :- nnksouth@gmail.com website : www.Kotamc.org
क्रमांक :- ननिकोद/गौशाला/2025/18299-310 दिनांक :- 03.03.2025
ई-बिड सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, कोटा दक्षिण की गौशाला बंधा धर्मपुरा एवं कायन हाउस किशोरपुरा में सोयाबीन का भूसा आपूर्ति कार्य हेतु अनुमानित व्यय 25 लाख रूपये की ई-बिड आमन्त्रित की जाती है। निविदा में भाग लेने हेतु अमानत राशि जरिये डीडी/पे-ऑर्डर द्वारा प्राप्त की जावेगी। ई-बिड सूचना निगम वेबसाइट www.kotamc.org /www.sppp.rajasthan.gov.in / eproc.rajasthan.gov.in पर देखी तथा बिड प्रपत्र भी डाउनलोड किये जा सकते है और eproc.rajashthan.gov.in पर ऑनलाईन ई-बिड अपलोड/सबमिट की जा सकती है एवं कमरा नम्बर 416 में बिड शुल्क/अमानत राशि/एम.डी.,आर.आई.एस.एल शुल्क जमा किये जा सकते है। नियत समय तक प्राप्त ई-बिड की तकनीकी बिड को दिनांक 19.03.2025 को ऑनलाईन खोला जावेगा।
NIB Code – DLB2425A6096
UBN No. - DLB2425GLOB19151
उपायुक्त गौशाला
राज.संवाद/सी/24/12764 नगर निगम, कोटा दक्षिण

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर
पी.एच.ई.डी. कैम्पस, इण्डस्ट्रीयल एरिया, के.जी. कॉम्पलेक्स के पास, रानीबाजार, बीकानेर (334001)
फोन नं. 0151-2226475 ई-मेल pheddriibkn@gmail.com, eediv2.bkn.@gmail.com, eediv2.bik.phed@rajasthan.gov.in, latitud28.000 5250, longitude73. 3249120
क्रमांक :- 7610-19 दिनांक 06.03.2025
ई-बोली संख्या 132 से 141/2024-25 (संशोधन)-प्रथम
इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा संख्या 132 से 139/2024-25 हेतु निम्नानुसार संशोधन जारी किया जाता है :-

संशोधन विवरण	पूर्व लिखित	अब पढ़ा जावें
आवेदन/डालनलोड करने की तारीख	दिनांक 25.02.2025 को सायं 06.00 बजे से दिनांक 06.03.2025 को सायं 06.00 बजे तक	दिनांक 25.02.2025 को सायं 06.00 बजे से दिनांक 18.03.2025 को सायं 06.00 बजे तक
ऑनलाइन बोली जमा कराने की तिथि	दिनांक 06.03.2025 को सायं 06.00 बजे तक	दिनांक 18.03.2025 को सायं 06.00 बजे तक
ऑनलाइन बोली खोलने की तिथि	दिनांक 07.03.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक	दिनांक 19.03.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक

विस्तृत संशोधन sppp.rajasthan.gov.in SJeb eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य शर्तें मूल निविदा के अनुसार यथावत रहेंगी।
(नरेश कुमार रैगर)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग
जिला ग्रामीण खंड-II, बीकानेर

रेलकर्मी ने अधीक्षक के रजिस्टर से आर्मी की सूचनाएं पाक भेजी थी

जयपुर इंटेलीजेंस की टीम रेल कर्मी भवानी सिंह को लेकर महाजन पहुंची और छानबीन की

- पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले भवानी सिंह ने पाक को सूचनाएं भेजने के बदले आईएसआई से रुपए भी लिए, अपने दोस्तों के खाते में भी रुपए मंगवाए

बीकानेर, निसं)। महाजन रेलवे स्टेशन पर तैनात भवानी सिंह ने अधीक्षक के रजिस्टर से सेना की महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की और पाकिस्तान भेजी थी। उसने आईएसआई से अपने दोस्तों के खाते में रुपए भी मंगवाए थे। जयपुर इंटेलीजेंस की टीम उसे लेकर महाजन पहुंची और छानबीन की।

हनीट्रैप का शिकार होकर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले भवानी सिंह को पता था कि रेलवे स्टेशन अधीक्षक के पास सेना के महत्वपूर्ण सूचनाएं आती हैं, जिसे रजिस्टर में इंद्राज किया जाता है। उसने अधीक्षक के रजिस्टर से सेना के लेटर और सूचनाओं की फोटो खींचकर पाकिस्तान भेजी थी। पाक को सूचनाएं भेजने के बदले आईएसआई से रुपए भी लिए। अपने दोस्तों के खाते में भी रुपए मंगवाए। जयपुर इंटेलीजेंस की टीम बुधवार को उसे लेकर महाजन पहुंची और स्टेशन अधीक्षक और भवानीसिंह के दोस्तों से पूछताछ की। रेलवे स्टेशन पर वह मौका भी तस्दीक किया जहां से भवानी सिंह ने आर्मी और उसके उपकरणों की फोटो खींचकर पाकिस्तान भेजी थी। उसके सरकारी क्वार्टर की भी तलाशी ली गई। सायंकाल इंटेलीजेंस की टीम भवानी सिंह को लेकर जयपुर रवाना हो गई। उसे सात मार्च को जयपुर कोर्ट में पेश किया जाएगा। गौरतलब है कि पाक युवती निमी ने भवानी सिंह को हनीट्रैप किया और उससे गुप्त सूचनाएं हासिल करने लगी। करीब डेढ़ साल से दोनों संपर्क में थे।

'देश में "वन नेशन वन इलेक्शन" होना चाहिए'

जोधपुर, (कासं)। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने "वन नेशन वन इलेक्शन" को आवश्यक बताते हुए कहा कि यह जरूरी भी है और ऐसा होना भी चाहिए। पांच साल लगातार चुनाव चलते रहते हैं, इससे खर्चा भी बढ़ता है। बार-बार चुनाव होने से विकास की गति भी रूकती है। इसके लिए सभी को एक सहमत होना चाहिए। नरेंद्र सिंह तोमर ने जोधपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत की। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए जोधपुर आए नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा में पक्ष और विपक्ष के बीच होने वाली तकरार के सवाल पर कहा कि विधानसभा विचार विमर्श का लोकतंत्र में एक सशक्त मंच है और सभी पक्षों को भाषा के स्तर को और उत्तरोत्तर ऊंचाई देने के लिए प्रयास करना चाहिए।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, वृत उदयपुर
फोन एवं फैक्स नं. 0294-2940419 E-mail :- secircle.uda.phed.@rajasthan.gov.in
क्रमांक : एसई/उदय/अंके-जिला/2024-25/7804 दिनांक 27/02/25
निविदा सूचना संख्या 58-60/2024-25
जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिक विभाग वृत उदयपुर की निविदा संख्या 58-60/2024-25 आमन्त्रित की गई जो दिनांक 10.03.2025 तक प्राप्त की जावेगी। निविदाओ का विस्तृत विवरण राज्य सरकार के उपापन पोर्टल http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
NIB Code PHE2425A4898
UBN No. PHE2425WSRC10662 PHE2425WSRC10664
PHE2425WSRC10665
अधीक्षण अभियन्ता
DIPR/C/2956/2025 जन स्वा. अभि. विभाग वृत उदयपुर

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लाईमस्टोन, 8, वेस्ट पटेल नगर, सर्किट हाउस रोड, जोधपुर- 342001 (राज.)
फोन नम्बर : (0291) 2511031/2516199 फैक्स: (0291) 2511029, E-Mail-jodhpur.rsmml@rajasthan.gov.in
ई-निविदा सूचना दिनांक :- 05/03/2025

निविदा क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का प्रकार
आर.एस.एम.एम./एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस/जीजीएम-एलएस/संविदा-14/2024-25 दिनांक :- 04.03.2025 UBN No. MML2425WSOB00223	एस.बीयू एवं पी.सी. -लाईमस्टोन, जोधपुर में कम्प्यूटर मय ऑपरेटर (मशीन विद मैन) की सेवायें किराये पर ऐजेन्सी के माध्यम से दिये जाने उच्च कुशल प्रकृति के श्रमिकों की सेवायें अनुबन्ध के आधार पर उपलब्ध करवाने हेतु (श्रमिकों की संख्या लगभग 04)। अनुमानित मूल्य (रू.) 15.63 लाख, धरोहर राशि (रू. - 31500/-, निविदा राशि- 1180/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा उप महाप्रबन्धक (अनुबन्ध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/24/12727 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय नगर पालिका मण्डावरी, जिला-दौसा
क्रमांक :- 520 दिनांक :-04.03.2025
निविदा सूचना
नगर पालिका मण्डावरी की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा से संम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in and eproc.rajasthan.gov.in पर निम्न (NIB CODE – DLB2425A6093) UBN No – DLB2425WSOB19140, DLB2425WSOB19142, DLB2425WSOB19144, DLB2425WSOB19145, DLB2425WSOB19148, DLB2425WSOB19150 पर देखी जा सकती है।
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/24/12720 नगर पालिका मण्डावरी

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)
पता :- सी0ए0डी0 सर्किल, दशहरा ग्राउण्ड, कोटा
ई-मेल :- nnksouth@gmail.com website : www.Kotamc.org
क्रमांक :- ननिकोद/गौशाला/2025/18263-74 दिनांक :- 03.03.2025
-:: निविदा निरस्त सूचना ::-
बंधा धर्मपुरा गौशाला एवं कायन हाउस किशोरपुरा में खल आपूर्ति कार्य हेतु इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा क्रमांक ननिको /गौशाला/ 2024 /14190-201 दिनांक 12.12.2004 को एकल निविदा होने के कारण से निरस्त की जाती है। उपरोक्त की सक्षम स्वीकृती प्राप्त है।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/24/12766 नगर निगम, कोटा दक्षिण

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक : निदे/अ.ख.अ. नीलामी/निलामी (ML 04) /2025/ई-10412
ई-नीलामी विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत निम्नांकित प्लॉटो के आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
खैरथल-तिजारा	हरसौली	पहाडवास	मेसेनरी स्टोन	3
झुंझुनूं	खेतडी	प्रतिभानगर (गाडराटा)	मेसेनरी स्टोन	2
		गाडराटा	मेसेनरी स्टोन	3
	उदयपुरवाटी	कृष्ण नगर (छापोली)	मेसेनरी स्टोन	3
ब्यावर	बिजयनगर	रूपाहेली खुर्द	ग्रेनाईट, मेसेनरी स्टोन	11
कोटपुतली-बहरोड	नीमराना	तलवाना	मेसेनरी स्टोन	4
चित्तौड़गढ़	चित्तौड़गढ़	सिरोडी	चाइना क्ले व मेसेनरी स्टोन	4
भीलवाड़ा	बिजौलिया	देवनगर	एम-सेण्ड के निर्माण हेतु ओवरबर्डन डंप के परमिट	1
		देवनगर, सरकीकुडी	एम-सेण्ड के निर्माण हेतु ओवरबर्डन डंप के परमिट	1
भरतपुर	भुसावर	सुहारी	मेसेनरी स्टोन	3
सीकर	दांतारामगढ़	काटिया-हनुमानपुरा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	1
	पाटन	डाबला	मेसेनरी स्टोन	5
सवाई माधोपुर	बजीरपुर	श्यारोली	मेसेनरी स्टोन	8
उदयपुर	खेरवाडा	बंजारिया	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
		मिठीमहुडी	सोपस्टोन व मेसेनरी स्टोन	1
डूंगरपुर	डूंगरपुर	अंदरखेत	मेसेनरी स्टोन	2
दौसा	सिकराय	सीकरी	मेसेनरी स्टोन	1
जोधपुर	औसियां	सिरमण्डी	सैण्ड स्टोन	6
नागौर	डेगाना	हरसौर	मेसेनरी स्टोन	5
जयपुर	रामपुरा डाबडी	खोरा श्यामदास	मेसेनरी स्टोन	1
		योग :-		67

विशेष नोट :-
1.प्लांटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्तें विभागीय वेबसाइट एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।
DIPR/C/3172/2025 (दीपक तंवर) निदेशक

तिरुपति मंदिर के प्रसाद में कथित मिलावट की जांच बीकानेर तक पहुंची

- तिरुपति की एसआईटी टीम ने घी का सैंपल लिया, फर्म पर मारा छापा

बीकानेर, (निसं)। देश के प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर के प्रसाद में कथित मिलावट की जांच के मामले में तिरुपति की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बीकानेर पहुंची हैं। टीम ने कोयला गली स्थित घी फर्म पर छापा मारते हुए सघन जांच-पड़ताल की। इस दौरान फर्म में रखे घी के टीन से सैंपल लिया गया। इन सैंपल की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि बीकानेर से भेजा गया घी मिलावटी था या नहीं।

सूत्रों के अनुसार तिरुपति के प्रसाद में गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद छानबीन की गई। घी की शुद्धता को लेकर सवाल उठाए गए थे। जांच कर रही टीम को घी के बीकानेर से खरीद होने की जानकारी मिली तो घी के नमूने लेने ये टीम बीकानेर पहुंची। आरोप लगाया गया कि घी बीकानेर से जिस ब्रांड का भेजा गया था, उसमें मिलावट की गई। इन्हीं शिकायतों के आधार पर एसआईटी ने यह कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान फर्म के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया, जिससे मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। शहरभर में इस छापेमारी को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया।

फिलहाल, जांच अधिकारियों ने कार्रवाई पूरी होने तक किसी भी तरह की जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया है। ऐसे में जांच रिपोर्ट आने पर ही स्पष्ट होगा कि इस घी में मिलावट थी या नहीं एसआईटी की टीम तीन दिन से बीकानेर में काम कर रही है। जिस फर्म के यहां छापेमारी की गई है, उसके कागजात भी खंगाले जा रहे हैं ताकि तिरुपति मंदिर से हुई डील के बारे में पता किया जा सके।

नामी जुआघर चलाने वाले बबलू गन्या उर्फ फिरोज सहित 44 जुआरी गिरफ्तार

48 लाख 80 हजार रुपए की नकदी बरामद

जयपुर। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने नामी जुआघर चलाने वाले बबलू गन्या उर्फ फिरोज सहित को 44 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जुआरियों के पास से 48 लाख 80 हजार रुपए की नकदी बरामद की हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी पुलिस की छापेमारी के दौरान महिलाओं को आगे कर बचने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन निर्भया की टीम ने उन्हें मौके से दूर करने में मदद की। जहां इस कार्रवाई के दौरान पुलिस से बचने के लिए दो आरोपी छत से नीचे कूदे गए। जिससे उनके पैरों में फैक्चर हो गया। आरोपी गन्या जुआरियों से जुआ घर में सुरक्षा देने और पुलिस की छापेमारी नहीं होने की जिम्मेदारी लेने की एवज में प्रति व्यक्ति से 2 हजार रुपए लेता था। सभी जुआरी रात्रि को जुआ खेलने के लिए आते थे जिनको बबलू गन्या उर्फ फिरोज द्वारा पुलिस से बचने की गारंटी दी जाती थी। गिरफतार आरोपितों में जवाहरात आरोपितों को जमानत देने के पश्चात रवाना होते समय रास्ते में उक्त सभी पैसों व मखबीरी की बात को लेकर आपस में झगड़ा करने लगे। जिस पर सभी को गिरफ्तार किया गया। यह जुआघर एवं जुआरियों का संरक्षण करने वाले पड़ोसियों पर भी उचित कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इसके

नाहरगढ़ थाना पुलिस ने 44 जुआरियों को गिरफ्तार किया है।

घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक कर इनका एनालिसिस कर अन्यों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर बजरंग सिंह ने बताया कि नाहरगढ़ थाना इलाके में नामी जुआघर चलाने वाले फिरोज खान उर्फ बबलू उर्फ गन्या निवासी चांदपोल बाजार जयपुर,रितेश जैन निवासी हल्दियो का रास्ता रामगंज जयपुर,अख्तर खान निवासी नीमच सिटी मध्यप्रदेश,शाहरूख खान निवासी केकडी जिला अजमेर,महावीर सिंह निवासी अजमेर, मुकेश कुमार निवासी अजमेर, पंकज जैन पुत्र विजय कुमार निवासी नीमच मध्यप्रदेश, पिन्टू मीणा , शाहिद मेव निवासी मध्यप्रदेश,हंसराज मीणा, लूणकरण सोनी ,अब्दुल सलाम ,मुरली लखवानी ,मोहम्मद हुसैन ,आमिर सौहेल, मोहम्मद शब्बीर ,पिन्टू मीणा ,बनवारी मीणा ,मुकेश मीणा ,शाहिल,नूर मोहम्मद ,अहमद हुसैन ,पप्पू लाल ,इकबाल मोहम्मद, बालाराम बाजिया, ओमप्रकाश ,मोहम्मद नासीर, प्रदीप कुमार , शिम्भू राम ,सदाम मेव उर्फ छट्टे नाथ ,बाबूलाल मीणा ,दयाल दास ,साहिल खान उर्फ झब्बू ,मोहम्मद आरीफ पठान ,कृष्ण वीर उर्फ पीन्टू , धर्मासिंह मीणा ,मोहम्मद सिराजूद्दीन ,माजीद हुसैन उर्फ कालू ,मोहम्मद आरीफ और इमरान उर्फ कालिया को गिरफ्तार किया हैं। आरोपी गन्या ने पुलिस छापेमारी से बचने के लिए पूरी गली एवं घर के आसपास के इलाके को सीसीटीवी से लैस कर रखा था। बगरू वालों व उनियारों के रास्ते के मध्य में स्थित गन्या बाहर से ग्राहक बुलाकर उनको स्वयं के घर में पैसे लेकर जुआ खिलाने का काम करता हैं। गन्या ने पुलिस छापेमारी से बचने के लिये गली एवं घर के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगा रखे हैं। निगरानी के लिए कुछ लोग लगी के आसपास रखता हैं। देर रात को जुआघर शुरू करता है।

पुलिस ने आरोपी के ठिकानों पर छापेमारी की प्लानिंग गूगल मैप की सहायता से की। आरोपी के घर के आसपास के मकानों को चिन्हित कर पुलिस ने छापेमारी का प्लान बनाया। पुलिस जानती थी की आरोपी पुलिस छापेमारी की जानकारी मिलने पर सभी जुआरियों को पड़ोसियों की छत के रास्ते छत होते हुये फरार करा देता है या दूसरे के घरो में स्थित कमरों में रिश्तेदार बनाकर अलग अलग ठहरा देता था। इस संबंध में गठित पुलिस टीम को एक एक स्थान को चिन्हित कर उनको तैनात किया गया था । इसी दौरान फिरोज उर्फ बबलू उर्फ गन्या को हल्का अहसास हो जाने के कारण वह जुआरियों को चोरी छुपे अन्य लोगों की नजरों से बचाते हुए गली के रास्तों में लोहे के छोटे गेट से होते हुए अपने घर ले जाता था । ताकि किसी को उस पर शक नहीं हो तथा पूछने पर उनको अपना रिश्तेदार होना बताता था। जिसके फलस्वरूप रणनीति तैयार की गई एवं इसके घर पर आने जाने वाले लोगों पर निगरानी रखने के लिये सादा कपड़ों में महिला एवं पुरुष का जाब्ता लगाया गया। बबलू गन्या के घर पर कल रात काफी तादाद में व्यक्ति होने व ज्यादा रकम के साथ जुआ खेलने की सटीक सूचना मिलने पर टीम ने तय प्लान के अनुसार छापेमारी करते हुए 44 जुआरियों को गिरफ्तार किया।

हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई तो दो घंटे में जारी हुई बकाया राशि

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने रोडवेज कर्मचारी की सेवा से जुडे मामले में 12 साल पुराने आदेश की पालना नहीं होने पर नाराजगी जताई। इसके साथ ही अदालती आदेश की पालना में पेश रोडवेज एमडी पुरुषोत्तम शर्मा को कोर्ट ने जेल भेजने की चेतावनी देते हुए चालानी गार्ड बुलाने को कहा। इस पर एमडी ने पालना के लिए समय मांगते हुए भोजनावकाश के बाद बकाया करीब 10.37 लाख रुपए का चेक पेश कर दिया। इस पर अदालत ने अवमानना याचिका का निस्तारण कर दिया। जस्टिस नरेन्द्र सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश नेमीचंद गुप्ता की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में रोडवेज एमडी पुरुषोत्तम शर्मा अदालत में हाजिर हुए। उनकी ओर से अदालत को बताया गया कि आदेश की पालना में याचिकाकर्ता को 27 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि राशि की उचित गणना कर रोडवेज को करीब 37.50 लाख रुपए का भुगतान करना था।

इस पर अदालत ने रोडवेज की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इतने लंबे समय बाद भी आदेश की पालना नहीं की जा रही है। इसके साथ ही अदालत ने रोडवेज एमडी को जेल भेजने की चेतावनी देते हुए चालानी गार्ड बुलाने को कहा। इस पर एमडी ने पालना के लिए समय मांगते हुए सुनवाई भोजनावकाश तक टालने की गुहार की।

सार-समाचार

फरार भूमाफिया गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक भूखंड पर बाहुबल से कब्जा करने वाले एक भूमाफिया को गिरफ्तार किया है। जो पिछले दो साल से फरार चल रहा था। इसके अलावा आरोपित चर्चित मिहिर अपहरण कांड में पांच साल जेल में रहा है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने 11 मार्च 2023 में एक भूखंड पर बाहुबल से कब्जा करने वाले फरार भूमाफिया ललित सक्सेना उर्फ ललित शिवसेना निवासी मानसरोवर जयपुर को गिरफ्तार किया है। जो पिछले दो साल से अपनी पहचान छुपा कर फरारी काट रहा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपित लोगों को डरा-धमकाकर भूखंडों पर कब्जा करने,अपहरण ,मारपीट के दर्जनों वारदातों वैशाली नगर और बजाज नगर थाना इलाके में कर चुका है। आरोपित विवादास्पद प्रोपट्री के डिस्प्यूट को निपटाने के नाम पर पैसे लेकर लोगों को बाहुबल के आधार पर भूखंडों पर कब्जा करता है। वहीं इस मामले में पूर्व में रमेश प्रजापत निवासी टोक हाल मुहाना,गौरव गुप्ता उर्फ टिटू निवासी सवाई माधोपुर हाल मानसरोवर गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के दो नई चाइल्ड प्रोडक्ट लांच

जयपुर। भारत के सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमाकर्ताओं में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने दो नए चाइल्ड प्रोडक्ट्स लॉन्च किए हैं। 'एसबीआई लाइफ- स्मार्ट फ्यूचर स्टार' और 'एसबीआई लाइफ-स्मार्ट प्लेटिना यंग अचीवर'। इन्हें विशेष रूप से माता-पिता को बच्चे की भविष्य की आकांक्षा को सुरक्षित करने में सशक्त बनाने के लिए तैयार किया गया है। सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अपने बच्चों के लिए एक संपूर्ण जीवन सुनिश्चित करने की माता-पिता की सहज आवश्यकता को संबोधित करते हुए, एसबीआई लाइफ के चाइल्ड प्रोडक्ट माता-पिता को अपने बच्चे के लिए एक व्यापक वित्तीय सुरक्षा बनाने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करते हैं।

दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। रामगंज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चोरी के दुपहिया वाहन भी बरामद किए गए है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि रामगंज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले दानिश उर्फ मक्खी निवासी जयसिंह पुरा खोर जयपुर और मोहम्मद वसीम निवासी जयसिंहपुरा खोर को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की बाइक भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपित नशा करने के आदि है और नशा पूर्ति के लिए वाहन चोरी की वारदात करते है। आरोपियों ने इससे पहले भी जयपुर शहर में कई वारदात करना कबूला है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

शिविर में योग का प्रशिक्षण दिया

जयपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय किशनपोल जयपुर में-राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस के लक्ष्य गीत के सामूहिक गायन से की गई। इसके पश्चात स्वयंसेवकों को योग एवं स्वास्थ्य व कल्याण विशेषज्ञ आलोक खन्ना द्वारा पंचतत्व के बारे में विस्तार से बताया एवं योग का विशेष प्रशिक्षण स्वयंसेविकाओं को दिया गया।जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राचार्य प्रो.ख़ामोश मीना ने स्वयंसेवकों को प्रेरणादायी उद्बोधन दिया जिसमें उन्होंने सेवा नेतृत्व एवं सामाजिक उत्तरदायित्व पर ज़ोर दिया। प्रथम सत्र की समाप्ति पर एन.एस.एस.प्रभारी डॉ. अर्चना वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। दूसरे सत्र में स्वयंसेविकाओं के लिए एकल गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने सामाजिक जागरूकता और व्यक्तित्व विकास से जुड़े विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपने कौशल को निखारने का अवसर प्राप्त किया। शिविर के आगामी दिनों में भी कई शैक्षिक और रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दूसरे सत्र की समाप्ति पर डॉ.कनक शर्मा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए स्वयंसेवकों को बधाई दी ।

राहुल यादव ने हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड से डील की

जयपुर। मिनिमिलिस्ट स्किन केयर कंपनी के राहुल यादव द्वारा हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड कंपनी से तीन हजार करोड़ रुपये की डील की गई है। राहुल यादव के साथ श्रद्धा अग्रवाल एवं वर्णिका अग्रवाल द्वारा अशाक क्लब में संपर्क कर इस संबंध में वार्ता की। राहुल यादव से वार्ता के दौरान स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप की सीईओ श्रद्धा अग्रवाल और वर्णिका अग्रवाल प्रभावित हुए।

डॉ.मंजू बाघमार को नारी शक्ति अवॉर्ड

जयपुर। रामबाग स्थित एसएस जैन सुबोध पीजी महिला महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.मंजू बाघमार को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए नारी शक्ति अवॉर्ड-2025 प्रदान किया गया। प्रखर नवनीत और डॉ.धीरज दुबे की ओर से होटल क्लार्क्स आमेर में हुए समारोह की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ.मंजू बाघमार ने उन्हें साइटेशन व स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया।

हस्तशिल्प को बढ़ावा देने में युवा पीढ़ी की भूमिका महत्वपूर्ण : स्मृति ईरानी

जयपुर। "हमारी सांस्कृतिक धरोहर को रिटेल इंडस्ट्री से जोड़कर रखेंगे, तो न केवल आने वाली पीढ़ी इसे आगे बढ़ाएगी, बल्कि हम इसे वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान दिला पाएंगे। हैंडिक्राफ्ट का अंतरराष्ट्रीय बाजार लगभग एक हजार बिलियन डॉलर का है, लेकिन भारत की वर्तमान भूमिका इस बाजार में 2023-2024 के आंकड़ों के अनुसार केवल 32 हजार करोड़ रुपये है। यह एक क्षेत्र है जिसमें हम और अधिक योगदान कर सकते हैं।" यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास, स्मृति ईरानी ने आज सिटी पैलेस में प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन (पीडीकेएफ) द्वारा आयोजित हो रहे पीडीकेएफ आर्टिजन कलेक्टिव के उद्घाटन समारोह के दौरान कही।

पुस्तक "टूटे बिखरे ख्वाब" का लोकार्पण

जयपुर। मशहूर शायर कमलेश निगम "कमलेश" द्वारा लिखित दिलकश शेरों और रूबाइयों की पुस्तक "टूटे बिखरे ख्वाब" का लोकार्पण आज जयपुर के निर्माण नगर में नन्दन कानन गोष्ठी स्थल पर हुआ।

वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति द्वारा आयोजित सादे समारोह में पुस्तक का लोकार्पण करने के बाद मुख्य अतिथि, उपराज्यपाल, दिल्ली के पूर्व प्रेस सलाहकार, मुख्य मंत्री के ओएसडी तथा जोइंट डाइरेक्टर, पुलिस विभाग, रहे श्रीलक्ष्मण बोलिया ने बताया कि निगम साहब ने 126 पृष्ठ की पुस्तक में जीवन के विविध आयामों पर लिखे दिलकश शेरों और रुबाईयों को शामिल किया है। उनके द्वारा लिखित यह पाँचवी पुस्तक है। बोलिया ने पुस्तक की भूमिका भी लिखी है। इस अवसर पर लेखक निगम ने पुस्तक में प्रकाशित शेर पढ़कर सुनाये। लेखक एवं समाज सेवी जब्बरमल शर्मा ने लेखक की सृजन यात्रा तथा पुस्तक के कलेवर के बारे में प्रकाश डाला। संस्था संरक्षक, अध्यक्ष तथा सचिव ने स्वागत एवं धन्यावाद ज्ञापित किया। पुस्तक बिक्री के लिए अमेजन, फ्लिपकार्ट तथा गूगल प्ले पर उपलब्ध है।

अपने ही दोस्त का पैसा ऑनलाइन निकालने वाले छह आरोपी गिरफ्तार

ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवकों ने अपने ही दोस्त को लूट कर उसका पैसा ऑनलाइन निकालने के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में शामिल बदमाशों की एक बाइक और लूटा हुआ मोबाइल भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोस्त को लूट कर उसका पैसा ऑनलाइन निकालने के मामले में कानू उर्फ करण शर्मा (20) निवासी ब्रहम्पुरी, विशाल गुप्ता उर्फ शुभम सैम (23) निवासी कागदीवाडा आमेर रोड, भावेश सैन (20) निवासी गेटोर ब्रह्मपुरी जयपुर, त्रिलोक मेहतो (23) निवासी ब्रह्मपुरी, सोनू उर्फ उल्ला (21 निवासी डूंगरी छोटा अखाड़ा ब्रह्मपुरी और विशाल उर्फ विशु (21) निवासी गेटोर रोड ब्रह्मपुरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि विशाल गुप्ता व करण शर्मा जो पीड़ित रविकुमार चौधरी के दोस्त हैं। इन दोनों को पीड़ित के मोबाइल का पासवर्ड व यूपीआई आईडी के पासवर्ड मालूम थे। आरोपियों को जानकारी थी की पीड़ित के खाते में लाखों रुपए हैं। जिस पर दोनों बदमाशों ने अपने अन्य साथी भावेश सैन, त्रिलोक मेहतो, सोनू उर्फ लल्लास व विशाल खुद के लूट के प्लान में शामिल किया। बदमाशों ने एक जगह बैठ कर मोबाइल लूट और पैसा ट्रांसफर करने की योजना बनाई। योजना के तहत आरोपी विशाल गुप्ता व करण शर्मा पीड़ित को बीयर बार में लेकर चले गए। जहां पर इन दोनों ने पीड़ित को अत्यधिक मात्रा में शराब पीलाई और उसका मोबाइल अपने पास ले लिया। योजना के तहत अन्य बदमाश भावेश सैन, त्रिलोक मेहतो, सोनू उर्फ लल्लास व विशाल उर्फ विशु पावर बाईक से आये और इनके हाथ से मोबाइल लूट कर ले गए। जिस के बाद पीड़ित के खाते से बदमाशों ने सवा लाख रुपए निकाल लिये। थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि 27 फरवरी को रविकुमार चौधरी ने मामला दर्ज करवाया था कि बाइक सवार तीन युवकों ने उसके आगे बाइक लगाकर मोबाइल लूट लिया और कुछ देर उसके खाते से सवा लाख रुपए निकाल लिए। इस पर पीड़ित ने थाने को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की पहचान कर आरोपियों को अलग-अलग जगह से गिरफ्तार किया।

होलाष्टक आज से

जयपुर। होलाष्टक 7 मार्च से प्रारंभ हो जाएंगे। इसके साथ ही विवाह सहित अन्य सभी मांगलिक आयोजनों पर रोक लग जाएगी। होलाष्टक होलिका दहन यानी 13 मार्च तक रहेगा। ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा के अनुसार होलाष्टक का आरंभ मृगशिरा नक्षत्र और वृषभ राशि में चंद्रमा की स्थिति में होगा। होलाष्टक के दौरान आठ विशेष रात्रियां होती हैं। इन रात्रियों में यंत्र-मंत्र और तंत्र साधना का विशेष फल मिलता है। सिद्ध रात्रि, काल रात्रि और मोह रात्रि जैसी विशिष्ट रात्रियां पर्व काल में अधिक शक्तिशाली होती हैं। 14 मार्च से खरमास शुरू हो जाएगा। इसे मलमास भी कहा जाता है।

नारायणा हैल्थ ग्रुप ने सी.एस.आर. प्रयासों से सरकारी स्कूल का नवीनीकरण किया

जयपुर। नारायणा हेल्थ ग्रुप अपने सीएसआर प्रयासों के तहत पूरे भारत में सामुदायिक विकास और शैक्षिक पहलों में सक्रिय रूप से अहम भूमिका निभा रहा है। इसके तहत कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिसमें एक प्रमुख कार्यक्रम है सरकारी स्कूलों का पूर्ण नवीनीकरण करवाना। यह परियोजना छात्रों के लिए बेहतर शिक्षा और स्वच्छता सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है, जिससे उनकी स्कूल में उपस्थिति में वृद्धि होगी और उन्हें स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण मिलेगा। नारायणा हैल्थ ग्रुप का मानना हैं कि शिक्षा और स्वच्छता ही उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। यह कार्यक्रम शास्त्री नगर विद्यालय में चला और जिसका समापन सहभोज के साथ किया गया। शास्त्री नगर के महात्मा गांधी सरकारी स्कूल के साथ अपने सहयोग की घोषणा करते हुए नारायणा हेल्थ को गर्व हो रहा है, जिसके तहत एक अत्याधुनिक स्मार्ट लैब शुरू हुई। यह अभिनव लैब उन्नत शिक्षण तकनीकों के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगी, जिससे छात्रों को करियर की योजना बनाने और भविष्य के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी।

नारायणा हैल्थ ग्रुप तेजी से विकसित हो रही दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक उपकरण और संसाधन प्रदान करके युवा दिमागों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस कार्यक्रम में नारायणा हेल्थ के प्रतिनिधि नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर के फैसिलिटी डायरेक्टर बलविंदर सिंह वालिया, मार्केटिंग हेड विकास शर्मा और सीएसआर हेड अंकित श्रीमाली शामिल रहे। इस अवसर पर बलविंदर सिंह वालिए ने बताया कि हमारी प्रतिबद्धता चिकित्सा प्रक्रिया में उपलब्धियों से कई ज्यादा मरीजों के लिए समर्पित रहना है। हमारा उद्देश्य स्कूलों के निर्माण, छात्रों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान करना, शौचालय बनाना और ऐसे कुछ अन्य कल्याणकारी सामाजिक कार्यों से समाज को प्रोत्साहित करना है।

उड़ीसा से लाकर मादक पदार्थ सप्लाई करने वाले गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी की करने वाले तस्कर सुवालाल एवं नितेश सिंह को गिरफ्तार कर उनके पास से 600 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, तीन मोबाईल सहित परिवहन में प्रयुक्त ट्रक कंटेनर बरामद किया। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने पुलिस थाना गहनोली मोड जिला भरतपुर की टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाले तस्कर सुवालाल गुर्जर (36)निवासी बानसूर जिला कोटपूतली-बहरोड़ और नितेश सिंह (27) निवासी बानसूर जिला कोटपूतली-बहरोड़ को गिरफ्तार किया है।

साथ ही पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से 600 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा,तीन मोबाईल सहित परिवहन में प्रयुक्त ट्रक कंटेनर बरामद किया है।

गिरफ्तार आरोपित सुवालाल एवं नितेश सिंह यह मादक पदार्थ गांजा उडिसा से लाकर कोटपूतली-बहरोड़ ले जाना स्वीकार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से मादक पदार्थ गांजा के सप्लायर और खरीदार के सम्बन्ध में पुलिस थाना अटलबन्ध जिला भरतपुर की ओर से पूछताछ की जा रही है।

किसान रजिस्ट्री शिविर में लापरवाही बरतने वाले तीन कार्मिकों को निलंबित किया

जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने गुरुवार को किसान रजिस्ट्री शिविरों का औचक निरीक्षण किया।

जयपुर। जयपुर जिले में किसान रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों में पंजीयन करवाकर रोजाना हजारों किसान 11 अंकों की विशिष्ट पहचान हासिल कर रहे हैं। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को किसान रजिस्ट्री शिविर में प्रत्येक किसान का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने गुरुवार को किसान रजिस्ट्री शिविरों का औचक निरीक्षण किया।

चाकसू के छांदेलकलां में आयोजित किसान रजिस्ट्री शिविर के औचक निरीक्षण के दौरान शिविर में माकूल व्यवस्था एवं आवश्यक इंतजाम नहीं होने पर जिला कलक्टर ने सख्त नाराजगी जाहिर की। जिसके बाद जिला कलक्टर के निर्देशानुसार राजकार्य में लापरवाही बरतने वाले चांदेलकलां शिविर में नियोजित संबंधित पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी एवं कृषि परिवेक्षक को निलंबित कर दिया। तहसीलदार चाकसू एवं नायब तहसीलदार चाकसू को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं, छांदेलकलां में शिविर प्रभारी भू अभिलेख लेख निरीक्षक को 17 सीसीए के तहत चार्जशीट जारी की गई है।

वहीं, जिला कलक्टर ने बस्सी के ग्राम पंचायत दुधली में आयोजित किसान रजिस्ट्री शिविर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कलक्टर ने रजिस्ट्री काउंटर सहित सभी विभागों के काउंटर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं व्यवस्थाओं पर संतोष जाहिर किया। जिला कलक्टर ने इस दौरान शिविर में मौजूद आमजन से संवाद भी किया और सभी किसानों से शिविर में पंजीयन करवाने एवं विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जयपुर जिले में आयोजित किसान रजिस्ट्री शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड मंगला पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा एवं उपचार सहित पशुपालन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभांवित किया जा रहा है।

एग्रीस्टैक योजनांतर्गत जयपुर में किसान रजिस्ट्री अभियान का आयोजन ग्राम स्तर पर 31 मार्च तक प्रात: 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक किया जा रहा है। इसके तहत ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में किसानों की विशिष्ट किसान आईडी बनाई जा रही है।

ARBiT
it happens here...

Plant Power Day

Although there has been a recent upsurge in diets that avoid animal products, plant powered eating has been around for thousands of years for both practical and ethical reasons. Early proponents of vegetarianism, for example, include the Buddha and the Greek philosopher Pythagoras. The plant-based industry has really taken off over the past couple of decades or so, with vegetarian and vegan restaurants popping up all over the place and supermarkets adding plenty of plant-based items and 'free from' sections to their ranges.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
07 March 2025
A-B

#LONGEVITY

Key Factors To Predict Longevity

The findings provide a way to predict whether a person over the age of 70 is likely to live two, five, or 10 years.

New research identifies the top factors that predict longevity in older people. The new model relies less on specific disease diagnoses and more on factors such as the ability to grocery shop, the amount of certain small cholesterol particles circulating in the blood, and whether someone never or only occasionally smoked.

The findings provide a way to predict whether a person over the age of 70 is likely to live two, five, or 10 years. The markers may be obtained during a doctor visit, so that they could be a useful guide for clinical care.

"This study was designed to determine the proximal causes of longevity, the factors that portend whether someone is likely to live two more years or 10 more years," says Virginia Byers Kraus, professor in the departments of Medicine, Pathology, and Orthopaedic Surgery at Duke University School of Medicine and lead author of the study.

"Properly applied, these measures could help determine the benefits and burdens of screening tests and treatment for older people," Kraus says. Kraus and colleagues launched their inquiry at an opportune time, having been directed to a cache of 1,500 blood samples from a 1980s longitudinal study that enrolled older people.

The banked samples had been drawn in 1992 when participants were at least 71 years old and then stored at the NIH. They were scheduled for destruction, but the researchers arrived in time to transfer them to Duke for analysis. The blood samples had the additional fortuitous feature of being drawn at a time that preceded the widespread use of medications such as statins, which could have skewed the results. More good luck, study participants had been followed for several years and had filled out questionnaires about their health histories and habits.

Capitalizing on all the features of the older study, the researchers were able to apply current sophisticated analytical tools. Led by Constantin Aliferis and Sisi Ma at the University of Minnesota, the researchers were able to delve into health factors to identify a core set of 17 predictive variables that have a causal impact on longevity. The analysis found that a leading factor associated with longevity across each of the study's benchmarks, two-, five-, and 10-years after participants had their blood drawn, was physical function, which was defined as an ability to go grocery shopping or perform housecleaning chores. Surprisingly, having cancer or heart disease was not among the main predictors. For older people living two years beyond the time their blood had been drawn, the leading factor associated with longevity was having an abundance of high-density lipoprotein (HDL) cholesterol, and not just any HDL lipids, but high volumes of very small HDL particles.

"This was especially surprising," Kraus says. "We hypothesize that these very small HDL particles are the size that is best at scavenging and clearing endotoxin, a potent inflammation-causing molecule from gut microbes, from the circulation. The small particle may also be best able to get into the nooks and crannies of cells to remove the bad cholesterol, so, having more of them could provide this protective benefit." At five years beyond the original blood draw, just being of a younger age was predictive of longevity, along with cognitive function. "These measures clarify and enrich our understanding of mechanisms underlying longevity and could point to appropriate tests and potential interventions," Kraus says.

Ek Bollywood Wo Tha Ek Ye Hai!!!

Two Bollywood legends from the 1960s wake up at an awards show 2024, lost in a world of gym-toned heroes, viral remixes, and PR-managed stardom. As they navigate this dazzling spectacle, nostalgia collides with the future in a hilarious, eye-opening journey through time.

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

Once upon a time, Bollywood wasn't just about box office numbers and social media followers, it was about charm, charisma, and sheer magnetic presence. Fans didn't need PR-managed glimpses of their favourite stars, they could walk right up to them, shake their hands, and ask for an autograph without security intervening. Music wasn't algorithmically engineered for virality, it was soul-stirring, timeless, and hummed across generations.

But what if two legends from that golden era, Rajesh Kapoor, the ultimate romantic hero, and Sharman Desai, the master director of love stories, were suddenly transported from their 1965 Awards night straight into the dazzling chaos of Awards Night 2024? How would they react to the neon-lit spectacle, the pulsating remixes, the stunt-heavy dance routines, and the digitalized glamour of modern cinema? Would they be horrified or mesmerized? Would they long for the past, or would they marvel at how far filmmaking has come? Step into this time-bending adventure as two icons of the past witness the Bollywood of today, where nostalgia meets innovation, where elegance meets extravagance, and where stars no longer just shine, they trend.

The year was 1965. The grand auditorium of Bombay's Awards Nights was alive with anticipation, an opulent celebration of cinema's golden age. The air was thick with the fragrance of *attar*, mingling with the smoke of expensive cigars. The men were dressed in well-tailored *bandh-galas*, their hair neatly combed back, while the women draped themselves in rich silk sarees, their eyes lined with *kohl*, exuding old-world elegance. Conversations flowed in refined Urdu and poetic Hindi, laced with warmth and respect.

Rajesh Kapoor, the romantic sensation of the decade, sat with his signature dimpled smile as waves of admirers approached him for autographs. "Rajesh ji, aapke naye gaane ne toh dil jeet liya!" (Rajesh ji, your new song has won my heart!), a young fan gushed, clutching his signed photograph with trembling hands. He nodded graciously, tipping his glass towards her. "Bas aapka pyaar bana rahe" (May your love always remain), he said with effortless charm.

Beside him sat Sharman Desai, the visionary filmmaker, who had given the world love stories that echoed through generations. With his thick-rimmed glasses and deep, contemplative gaze, he surveyed the room, soaking in the aura of legends, Dilip Kumar exchanging thoughts with Bimal Roy, Asha Pareekh laughing softly as Sunil Dutt lit his cigarette. This was their world. A world of romance, of melodies that lingered in the soul, of dialogues that were written not just to entertain but to be remembered forever.

#IIFA

Then, it happened!

A camera flash-blinding, unnatural, searing through their senses. Rajesh winced, pressing his palms over his eyes. "Hai Ram! Sharman, yeh kaunsa camera hai? Aankhon ke saamne tare dikh rahe hain!" (Oh Lord! Sharman, what kind of camera is this? I'm seeing stars before my eyes!). A strange force pulled at them. The sound of clinking glasses, the gentle strains of a live orchestra, the murmurs of a refined audience, everything blurred, distorted. The world around them twisted and spun, a dizzying rush of colours and disjointed sounds. Just before the last echo of Rafi Sahib's voice faded, a deafening thud replaced it.

Then, silence.

Then, the roar of an unfamiliar world!

Welcome to Awards Night 2024 - Or So They Think

Rajesh blinked furiously, rubbing his eyes. The scent of attar was gone, replaced by something artificial, metallic, almost electric. He could hear thumping bass reverberating through the ground beneath his feet. A massive LED screen flashed before him, bathing the room in surreal, shifting hues of neon blue and purple. He adjusted his coat, still struggling to comprehend his surroundings. "Sharman… yeh kaunsa camera tha? Mera dimaag ab tak ghoom raha hai." (Sharman… what kind of camera was that? My head is still spinning.)

Sharman removed his glasses, wiped them carefully with his handkerchief, and looked around. His sharp director's eye caught the massive banners that loomed above them, Awards 2024.

Before he could process the enormity of it, an announcement boomed through the arena. "And now, put your hands together for the ever-dashing Akshay Kumar!"

Sharman remarked, his face lighting up. "Arre wah! Ashok Kumar bhaiya han hai? Kya woh bhi humari tarah time travel karke aa gaya?" (Oh wow! Ashok Kumar is here too? Did he also time travel like us?) He looked around, searching for his fellow actor. A young woman sitting next to him, her dress leaving little to the imagination, turned with an amused smirk. "Uncle, kaunse zamane se ho? Yeh Akshay Kumar hai, Ashok Kumar nahi!" (Uncle, which era are you from? This is not Ashok Kumar, this is Akshay Kumar.) Rajesh turned to Sharman, completely baffled, "Matlab? Yeh kaun hai?" (What do you mean? Who is he?)

Before Sharman could answer, the stage exploded with music. A deafening electronic beat pulsed through the air, and a group of dancers jumped onto the platform, spinning and twisting in movements that Rajesh had never seen before. "Hai Ram! Sharman, yeh kya ho raha hai?" (Sharman, what is happening?) "Yeh dance hai ya gymnastics?" (Oh Lord! Sharman, what is happening? Is this dance or gymnastics?)

Sharman, though equally stunned, adjusted his glasses and watched with keen interest. "Janab, mujhe lagta hai hum sirf naye daur mein nahi aaye… hum kisi aur duniya mein aa gaye hain." (Sir, I think we haven't just entered a new era… we've landed in another world.)

Dancing, or Acrobatics?

The dancers moved with breakneck precision, flipping in the air, their costumes shimmering under the flashing strobes. Rajesh leaned in. "Sharman, tumhe yaad hai, pehle ek hero sirf heroine ki aankhon mein dekh kar bhi audience ka dil jeet sakta tha? Ab toh ek gaane mein kam se kam do backflips zaroori lag rahe hain!" (Sharman, do you remember? Earlier, a hero could win the audience's heart just by looking into the heroine's eyes. Now, at least two backflips seem necessary in every song!) Sharman chuckled. "Janab, romance sirf aankhon se hota tha. Ab six-pack aur aerial stunts ke bina kuch nahi hota." (Sir, romance used to happen just through eye contact. Now, nothing works without six-pack abs and aerial stunts.)

They watched as the music transitioned into a high-energy, auto-tuned remix of an old classic. Rajesh sat up, horrified. "Yeh kya hai? Yeh toh Kishore Kumar ka gaana tha! Par is mein yeh electronic tadak-bhadak kyun hai?" (What is this? This was a Kishore Kumar song! But why does it have this electronic noise?) A production assistant overheard and grinned. "Sir, remix hai! Aaj kal nostalgia bikta hai." Rajesh sighed. "Pehle nostalgia dil mein jagta tha… ab woh bhi marketing strategy ban gaya hai." (Earlier, nostalgia awakened in the heart… now, even that has become a marketing strategy.)

A World of Wonders

As they wandered through the venue, Rajesh and Sharman marvelled at the technology surrounding them. Rajesh nearly jumped when an assistant director spoke to his wrist, only to realize he was using a smartwatch. "Sharman, yeh radio jaisa lag raha hai, par isse toh jawab bhi aa raha hai!" (Sharman, this looks like a radio, but it's actually responding!)

Sharman was equally amazed by the drones flying overhead, capturing live footage from every angle. "Pehle ek ek shot lene ke liye cranes lagti thi… ab hawa mein hi camera ud rahe hain! Janab, filmmaking toh sach mein badal gaya hai." (Earlier, we needed cranes for every single shot… now, cameras are flying in the air! Sir, filmmaking has truly changed.)

They watched in astonishment as actors posed in front of a digital screen that instantly transported them to exotic locations. "Hum toh Switzerland shooting ke liye jaate the, aur yeh log bina kahin jaaye film bana rahe hain!" (We used to travel all the way to Switzerland for a shoot, and these people are making films without even leaving the studio!), Rajesh exclaimed.

A young crew member explained, "Sir, this is green screen technology. No need to travel!"

Rajesh shook his head in disbelief. "Yeh bhi theek hai… par phir bhi, asli barf pe gire bina romance ka mazaa kaise aayega?" (This is fine too… but still, how can one enjoy romance without actually falling on real snow?)

Where Have the Stars Gone?

Backstage, Rajesh and Sharman watched as an actor was rushed through a hallway, surrounded by a phalanx of bodyguards and PR managers. Rajesh frowned. "Sharman, yeh kya ho raha hai?" Sharman sighed. "Janab, ab stars logon se nahi milte. Pehle fans rickshaw se studio tak chhodne aate the. Ab airport looks aur gym outfits se pyaar hota hai." (Sir, now stars don't meet people. Earlier, fans would escort actors to the studio in rickshaws. Now, people love them for their airport looks and gym outfits.) Rajesh exhaled. "Pehle hero banne ke liye dil chahiye tha… ab sirf abs aur Instagram followers kaafi hai." (Earlier, to be a hero, one needed heart… now, only abs and Instagram followers are enough.)

A Moment of Reflection

As the night wrapped up, Rajesh and Sharman strolled out, stepping onto the quiet streets outside. A faint melody played in the distance, an old Kishore Kumar song, somehow drifting through the chaos. Rajesh closed his eyes and smiled. "Kuch cheezein shayad kabhi purani nahi hoti, Sharman." (Some things perhaps never get old, Sharman.) Sharman nodded. "Aur jo sach mein amar hota hai…unse remix ki zaroorat nahi padti." (And what is truly immortal… doesn't need a remix.) They stood there for a moment before looking up. A drone flew overhead, its blinking lights flashing. Rajesh sighed. "Sharman, woh kya hai?"(Sharman, what is that?) Sharman patted his shoulder. "Janab, pehle sitare aasman mein chamkte the… ab unhe udaan bhi deni padti hai." (Janab, earlier, stars used to shine in the sky… now, they have to be given flight too.) And with that, the two legends walked away, caught between past and future.

rajeshsharma1049@gmail.com

#IIFA

An Invitation Like No Other: A Grand Prelude to IIFA 2025

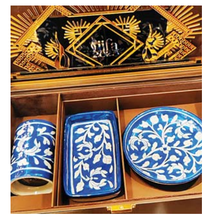

Keeping in line with its location, the IIFA invitation has been designed to mirror the grandeur of Rajasthani royalty.

Shruti Kothari

In the world of glitz and glamour, even an invitation card is no longer just a mere piece of stationery, it's a spectacle, a collector's item, and a reflection of the extravaganza it precedes. From Hollywood's elite galas to Bollywood's grandest nights, the humble invite has transformed into an art form, setting the tone for the magnificence of the event it heralds. And when it comes to the International Indian Film Academy (IIFA) Awards 2025, the invitation is nothing short of regal.

IIFA 2025: A Royal Rajasthani Welcome

Taking inspiration from the global trend of elaborate invitations, the International Indian Film Academy (IIFA) Awards 2025 have unveiled an invitation card that is a testament to India's rich cultural heritage and craftsmanship. This year, the prestigious event is set to take place in Jaipur, Rajasthan, a city known for its royal history and vibrant traditions. Keeping in line with its location, the IIFA invitation has been designed to mirror the grandeur of Rajasthani royalty.

Design and Craftsmanship

The invitation card is nothing short of a masterpiece, weighing an impressive 7 kilograms, a symbol of grandeur and opulence. Designed by the father-son duo Chandra Prakash Goyal and Ashish Goyal of 'Hamporio by Friends,' the card seamlessly blends modern aesthetics with traditional Rajasthani elements. Crafted from artificial leather, the box, holding the invitation, is designed in the shape of a royal chest and is adorned with intricate Baghmari embroidered fabric.

Traditional Rajasthani Elements

Embodying the essence of Rajasthan, the card incorporates intricate designs and motifs, characteristic of the region's art forms. Upon opening the invitation, guests are greeted with miniature artistic representations of Jaipur's most iconic landmarks, including the Hawa Mahal, Albert Hall, City Palace, the IIFA trophy, the stage, and the green carpet. These artifacts, made using acrylic, laser cutting, and engraving techniques, provide a visually stunning experience that pays homage to Rajasthan's architectural marvels. The invitation itself, presented in an elegant brown and black color scheme, features a shimmering effect created through UV printing. This further enhances the regal aesthetic, ensuring that every detail of the invitation exudes luxury and sophistication.

A Creation of Unparalleled Craftsmanship

The grandeur of the IIFA 2025 invitation card is further elevated by its origin. Crafted with meticulous attention to detail, the invitation cards have been manufactured in Jaipur, a city synonymous with artisanal excellence. Produced in a renowned design house, specializing in regal-themed creations, the invitations embody the splendor and rich legacy of the Pink City, making them not just an invite but an heirloom of craftsmanship.

Exclusive Gift Items

Further elevating the invitation experience, the box includes exquisite gift items. Among these is a marble plate featuring intricate gold work, a pair of handcrafted lacquer bands embellished with *meenakari* and *kundan* work, and a delicate rose crafted using the ancient bhopka technique. Additionally, the Rajasthan Tourism Department has contributed miniature paintings, adding yet another touch of heritage and artistry to the invitation set.

A Symbol of Prestige

The meticulous design of the invitation card not only serves as a formal invite but also as a collectible artifact, reflecting the prestige of the IIFA Awards. It underscores the event's commitment to honouring Indian cinema while celebrating the country's diverse cultural heritage. The IIFA Awards 2025 invitation is a harmonious blend of art, tradition, and modernity, setting the stage for a celebration that honours both cinematic excellence and India's rich cultural legacy.

Notably, these exclusive invitation boxes have been sent to some of the biggest names in Indian cinema, including Shah Rukh Khan, Madhuri Dixit, Kareena Kapoor, Shahid Kapoor, and business tycoons such as the Ambani family. Even top political figures, including the Chief Minister, have received this regal invitation.

As invitation cards continue to evolve into artistic and thematic statements, they serve as a preview of the grandeur to come, ensuring that even before the curtains rise, guests are already immersed in the magic of the event.

THE WALL

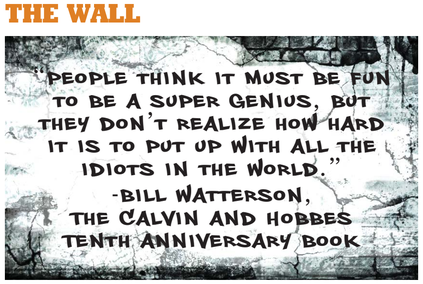

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

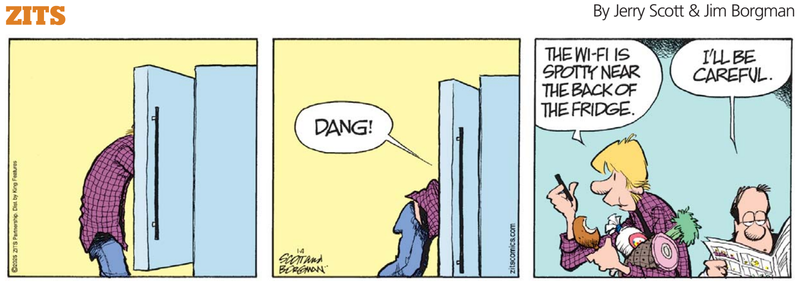

सांसद मन्नालाल रावत ने मध्य प्रदेश के मजदूरों की व्यथा सुनी

रावत ने अधिकारियों को मजदूरों का भुगतान दिलवाने के निर्देश दिए

उदयपुर, (निसं)। मध्यप्रदेश से आए मजदूरों को उनकी मजदूरी का पूरा भुगतान नहीं मिलने और कलेक्ट्री के बाहर पुलिस द्वारा उनको खदेड़ने के मामले में संज्ञान लेते हुए सांसद मन्नालाल रावत गुरुवार को सभी मजदूरों से मिले और उनकी बात सुनी। बाद में उन्होंने इस मामले में वन विभाग के रेंजर से लेकर डीएफओ तक के अधिकारियों से मौके पर ही बात कर जल्दी मजदूरों को उनका वाजिब भुगतान दिलाने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार सांसद रावत दोपहर में गांधी ग्राउंड पहुंचे जहां बाहर इन मजदूरों से बुधवार से डेरा डाल रखा है। करीब डेढ़ सौ मजदूरों में कई महिलाएं और बच्चे भी हैं, जिनसे सांसद ने सबसे पहले उनके खाने और रहने की व्यवस्था के बारे में पूछा। सारे लोगों को निगम के रैन बसेरा के हॉल में एकत्र कर उनसे पूरे मामले के बारे में पूछा। मजदूरों की ओर से लालजी ने बताया कि ठेकेदार ने उनको 70 रुपए प्रति खड्डा खोदने तथा नाडी बनाने के लिए बुलवाया।

सांसद मन्नालाल रावत ने मजदूरों से बातचीत की।

- मजदूरों को लेकर डीएफओ ने कहा कि सबको नियमानुसार खाते में भुगतान मिलेगा

इस पर करीब 186 लोग पहुंचे और परसाद व अन्य जगहों पर खड्डों की खुदाई व नाडी बनाने का काम किया। जब भुगतान का समय आया तो ठेकेदार बदल गया और उसने 25 रुपए प्रति खड्डे के हिसाब से ही भुगतान की बात कही। सांसद ने जब मजदूरों ने एग्रीमेंट लिखित में होने की बात पूछी तो उन्होंने मना कर दिया। सांसद ने मजदूरों के सामने ही मामले से जुड़े रेंजर से फोन पर बात की और बाद में डीएफओ मुकेश सैनी से भी मामले की जानकारी लेकर मामले को जल्दी निबटाकर मजदूरों को भुगतान दिलाने के निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि डेढ सौ से ज्यादा मजदूर चार दिन से इधर-उधर भटक रहे हैं। उनके रहने खाने की भी दिक्कत है। महिलाएं और बच्चे भी है इसलिए इनका वाजिब भुगतान दिलवाकर इनके गांव रवाना करें।

मजदूरों की मांग पर सांसद रावत कुछ मजदूरों को लेकर डीएफओ मुकेश सैनी के चेतक सर्कल स्थित ऑफिस भी पहुंचे। वहां मजदूरों व डीएफओ की आमने-सामने बात करवाई। डीएफओ ने कहा कि सरकारी नियमानुसार जो भी भुगतान बन रहा है वो उनको दिलवा देंगे और नगद भुगतान की बजाए प्रत्येक मजदूर के खाते में भुगतान करवाया जाएगा ताकि बाद में कोई विवाद नहीं हो। करीब दो घंटे तक दोनों पक्षों के बीच बातचीत करवाने के बाद सांसद ने मजदूरों को आश्वासन दिया कि उनका भुगतान हो जाएगा। साथ ही खदेड़ने वाले पुलिसकर्मियों को लेकर वे पुलिस अधिकारियों से बात करेंगे। बीमार महिलाओं और बच्चों के इलाज के लिए सीएमएचओ को निर्देश दिए।

वहम का इलाज हकीम लुकमान के पास भी नहीं : शेखावत

जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत जोधपुर पहुंचे, एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात की

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति मंत्री और जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत गुरुवार को जोधपुर पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के दक्षिण भारत में परिसीमन के बाद कम होने वाली सीटों को लेकर दिये बयान पर कहा कि वहम का इलाज हकीम लुकमान के पास भी नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका उनका सारा विषय एप्रेंशन और वहम के बेस हैं। कुछ लोग वहम के कारण से ऐसा करते हैं। कुछ लोग इस तरह के वहां से इस तरह का पॉलिटिकल लाभ पाने की कोशिश करते हैं। अब देखने का विषय की स्टालिन कौन से ब्रैकेट में खड़े हैं।

- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के दक्षिण भारत में परिसीमन के बाद कम होने वाली सीटों को लेकर दिये बयान पर बात की
- शेखावत ने करणी माता मंदिर में करवाए जाने वाले विकास कार्यों को लेकर जानकारी दी

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के नेतृत्व में बुधवार को जनगणना आधारित परिसीमन और ट्रायल लैंग्वेज वार पर सर्वदलीय बैठक भी हुई। उन्होंने कहा कि यदि संसद में सीटें बढ़ती है तो 1971 की जनगणना को आधार बनाना चाहिए। शेखावत ने बीकानेर जिले के करणी माता मंदिर में प्रसाद योजना के तहत 22.57 करोड़ रुपए की लागत से करवाए जाने वाले विकास कार्यों को लेकर जानकारी दी। कहा पर्यटन क्षेत्रों के विकास और भारत में धार्मिक पर्यटन के महत्व को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रसाद योजना को लागू किया था। करणी माता मंदिर उनके ही नहीं देशवासियों के लिए आस्था का विषय है। वहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव में सुधार किया जाए, उनके लिए आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जा सके। इसके लिए राजस्थान सरकार ने प्रोजेक्ट प्रस्तावित किया था। इसको लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने इसको लेकर मंत्रालय से आग्रह किया था। उनके आग्रह पर स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे करणी माता मंदिर में विकास कार्य करवाए जाएंगे। राजस्थान सरकार और भी मंदिरों को लेकर प्रस्ताव भेजेगी तो आने वाले वर्षों में और प्रोजेक्ट भी स्वीकृत किए जाएंगे। शिवराज सिंह चौहान के बेटे की शादी को लेकर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस तरह की शादियों से शहर और अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा लाभ होता है। निश्चित रूप से इस तरह की बड़ी शादियों से राजस्थान की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी। महाराष्ट्र के सपा नेता अबू आजमी के बयान को लेकर कहा कि उनके बयान का उचित जवाब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में दे दिया है।

सपा नेता अब्बू आजमी ने 3 मार्च को महाराष्ट्र विधानसभा में कहा था कि हमें गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए हैं मैं उसे क्रूर शासक नहीं मानता। इस बयान को लेकर बीजेपी ने विरोध करना शुरू कर दिया था।

नांदवेल सरपंच पर फायरिंग करने के आरोपी को गिरफ्तार किया

उदयपुर, (निसं)। नांदवेल सरपंच देवीलाल डांगी पर फायरिंग करने के आरोपी को डबोक थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी हुकम सिंह ने बताया कि नांदवेल सरपंच देवीलाल डांगी पर फायरिंग करने के आरोपी पीयूष राजपूत पिता मिथलेश निवासी बड़गांव को डबोक थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि आरोपी पीयूष राजपूत पेशे से वकील है और उदयपुर कोर्ट में बीते सात से वकालात कर रहा है। प्रॉपर्टी विवाद के चलते इसने अपने साथी के साथ मिलकर सरपंच पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। सरपंच मावली विधायक पुष्कर डांगी का भांजा है।

- प्रॉपर्टी विवाद के चलते सरपंच पर फायरिंग की थी, फायरिंग का आरोपी पेशे से वकील बताया जा रहा है

आरोपी पीयूष ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसके पिता मिथलेश ने सुरेश सालवी नाम के व्यक्ति से जमीन लेने की बात पक्की की थी। लेकिन नांदवेल सरपंच ने भी उसी जमीन को लेने के लिए सुरेश सालवी से सम्पर्क किया। सरपंच ने हमें जमीन नहीं लेने दी और खुद का लिखित सौदा कर लिया। पीयूष ने पुलिस को बताया कि इस बात से पिताजी परेशान थे जिसे लेकर उसने सरपंच पर फायरिंग की योजना बनाई। इसके लिए उसने किसी से देसी कट्टा खरीदा था। मामले में इसका दूसरा साथी फरार है जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की पहचान की थी। आरोपी पीयूष ने घटना को अंजाम देने से पहले अपना मोबाइल किसी परिचित के होटल पर रख दिया था, ताकि पुलिस मोबाइल लोकेशन से उसे ट्रेस नहीं कर पाए। उल्लेखनीय है कि मंगलवार रात करीब 10 बजे जब सरपंच देवीलाल डांगी कार से अपने घर पहुंचे थे। जैसे ही कार से उतरकर बाहर निकले, तभी उनके पर फायरिंग कर दी। गोली उनके जांघ पर लगकर आर-पार निकल गई।उनके चिल्लाने पर बदमाश वहां से भाग गए। उनकी आवाज सुनकर परिजन घर से बाहर आए और घायल सरपंच को हॉस्पिटल लेकर गए।

सरपंच का कहना है कि वे जब घर पहुंचे थे तब दो युवक पास की टंकी पर पानी पी रहे थे मुझे घटना का अंदाजा नहीं था। गाड़ी से बाहर निकलते ही उन्होंने फायरिंग कर दी। थानाधिकारी हुकम सिंह ने बताया कि घटना में लिप्त दूसरे आरोपी की तलाश जारी है। वहीं गिरफ्तार आरोपी ने देसी कट्टा कहां और किससे खरीदा, इसका पता लगाया जाएगा। साथ ही जमीन बेचने वाले सुरेश सालवी की इस मामले में क्या भूमिका रही है इस संबंध में सुरेश से भी पूछताछ की जाएगी।

18 लाख की शराब तस्करी के मुख्य आरोपी अजमेर से गिरफ्तार

पांच हजार के इनामी सहित दो जनों को गिरफ्तार किया

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने 18 लाख की शराब तस्करी के मुख्य आरोपी सहित दो तस्करों को अजमेर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर से पंजाब, चंडीगढ़ और राजस्थान निर्मित अवैध शराब बरामद की थी। 5 हजार का इनामी आरोपी टॉप 10 वांछित था।

- पुलिस ने राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर से पंजाब, चंडीगढ़ और राजस्थान निर्मित अवैध शराब बरामद की थी

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि 10 फरवरी को राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर एक कंटेनर पकड़ा गया था। कंटेनर की तलाशी में 18 लाख रुपए की अवैध शराब मिली थी, जिसमें चंडीगढ़, पंजाब के साथ ही राजस्थान निर्मित शराब के 249 कार्टन शराब भरे हुये थे।

पुलिस ने मौके से हेमसिंह उर्फ हेमू रावत पुत्र मोतीसिंह रावत निवासी गुडा जिला ब्यावर को गिरफ्तार किया था। पुलिस मामले में शराब तस्करों की कड़ी जोड़ रही थी। थानाधिकारी ने बताया कि शराब को मुख्य तस्कर दुर्गेश उर्फ दुर्गासिंह पुत्र लालसिंह रावत राजपूत निवासी बड़ी समेल जिला ब्यावर और अशोक पुत्र फतेहसिंह रावत राजपूत निवासी मोडा काकर जिला राजसमंद को नामजद कर तलाश की जा रही थी, मुख्य तस्कर दुर्गेश उर्फ दुर्गासिंह टॉप 10 आरोपी होने से उस पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस को दोनों तस्करों के अजमेर में होने का पता लगा, जिस पर पुलिस टीम अजमेर पहुंची, जहां से दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस शराब तस्करी को लेकर दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। वहीं गुजरात में शराब तस्करों से भी तार जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

'दुराचरण व लापरवाही के आरोपों से घिरे टीचर्स की बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी नहीं लगेगी'

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश में गुरुवार से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के एग्जाम शुरू हो गए हैं। इन परीक्षाओं में किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने दुराचरण और लापरवाही के आरोपों से घिरे टीचर्स की ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। उप निदेशक (माध्यमिक) रमेश कुमार हर्ष ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

- उप निदेशक (माध्यमिक) रमेश कुमार हर्ष ने आदेश जारी किए

एग्जाम शुरू होने से ठीक एक दिन पहले जारी इस आदेश में कहा गया है कि ब्लैक लिस्टेड कार्मिक और जिन कार्मिकों पर विभागीय जांच प्रस्तावित है और दुराचरण और परीक्षा में लापरवाही के दोषी हैं, उन्हें बोर्ड परीक्षा के सभी कामों से दूर रखा जाएगा। अगर कोई जिला शिक्षा अधिकारी या केंद्र अधीक्षक ऐसे कार्मिकों की ड्यूटी लगाता है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उप निदेशक हर्ष ने आदेश में बोर्ड परीक्षा के दौरान स्कूल की अन्य परीक्षाओं के बाधित नहीं करने के निर्देश भी दिए हैं। जिन स्कूलों से टीचर की वीक्षक के रूप में ड्यूटी लग रही है, वहां कुछ टीचर्स को पढ़ ाने के लिए ड्यूटी से मुक्त रखना पड़ेगा। वीक्षक ड्यूटी को लेकर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर के निर्देशों की पालना करने के आदेश दिए गए हैं। एग्जाम के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही करने पर संबंधित जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई भी होगी। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को पाबंद किया गया है।

शातिर नकबजन गिरफ्तार

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी की वारदात करने वाले एक शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि उसके खिलाफ करधनी थाना क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में दो दर्जन से अधिक चोरी की वारदातों का खुलासा हुआ है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी की वारदात करने वाले एक शातिर नकबजन अशोक नायक उर्फ बाबू उर्फ गिण्डिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

स्मैक सहित एक गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन जिले मे चलाये जा रहे अभियान अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के तहत वृत्ताधिकारी मालपुरा आशीष प्रजापत के सुपरविजन में थानाधिकारी टोडारायसिंह हरिराम द्वारा गठित टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु कस्बा टोडारायसिंह में कार्यवाही करते हुए आरोपी राजेन्द्र उर्फ राजू पुत्र महावीर निवासी वार्ड नं. 06 कस्बा टोडारायसिंह अवैध मादक पदार्थ 6.75 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

अवैध शराब बरामद, आरोपी फरार

उदयपुर, (निसं)। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर अंकुश लगाने हेतु जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी निरोधक दल द्वारा कार्यवाही करते हुए अवैध शराब जब्त करते हुए अभियोग दर्ज किए गए।

आबकारी आयुक्त के निर्देशानुसार विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी निरोधक दल शहर व ग्रामीण द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर गश्त व दबिश के तहत एक कार से 6 कार्टन में 288 आरएमल देशी शराब एवं 18 बीयर बोतल राज्य में बिक्री योग्य बिना परमिट बरामद किया। अभियुक्त भागने में सफल रहा, फरार अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार अभियोग दर्ज किया गया। इसी क्रम में आबकारी थाना उदयपुर शहर के अन्तर्गत रेलवे स्टेशन उदयपुर में रेल के साधारण श्रेणी के डिब्बे से एक प्लास्टिक बेग में रखे हुए 96 पव्वे अंग्रेजी शराब सेल फॉर मध्यप्रदेश लावारिस अवस्था में बरामद किये। इस संबंध में नियमानुसार

आबकारी निरोधक दल ने अवैध शराब जब्त की।

अभियोग दर्ज कर कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रदीप सिंह सांगावत, आबकारी उपायुक्त प्रद्युम्न सिंह एवं जिला आबकारी अधिकारी आदराम के निर्देशन में आबकारी निरोधक दल प्रहराधिकारी अनिल कुमार द्वारा मय जाब्ता की गई।

बिजयनगर ब्लैकमेल कांड मामले में स्टे

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अजमेर के बिजयनगर ब्लैकमेल कांड के पांच आरोपियों के परिजनों की संपत्ति तोड़ने पर यथास्थिति के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब करते हुए मामले की सुनवाई 11 मार्च को तय की है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश शाकीर व चार अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में सैयद सआदत अली ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं के घर के युवाओं को पुलिस ने कथित रूप से हुए ब्लैकमेल कांड में फंसाया है। अभी सभी आरोपी गिरफ्तार व न्यायिक अभिरक्षा में हैं। दूसरी ओर राज्य सरकार ने याचिकाकर्ताओं के घर नोटिस चस्पा कर कब्जा हटाने की चेतावनी दी है। याचिका में कहा गया कि यह संपत्ति मामले में गिरफ्तार किए गए युवाओं की ना होकर याचिकाकर्ताओं की है। ऐसे में उसकी संपत्ति पर कार्रवाई करना विधि विरुद्ध है। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि याचिकाकर्ताओं के घर पर चस्पा किए गए नोटिस ब्लैकमेल कांड में पकड़े गए युवाओं के नाम से है और उनका इन संपत्तियों पर किसी तरह का कोई अधिकार नहीं है।

दो समुदायों में कहासुनी के बाद झगड़ा, आधा दर्जन लोग घायल

पुलिस ने मामला दर्ज कर कुछ लोगों को हिरासत में लिया

चाकसू, (निसं)। चाकसू कस्बे के वार्ड नंबर पांच स्थित दरीबों के मोहल्ले में बीती देर रात दो समुदायों के बीच कहासुनी के बाद झगड़ा हो गया। झगड़े में आधा दर्जन लोग घायल हो गए, जिन्हें

- समुदाय विशेष के युवकों पर गाली-गलौज करने व हमला करने का आरोप

उपचार के लिए स्थानीय उप जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां से दो गंभीर घायलों को जयपुर रेफर कर दिया गया। सूचना पर चाकसू व शिवदासपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया।

पुलिस ने मौके पर जाकर लोगों से समझाइस की।

जानकारी के मुताबिक, समुदाय विशेष के कुछ युवकों द्वारा मोहल्ले में उत्पात मचाने पर दूसरे समुदाय के लोगों ने आपत्ति जताई। इसी दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो बढ़ते-बढ़ते झगड़े में बदल गई। विवाद बढ़ने पर समुदाय विशेष के 40-50 लोग वहां पहुंचे और दूसरे पक्ष के लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी। झगड़े में एक पक्ष ने आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को तितर-बितर किया। झगड़े के बाद समुदाय विशेष के युवक वहां से फरार हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से 2 जनों को गंभीर हालत में रेफर किया। देर रात तक पीड़ित पक्ष के लोग मौके पर जमा रहे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। पुलिस के मुताबिक, इलाके में फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और कुछ युवकों को हिरासत में लिया है। पीड़ित पक्ष के कैलाश गुर्जर ने 4 नामजद समेत 40-50 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

सूने मकानों में चोरी करने के मामले में युवक गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। सूने मकानों में चोरी करने के मामले में सांभर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए पीतल के बर्तन भी बरामद किए हैं।

थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार यादव ने बताया कि वह दिन में कई दिनो तक सूने पड़े मकानों की रैकी करता था, फिर रात्रि मे मकानों मे घुसकर पुराने बर्तन, लोहे का सामान व अन्य सामान जो भी मिलता था उनको चोरी कर ले जाता था।

युवक शराब, गांजा पीने का का आदी है एवं मौज मस्ती व नशे का शौक पूरा करने के लिए वारदात को अंजाम देता है। थाना सांभरलेक पर दर्ज प्रकरण में अज्ञात चोरों को गिरफ्तार करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी सांभरलेक राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर, गठित टीम

सांभर पुलिस ने चोरी के मामले में युवक को गिरफ्तार किया।

- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए पीतल के बर्तन बरामद किए
- आरोपी युवक शराब, गांजा पीने का आदी है एवं मौज मस्ती व नशे का शौक पूरा करने के लिए चोरी की वारदात को अंजाम देता था

द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा वारदात करने वाले अज्ञात आरोपी का पता लगाकर उसे दबिश देकर महज 48 घण्टे में गिरफ्तार किया गया।

आरोपी के कब्जे से चोरी किया हुआ माल पुराने इस्तेमाल किये पीतल के बर्तनों को भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी गुलफाम खान पुत्र अब्दूल गफारनिवासी शहीद पूनम चन्द मार्ग, बरडौती मौहल्ला सांभरलेक का ही रहने वाला है।

ए. डी. एम. ने तहसील कार्यालय मांढ़ण का किया निरीक्षण

कोटपूतली/बहरोड़। अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण ने गुरुवार को जिले के तहसील कार्यालय मांढ़ण का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठों का निरीक्षण कर कार्य व्यवस्था और अन्य कार्यों का अवलोकन किया।

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सम्पूर्ण तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारी से संधारित रिकॉर्ड की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। तहसील परिसर में आमजन को दी जाने वाली सेवाओं एवं सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और राजस्व प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति जानी। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियो को अपने राजकीय दायित्वों का पालन करते हुए नियमानुसार समय पर कार्य संपादित करने को कहा।

उन्होंने राजस्व प्रकरणों के साथ आमजन की परिवेदनाओं और आवेदनों का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसी के साथ उन्होंने जनसुनवाई के प्रकरणों के बारे में जानकारी ली और कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध ढंग से निस्तारण करें। उन्होंने ईद्द गिरदावरी के कार्य में प्रगति लाने और पुराने रिकॉर्ड को सही तरीके से संधारित करने और सभी रिकार्ड्स को अपडेटेड रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि तहसील कार्यालय में आने वाले व्यक्तियों को परेशानी न हो, उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनें और उनकी समस्याओं का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण कर उन्हें राहत प्रदान की जाए। उन्होंने तहसील में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों के बारे में पूछा और कार्यों को नियमानुसार समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वहीं एडीएम ने नगर पालिका मांढ़ण में आयोजित फार्मर रजिस्ट्री शिविर का भी निरीक्षण किया।

फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का धरातल पर जायजा लिया

दौसा। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने गुरूवार को दौसा जिले का दौरा कर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत रबी 2024-25 के लिए फसल कटाई प्रयोगों और फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का धरातल पर जायजा लिया एवं क्रियान्विति की गति बढ़ाने के निर्देश दिये। शासन सचिव ने दौसा जिले के भाण्ड़ारेंज के भीखली गांव में गेहूं के खेत में फसल कटाई प्रयोगों के चयन की प्रक्रिया का अवलोकन किया। इसके साथ ही ढ़ाणी बाग में सरसों के खेत में फसल कटाई प्रयोग के तहत फसल कटाई की प्रक्रिया का धरातल पर जायजा लिया व अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने भ्रमण के दौरान ई-गिरदावरी किये जाने का भी जायजा लिया।

बच्ची की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग

अलवर। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर का एक प्रतिनिधिमंडल मंडल असम के प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह जी के नेतृत्व में रामगढ़ क्षेत्र के तेलियावास के दौरे पर गया।

प्रवक्ता रिपुदमन गुप्ता ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, शकुंतला रावत, सफी या खान , बलजीत यादव, आर्यन जुबेर, आदि कांग्रेसजनों के साथ मृतक बालिका के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात करते हुए घटनाक्रम की जानकारी ली और ढांढस बंधाया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा की प्रदेश में ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी, एक गरीब मजदूर परिवार की बच्ची की पुलिस के कुचलने से मौत हुई है । मासूम की मौत के मामले में दो पुलिस कर्मियों को मुलजिम मनाया गया, जबकि पूरे थाने को निलंबित किया जाना चाहिए था , पुलिस प्रशासन आमजन की मदद करने की जगह अपनी जेब भर रहे हैं। उन्होंने कहाँ की निष्पक्ष जांच के लिये दूसरे जिले के सक्षम उच्च अधिकारी को लगाया जाना चाहिए। कांग्रेस पार्टी ने पुलिस को अल्टीमेटम दिया है अगर निष्पक्ष जांच नहीं हुई और दूसरी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो पार्टी सडक़ पर उतरने को मजबूर होगी इस दौरान किसी भी प्रकार की परिस्थिति बिगड़ती है तो जिम्मेवारी भाजपा की राजस्थान सरकार एवं पुलिस प्रशासन की होगी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस का प्रतिनिधित्व मंडल एसपी से मिला था उन्होंने आरोप लगाया कि थाना अधिकारी और स्टाफ साइबर क्राइम के नाम पर गांव वालों से वसूली करते हैं। अंधेर नगरी चोपट राजा वाला राज है। पुलिस ड्राइवर को बीट इंचार्ज बना रखा है। पुलिस ने निर्दोष लोगों को फंसा कर, केस को रफा दफा करने के लिए एजेंट बना रखे हैं।

कार्यालय नगर परिषद गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर (राज.)

क्रमांक: 7419 — **सार्वजनिक आपत्ति विज्ञप्ति** — दिनांक: 14.2.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे लिखित आवेदकों के आगे वर्णित स्थान पर अपने भूखण्ड का आवासीय से व्यवसायिक हेतू भू-उपयोग परिवर्तन करवाना चाहता/चाहती है जिसका विवरण निम्न प्रकार से है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	राजस्व ग्राम	क्षेत्रफल वर्गगज	प्रयोजन
1.	श्रीमती आशा देवी पत्नी श्री सांवलिया शर्मा निवासी चमन गली खारी बाजार गंगापुर सिटी	चमन गली खारी बाजार गंगापुर सिटी	225.50	व्यावसायिक उपयोग हेतु

अत: जिस किसी व्यक्ति को उक्त भूखण्ड का आवासीय से व्यवसायिक हेतु भू-उपयोग परिवर्तन करने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 15 दिवस में नगर परिषद में उपस्थित होकर लिखित रूप में पेश कर सकते है। उक्त अवधि में आपत्ति पेश नहीं होने पर आवेदन कर्ता को भूखण्ड का व्यावसायिक हेतू भू-उपयोग परिवर्तन करने की कार्यवाही की जाएगी इसके पश्चात कोई भी आपत्ति पर सुनवाई नही की जायेगी। सचित रहें। **आयुक्त**

प्ररूप-10
(नियम 6(7) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय नगरपालिका मण्डल, दूनी (टोंक) राज

क्रमांक न.पा.दू./कृषि भूमि/2024-25/349 — दिनांक 06.03.2025

-: लोक सूचना :-

श्री अमित गोखरू पुत्र श्री अक्षयराज गोखरू, निवासी - जैन मोहल्ला, दूनी, जिला टोंक ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	खसरा सं.	रकबा/क्षेत्र	मास्टर प्लान में दर्शित भू-उपयोग	भू-उपयोग का प्रकार
तह. दूनी जिला टोंक	दूनी	2622	0.6800 है.	मास्टर प्लान लागू नहीं है।	कृषि से आवासीय प्रयोजनार्थ।

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06.03.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी, नगरपालिका दूनी

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम संशोधन

मैं गुड्डी कुमारी मीना पत्नी राज कुमार मीना उम्र 34 वर्ष जाति मीना नि. मेहन्दीपुर बालाजी तह. टोडाभीम जि. करौली। यह कि मेरी पुत्री साक्षी कुमारी मीना जो कि कक्षा 08 में नवोदय विद्यालय जटनंगला में अध्ययनरत है जिसके शैक्षणिक दस्तावेज में गलती से प्रार्थी के पति का नाम RAJKUMAR MEENA व प्रार्थीया का नाम GUDDI इन्द्राज कर दिया है जबकि प्रार्थीया के पति का सही नाम RAJ KUMAR MEENA है व प्रार्थीया का सही नाम GUDDI KUMARI MEENA है, उक्त प्रार्थीया की पुत्री शाक्षी कुमारी मीना के शैक्षणिक दस्तावेजों में शुद्धीकरण करवाने बाबत प्रार्थीया का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

सम्मन बनाम कायम मुकाम

(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)

अज अदालत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-7 जयपुर मुकाम महानगर द्वितीय जयपुर लक्ष्माण प्रसाद व अन्य बाबत हकीम मोहम्मद व अन्य दावा बाबत दीवानी नियमित अपील मुकदमा नं. 9/2023

बनाम

मुसम्मी अब्दुल हफीज वल्द स्व:श्री अब्दुल हफीज कौम साकिन मकान नम्बर-4049, नीदंडराव जी रास्ता, तीसरा चौराहा, चौकडी तोपखाना देश, जयपुर (राज.)

चूंकि अपीलार्थीगण ने इस अदालत में तारीख माह सन् 199 को 1. लक्ष्मण प्रसाद व अन्य बनाम 2.हकीम मौहम्मद व अन्य दायर की जो कि बाद में फोत हो गया। और चूंकि अपीलार्थीगण मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी अब्दुल हफीज मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3. 2/21 अब्दुल अजीज बनाये जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाब देही 1. अब्दुल अजीज 25/माह3/25 सन् को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिये तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजरी में सुना व फैसल किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 5/3/25 माह सन्

वरिष्ठ रीडर
(मोहर अदालत) अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-9, जयपुर महानगर, द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:15778 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक:25.01.2024

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास/ फ्लैट संख्या 29/D-42 (2-F) (EWS), (एरिया 11.758 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री राम कुमार मीणा पुत्र श्री मांगीलाल मीणा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2354 दिनांक 18.06.2014 को जारी किया गया। श्री राम कुमार मीणा की मृत्यु दिनांक 27.08.2023 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती कंचन मीणा पत्नी स्व. श्री राम कुमार मीणा द्वारा उक्त आवास/फ्लैट को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्रीमती कंचन मीणा पत्नी स्व. श्री राम कुमार मीणा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक वृत-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कैफे सेन्टरो पर की ताबडतोड जांच की कार्यवाही

मालपुरा। अजमेर रैंज डीआईजी ओमप्रकाश के निर्देशो पर गुरूवार की देर शाम थानाधिकारी चेनाराम बेडा ने पुलिस जाप्ते के साथ शहर मे संचालित आधा दर्जन कैफे सेन्टरो पर ताबडतोड जांच की कि कार्यवाही। राजस्थान मे कैफे सेन्टरो पर एक के बाद एक सामुहिक दुष्कर्म,छेडछाड व ब्लैकमेलिंग जैसी बढती घटनाओं व बीते दिनो लाम्बाहरिसिंह मे एक कैफे संचालक द्वारा नाबालिग छात्रा को आत्महत्या के लिये उकसाने तथा बीते दिनो टोंक मे भी कैफे सेन्टर पर युवती से छेडछाड व ब्लेकमेलिंग के बाद बारी-बारी से हुई सामुहिक दुष्कर्म जैसी घटना को गंभीरता से लेते हुये बीते दिनो मालपुरा पहुंचे अजमेर रैंज डीआईजी ओमप्रकाश द्वारा सीएलजी बैठक लेने के दौरान महिला सखी एवं एडवोकेट गीता वालिया सहित सीएलजी सदस्यो द्वारा शहर मे चल रहै अवैध कैफे सेन्टरो पर जांच की कार्यवाही कर अवैध कैफे को सीज करने व नाबालिग युवक-युवतियों को बिना आईडी के कैफे मे प्रवेश नही देने तथा कैफे पर अलग से केबिन सुविधा उपलब्ध करवाने पर कडी आपत्ति जताई गई थी।

कार्यालय कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, भरतपुर (राज.)

क्रमांक:-प.5 लेखा ( ) ( )/निविदा/2024/लैपटॉप क्रय/09/143 — दिनांक: 04.03.2025

खुली निविदा सूचना क्रमांक:-

श्रीमान निबंध राजस्व मंडल राजस्थान अजमेर, के आदेश क्रमांक प-3 (ब) प्लान (28) रामले/22/3695 दिनांक 09.12.2024 के क्रम में राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के अनुसरण में लैपटॉप क्रय किये जाने हेतु कार्यालय जिला कलक्टर भरतपुर में संबधित क्षेत्र में अनुभव रखने वाली प्रतिष्ठित फर्म से द्विपद्वती से मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती हैं, इच्छुक निविदाता अमानत राशि/निविदा शुल्क कार्यालय में दिनांक 18.03.2025 दोपहर 02 बजे तक जमा कराया जाना सुनिश्चित करें उक्त निविदा उपापन समित के समक्ष दिनांक 18.03.2025 दोपहर 03 बजे खोली जायेगी जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :-

क्र.सं.	क्रय की जाने वाली सामग्री का नाम	अनुमानित राशि	मात्रा	अमानत राशि
01	लैपटॉप	09.00 लाख	12	18000/-

उक्त निविदा प्रपत्र एवं शर्तें sppp पोर्टल से डाउनलोड कर अवलोकन किये जा सकते हैं, तथा उक्त निविदा प्रपत्र निर्धारित अवधि में कैशियर कलक्ट्रेट को निविदा शुल्क 500 रूपये जमा करा, लेखा अनुभाग कलक्ट्रेट, भरतपुर से क्रय किये जा सकते हैं। उक्त निविदाएं निविदा जारी किये जाने की तिथि से 17.03.2025 दोपहर 01 बजे बजे तक विक्रय की जावेंगी।

UBN NO- CBH2425A0027
NIB NO- CBH2425GS0B00030

(डॉ अमित यादव)
जिला कलक्टर, भरतपुर

कार्यालय कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, भरतपुर (राज.)

क्रमांक:-प.5 लेखा ( ) ( )/CROP CUTTING/2024-25/2376 — दिनांक: 03.03.2025

ई निविदा सूचना क्रमांक:-

राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के अनुसरण में कार्यालय जिला कलक्टर भरतपुर/डीग (भू अभि.) के अधीनस्थ तहसील कार्यालयों में फसल कटाई उपकरण क्रय हेतु इच्छुक निर्माता/रजिस्टर्ड/संबंधित क्षेत्र में अनुभव रखने वाली प्रतिष्ठित फर्म से मोहरबंद द्वि लिफाफा पद्धती से ई निविदाएें आमंत्रित की जाती हैं, इच्छुक निविदाता http/eproc.raj.in पर आवेदन कर आरआईएसएल फीस/अमानत राशि/निविदा शुल्क कार्यालय में दिनांक 17.03.2025 दोपहर 02 बजे तक जमा कराया जाना सुनिश्चित करे उक्त निविदा उपापन समिति के समक्ष दिनांक 18.03.2025 दोपहर 03 बजे खोली जावेगी। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:-

क्र. सं.	सामग्री का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा शुल्क	RISL FEES
01	फसल कटाई उपकरण	4284495/-	85700/-	2000/-	1000/-

उक्त निविदा की प्री बिड मिटींग दिनांक 12.03.2025 दोपहर 02 बजे प्रभारी अधिकारी भू. अभि. के कक्ष में आहुत की जावेगी।

नोट:- 1. राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के प्रावधानानुसार लघु एवं सुक्ष्म ईकाईयों द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किये जाने पर निविदा शुल्क तथा अमानत राशि के नियमानुसार छुट प्रदान की जावेगी।

2. उक्त अमानत राशि/निविदा शुल्क/आरआईएसएल फीस को चालान/डीडी के माध्यम से जमा करा उक्त की मूल प्रति कार्यालय के कमरा नंबर 52 में दिनांक 19.03.2025 को दोपहर 11 बजे तक प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करें।

UBN NO- CBH2425GL0R00029
NIB NO- CBH2425A0026
TENDER ID- 2025-FOOD-451383-1

(डॉ अमित यादव)
जिला कलक्टर, भरतपुर

कार्यालय नगरपालिका मनोहरपुर जिला जयपुर-ग्रामीण
E-mail : npmanoharpur@rajasthan.gov.in

क्रमांक : न.पा.मनो./भूमि/2024-25/1818 — दिनांक : 06.03.2025

प्रारूप - 10
(नियम 6(7) देखिये)
लोक सूचना

आवेदनकर्ता, श्रीमती ज्योति पत्नि श्री लोकेश, निवासी - वार्ड नं. - मकान न. बी-2/74, दनगीर फेस-2 डॉ. अम्बेडकर नगर, पुष्पा भवन, दक्षिण दिल्ली। ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजना औद्योगिक उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात्

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ (वर्गमीटर)
जिला-जयपुर उप तहसील-मनोहरपुर तह. - शाहपुर	मनोहरपुर	3274	7400.00	औद्योगिक 7400.00

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1956 की धारा 63 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपरोक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गई है।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका मनोहरपुर, जिला जयपुर-ग्रामीण

कार्यालय नगरपालिका मनोहरपुर जिला जयपुर-ग्रामीण
E-mail : npmanoharpur@rajasthan.gov.in

क्रमांक : न.पा.मनो./भूमि/2024-25/1814 — दिनांक : 06.03.2025

प्रारूप - 10
(नियम 6(7) देखिये)
लोक सूचना

आवेदनकर्ता, गिरधारी लाल बेनीवाल पुत्र श्री केशर मल, निवासी-वार्ड नं. - शिव कॉलोनी, मनोहरपुर उपतहसील-मनोहरपुर, तहसील शाहपुरा जिला जयपुर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन औद्योगिक उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात्-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ (वर्गमीटर)
जिला-जयपुर उप तहसील-मनोहरपुर तह. - शाहपुर	मनोहरपुर	9201/3274 9233/9203	5500.00	औद्योगिक 5500.00

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1956 की धारा 63 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपरोक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गई है।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका मनोहरपुर, जिला जयपुर-ग्रामीण

कार्यालय नगरपालिका मनोहरपुर जिला जयपुर-ग्रामीण
E-mail : npmanoharpur@rajasthan.gov.in

क्रमांक : न.पा.मनो./भूमि/2024-25/1802 — दिनांक : 06.03.2025

प्रारूप - 10
(नियम 6(7) देखिये)
लोक सूचना

आवेदनकर्ता नरेन्द्र नाथ शर्मा पुत्र सत्यरंजन शर्मा, निवासी बिशनगढ रोड मनोहरपुर, तहसील शाहपुरा जिला जयपुर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन (वाणिज्यक प्रयोजनार्थ) उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात्-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ (वर्गमीटर)
जिला जयपुर तहसील शाहपुरा	मनोहरपुर	9131/1012,	831.05 वर्गमीटर	वाणिज्यिक

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1956 की धारा 63 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपरोक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गई है।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका मनोहरपुर, जिला जयपुर-ग्रामीण

कार्यालय नगरपालिका मनोहरपुर जिला जयपुर-ग्रामीण
E-mail : npmanoharpur@rajasthan.gov.in

क्रमांक : न.पा.मनो./भूमि/2024-25/1798 — दिनांक : 06.03.2025

प्रारूप - 10
(नियम 6(7) देखिये)
लोक सूचना

आवेदनकर्ता एम्बेसी टूरिज्यम डवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड जरिये निदेशक अधिकृत आवेदनकर्ता श्री निर्मल पंवार पुत्र श्री श्याम लाल पंवार, निवासी-135, रामनगर सोडाला, वार्ड नं. 58, स्वेज फार्म सोडाला श्याम नगर जयपुर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन (वाणिज्य) उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया हैं। अर्थात्-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ (वर्गमीटर)
जयपुर-ग्रामीण शाहपुरा	मनोहरपुर	349, 350, 351, 615, 616, 617, 618, 619, 621, 686, 687, 688, 689, 690/1, 690/2, 691, 692, 693, 694, 695	51422.30 वर्गमीटर	रिसॉर्ट्स 51422.30

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1956 की धारा 63 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपरोक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गई है।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका मनोहरपुर, जिला जयपुर-ग्रामीण

कार्यालय नगरपालिका मनोहरपुर जिला जयपुर-ग्रामीण
E-mail : npmanoharpur@rajasthan.gov.in

क्रमांक : न.पा.मनो./भूमि/2024-25/1794 — दिनांक : 06.03.2025

प्रारूप - 10
(नियम 6(7) देखिये)
लोक सूचना

आवेदनकर्ता एम्बेसी टूरिज्यम डवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड जरिये निदेशक अधिकृत आवेदनकर्ता श्री निर्मल पंवार पुत्र श्री श्याम लाल पंवार, निवास-135, रामनगर सोडाला, वार्ड नं. 58 स्वेज फार्म सोडाला श्याम नगर जयपुर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन (वाणिज्य) उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया हैं। अर्थात्-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ (वर्गमीटर)
जयपुर-ग्रामीण शाहपुरा	मनोहरपुर	632, 636, 640, 677/8393, 639, 641, 642, 643, 646, 647, 648, 650, 652, 653, 654, 656, 657, 658, 659, 671, 672/1, 673/1, 675	34296.63 वर्गमीटर	34296.63 रिसॉर्ट्स प्रयोजनार्थ

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1956 की धारा 63 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपरोक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गई है।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका मनोहरपुर, जिला जयपुर-ग्रामीण

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती मोहन कंवर पत्नी स्वर्गीय श्री प्रहलाद सिंह, निवासी प्लाट नम्बर III-ए, प्रेमनगर-1, एस डी पब्लिक विद्यालय के पास, गुर्जर की थडी, न्यू सांगानेर रोड़, जयपुर-302019 (राज.) अपने पति श्री प्रहलाद सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री नारायण सिंह के स्वामित्व की अचल सम्पति आवासीय प्लाट नम्बर 111-ए, प्रेमनगर-1, गुर्जर की थड़ी, न्यू सांगानेर रोड़, जयपुर (राज.) जिसका कुल क्षेत्रफल 165.00 वर्गगज है जो कि निर्मित अवस्थाम में है तथा जिसे श्री प्रहलाद सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री नारायण सिंह ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक में विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) में बंधक रखकर ऋण प्राप्त किया हुआ था जिसका ऋण खाता संख्या 650749686 है, उक्त श्री प्रहलाद सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री नारायण सिंह का स्वर्गवास 31.12.2022 को हो चुका है तथा उनकी माताजी श्रीमती मोहिनी कंवर पत्नी स्वर्गीय श्री नारायण सिंह का स्वर्गवास दिनांक 15. 04.1979 को हो चुका है, श्री प्रहलाद सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री नारायण सिंह की कुल चार संताने क्रमशः (1) श्री लक्ष्मण सिंह (2) श्री सत्येन्द्र सिंह (3) श्री नरेन्द्र सिंह पुत्रान श्री प्रहलाद सिंह एवं (4) श्रीमती यश कंवर पत्नी श्री शंकरसिंह भाटी पुत्री श्री प्रहलाद सिंह जिनमे से श्री सत्येन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रहलाद सिंह का स्वर्गवास दिनांक 27.11. 2023 को हो चुका है तथा श्रीमती यश कंवर पत्नी श्री शंकर सिंह भाटी पुत्री श्री प्रहलाद सिंह का स्वर्गवास दिनांक 12.04.2018 को हो चुका है इस प्रकार श्री प्रहलाद सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री नारायण सिंह के हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान में श्रीमती मोहन कंवर पत्नी स्वर्गीय श्री प्रहलाद सिंह, श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री प्रहलाद सिंह, श्री सत्येन्द्र सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री प्रहलाद सिंह की मृत्यु हो जाने के कारण श्रीमती बीना कंवर पत्नी स्वर्गीय श्री सत्येन्द्र सिंह, संस्कृति कंवर पुत्री स्वर्गीय श्री सत्येन्द्र सिंह, भव्या कंवर (नाबालिग) पुत्री स्वर्गीय श्री सत्येन्द्र सिंह तथा निलेश (नाबालिग) पुत्र स्वर्गीय श्री सत्येन्द्र सिंह है, श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री प्रहलाद सिंह तथा श्रीमती यश कंवर पत्नी श्री शंकर सिंह भाटी पुत्री स्वर्गीय श्री प्रहलाद सिंह का स्वर्गवास हो जाने के कारण श्री शंकर सिंह भाटी पुत्र स्वर्गीय श्री हरि सिंह भाटी तथा श्री हर्षवर्धन सिंह पुत्र श्री शंकर सिंह भाटी इनके अलावा कोई कोई विधिक उत्तराधिकारी अथवा वारिसान नहीं है, चूंकि श्री प्रहलाद सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री नारायण सिंह के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक में विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरी मुवक्किल श्रीमती मोहन कंवर पत्नी स्वर्गीय श्री प्रहलाद सिंह अपने पति स्वर्गीय श्री प्रहलाद सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री नारायण सिंह के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक में विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी-25, भगवान दास रोड़, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहती है, इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरुद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।

जयपुर
दिनांक 05.03.2025

(श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट
6/48, मालवीय नगर, जयपुर
मोबाईल 9829218044

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय MACT क्रम-1 जयपुर
जास्मीन महा. जयपुर
विरुद्ध मो. अजीम
वाद/प्रार्थना पत्र क्लेम
प्रार्थना-पत्र संख्या - 181/सन् 2018

नाम सलमान पुत्र अनवर खान जाति मुसलमान पता नि. 24, 22 गोदाम नन्दपुरी कच्ची बस्ती, जयपुर सोडाला, जयपुर

उक्त प्रार्थीया ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 07 माह 04 सन् 2025 को 10.30 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज दिनांक 03 माह 03 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय कीमुद्रा लगाकर दी गई। (मोहर अदालत)

रीडर
मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण क्रम सं.1, जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर (राज.)

इत्तलानामा वास्ते जाहिर करने वजह न जारी होने डिग्री के

जिला न्यायाधीश (ओ. 21 रूल 22 जाब्ता दीवानी)
जयपुर जिला,जयपुर D.No. 06/इजरा 28/2/2025

अज अदालत D.J. District Court
मुकाम Jaipur
संतोष **बनाम** ललित व अन्य
डिग्री बाबत

इजराय मुकद्मा नं. 9 सन् 21 — CIS no. Execution 13/2021

बनाम-

मुसम्मी ललित सिंह वल्द नरेन्द्र सिंह कौम............... साकिन निजी - 19A, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर एवं फ्लेट नम्बर 803, एस.डी.सी. बिल्डिंग, 8वी मंजिल, जेडीए के सामने,बापू नगर, जयपुर

चूंकि डिक्रीदार ने डिग्री अदालत, जिला न्यायाधीश जिला जयपुर, मवर्खे 4.10.2019 व मुकद्में नं. G. S. 35 (74/15) NOV 195/18 सन् 2018 की इजराय के लिए दरख्वास्त पेश की है इसलिए आपको इत्तला दी जाती है कि आप इस अदालत में 12 तारीख 03 माह 2025. को हाजिर होकर अगर कोई उजर वास्ते आपके खिलाफ इजाजत किये जाने डिग्री रखते हो तो पेश करो

आज व तारीख 28 माह 2 सन् 2025 व शब्द मेरे दस्तखत मुहर अदालत के जारी किया गया

(मोहर अदालत)
आज्ञा से
वरिष्ठ मुसरिम
जिला न्यायालय
जयपुर जिला. जयपुर

आम सूचना

मैं मगन सिंह पुत्र लादुसिंह जाति राजपूत उम्र 65 वर्ष निवासी स्याह तहसील मालपुरा जिला टोंक राजस्थान, का शपथ पूर्वक बयान करता हूं कि मेरे आवासीय मकान का पट्टा ग्राम पंचायत कुराड़ द्वारा दिनांक 24/9/2021 को जारी किया गया है जिसकी मिसल संख्या 12/2021 क्रमांक संख्या 04 है, जिसको मैंने तहसील उप पंजीयक कार्यालय से दिनांक 3/11 2021 को पंजीबद करा दिया, जिसके क्रमांक 2021 03043102575 है, पृष्ठ संख्या 98 पर दर्ज है। उक्त पट्टा दिनांक 2 जनवरी 2025 को स्याह से पचेवर के बीच गुम हो गया जिसकी गुमशुदा रिपोर्ट पचेवर थाने में दर्ज करवा दी गई है।

एडवोकेट सलीम भाटी मो. 9610547560

सूचना — दि. 06.03.2025

सूचित हो कि:- मेरे अभिभाष्य श्री सुदर्शन सिंह, पुत्र स्व. रावत मान सिंह, निवासी 15, जय अम्बे कॉलोनी, सिविल लाईन जयपुर श्री गजेन्द्र सिंह पुत्र स्व. रावत सिंह, निवासी ग्राम महाकलां तहसील चौमू, जिला जयपुर, श्री चन्द्रवीर सिंह पुत्र स्व. श्री मान सिंह, निवासी एस- 229, महावीर नगर, टोंक रोड़, जयपुर, श्री अनिरुद्ध सिंह पुत्र स्व. श्री भारतेन्द्र सिंह, निवासी 6/14, मालवीय नगर, जयपुर, श्रीमती गिरजा शाह पत्नी स्व. श्री के.बी. शाह निवासी 169, राधे मार्ग, दिल्ली बाजार, काठमांडू नेपाल, श्रीमती नीलमा सिंह, पत्नी श्री कमल सिंह निवासी ग्राम बाजे खां, जिला सिरसा, हरियाणा, श्रीमती स्मिता सिंह निवासी फ्लेट नं. 15, गायत्री रेजीडेन्सी, राजराजेश्वरी नगर, वल्लूपल्ली, हैदराबाद, तेलंगाना, की शामलात सम्पति कृषि भूमि विभिन्न खसरा नं. ग्राम शिम्भुपुरा, पटवार हल्का महारकला तहसील चौमू, जिला जयपुर वर्तमान खाता संख्या 146, पुराना खसरा नं. 138, कुल रकबा 38.27200 हैक्टयर कुल खसरा 21 एवं मकान नं. 1260, महार हाउस गंगापोल, आमेर रोड़, जयपुर में स्थित है के बाबत कुछ व्यक्तियों ने फर्जी दस्तावेजात तैयार करके फर्जी तौर पर बेचान करने की कार्यवाही की जाने की जानकारी जरिये श्री सुदर्शन सिंह जी के प्राप्त हुई। इस बाबत पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करवायी जा चुकी है। पुलिस ने इसके संबंध में कार्यवाही भी शुरू कर दी है। अतः सभी जन साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पति के बाबत कोई भी लेन-देन क्रय-विक्रय नहीं करे अन्यथा किये गये कार्य के लिए स्वयं उत्तरदायी होंगे।

देवीदत्त शर्मा एडवोकेट मो. 9414277991

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर 85/2025

चूंकि श्रीमती वीनू जैन पत्नी श्री चारू सुखलेछा निवासी 79, 80 आदिनाथ नगर, वर्ल्ड ट्रेड पार्क के सामने, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत डोपामाइन फाउण्डेशन कार्यालय पता-डी-11, बापू नगर, जयपुर, 302015 राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है, कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से छाठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तिया, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 4/3/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 14/5/25
(मोहर अदालत)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर 19/2025

चूंकि श्री सिद्धार्थ गुप्ता ने पंजीकृत प्रन्यास लक्ष्मी गुप्ता चेरिटेबल ट्रस्ट, बी-15/5 लक्ष्मी विला शिव मार्ग, बनीपार्क जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 34 जयपुर 2005 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के प्रन्यासी श्री शशिकान्त गुप्ता की मृत्यु होने के कारण तथा एकता गुप्ता तथा मोहित गुप्ता द्वारा प्रन्यासी पद से त्याग पत्र देने के कारण उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड से हटाये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है, कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तिया, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 4/3/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 9/4/25
(मोहर अदालत)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर 21/2025

चूंकि श्री रामेश्वर दयाल मीना ने पंजीकृत प्रन्यास बाबा रघुवर दयाल एज्युकेशनल ट्रस्ट. 19. नगर-II महेश नगर, टोक फाटक, जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 2 जयपुर 2007 है संबंध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के फाउण्डर प्रन्यासी श्री रामेश्वर दयाल रावत द्वारा त्याग पत्र देने के कारण उनका नाम प्रन्यास रिकार्ड से हटाने तथा श्री रामेश्वर दयाल मीना, श्री प्रेम सिंह व बबीता कुमारी मीणा को नवीन प्रन्यासी नियुक्त कर उनका नाम प्रन्यास रिकार्ड दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 23 में प्रदत्ता शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है. में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम,व्यापक जानकारी के लिए,यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है, कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यारा के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 4/3/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी गया।

आइदा तारीख पेशी 1/4/25
(मोहर अदालत)
साहयक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान जयपुर

खोया-पाया

मेरे मकान नंबर 2/196 वाटिका हाउसिंग स्कीम, वाटिका, सांगानेर, जयपुर का ओरिजनल अलाटमेंट लेटर कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें- हितेंद्र लाटा - 9024422225

गुलाबबाड़ी गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर की योजना का प्लॉट नं. 89, सरती नगर, श्याम नगर, जयपुर की ओरिजनल पॉवर ऑफ अटोंनी कहीं गुम हो गयी है, कृपया मिलने पर सूचित करें: सुमित्रा देवी w/o पुखराज डागा, 9509450595

श्री मेघराज मीणा पुत्र श्री हीरालाल मीणा ग्राम बगड़ी तहसील लालसोट जिला दौसा के प्लाट नंबर-175, अम्बेडकर नगर, आवासीय योजना जयपुर का आवंटन-पत्र, बैंक रसीद स्टेटमेंट व जेडीए पत्राचार से संबंधित समस्त दस्तावेजात कहीं गुम हो गये हैं मिलने पर मो.नं. 9911101099 सूचित करें।

नाम परिवर्तन

मैंने अपने पुत्र का नाम गुंजन सिंह शेखावत से बदलकर गौरव सिंह शेखावत रख लिया है। भविष्य में उसे उसके नये नाम गौरव सिंह शेखावत पुत्र गिरिराज सिंह के नाम से जाना पहचाना जावे। निवासी: राजपूत मोहल्ला, रेगरान, हाथिदेह, सीकर, राज 332707

मैं ताराचंद बागड़ा (TARACHAND BAGDA) पुत्र कानाराम बागड़ा (KANARAM BAGDA) ने अपना नाम ताराचंद से बदलकर ताराचंद बागड़ा कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना-पहचाना जायें। निवासी- मीणा वाला, सिरसी रोड, पांच्यावाला, जयपुर

मैंने मेरा नाम भरपोड़ा रीनाबेन छतरुभाई से बदलकर रीना भरपोड़ा रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी- डूंगरा बड़ा, तहसील- सज्जनगढ़, जिला-बांसवाड़ा, राजस्थान

संख्या 16019557 के रैंक-एचएवी, रणजीत सिंह, पता प्लॉट नं. 15 साई वाटिका-V, गोकुलपुरा, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान-302012 घोषणा करें कि मेरे बेटे का नाम क्रिश है। वह भविष्य के सभी प्रयोजनों के लिए हलफनामा प्रमाण पत्र संख्या-INRJ94332238684402x पुस्तक संख्या 28.02.2025 जयपुर कोर्ट राजस्थान से पहले।

मैंने अपना नाम साक्षी जाखड़ से बदलकर साक्षी सिंह जाखड़ रख लिया है। भविष्य में मैं साक्षी सिंह जाखड़ के नाम से जानी जाऊंगी। पता: पुत्री बीरबल सिंह जाखड़, 124, विष्णु मार्ग, ऑफिसर्स कैंपस एक्सटेंशन, संस्कार स्कूल के सामने, सिरसी रोड, खातीपुरा, जयपुर।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

खेरली शाखा, राजकीय सीनियर सैकण्डरी स्कूल के सामने, कठूमर रोड़, खेरली, अलवर, राजस्थान, फोन नं.: 01492-280130, ई-मेल: kherli@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
''परिशिष्ट-IV-क'' [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस। आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को ''जैसी है जहां है'', ''जो है जैसी है'' और ''जितनी भी उपलब्ध है'' के आधार पर बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्रं./लोट नं.	ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया राशि मांग पत्र के अनुसार	ई-नीलामी की दिनांक / ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी) / बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (सांकेतिक/वास्तविक)	संपत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय
1.	मैसर्स खंडेलवाल ऑटोमोबाइल्स पुलिस स्टेशन के सामने, कठूमर रोड़, खेरली, तहसील कठूमर, जिला अलवर, राजस्थान 321606; प्रोपराईटर एवं ऋणी- श्री सुरेश चंद पुत्र श्री मंगतू राम वार्ड नं. 16, गुर्जर मोहल्ला, पोस्ट ऑफीस के पास, खेरली, तहसील कठूमर, जिला अलवर, राजस्थान 321606; जमानतदार- श्री दिनेश चंद पुत्र श्री मंगतू राम वार्ड नं. 16, गुर्जर मोहल्ला, पोस्ट ऑफीस के पास, खेरली, तहसील कठूमर, जिला अलवर, राजस्थान 321606	श्री दिनेश चंद पुत्र श्री मंगतू राम एवं श्री सुरेश चंद पुत्र श्री मंगतू राम के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो वार्ड नं. 16, गुर्जर मोहल्ला, खेरली, तहसील कठूमर, जिला अलवर, राजस्थान 321606 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 169.734 वर्ग मीटर (203 वर्ग गज) है। सीमाएं- पूर्व: रोड़, पश्चिम: गली, उत्तर: श्री दीपचंद शर्मा का प्लॉट, दक्षिण: श्री रामस्वरूप खंडेलवाल का प्लॉट; अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं	रूपये 15,31,416.99 दिनांक 18.09.2024 को बकाया (दिनांक 18.09.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।	24.03.2025; दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक	आरक्षित मूल्य- रूपये 30,15,000/-; धरोहर राशि- रूपये 3,01,500/-; बोली वृद्धि राशि- रूपये 20,000/-	सांकेतिक	19.03.2025 दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं ऑनलाईन नीलामी पोर्टल https://baanknet.com देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से दूरभाष नं.- 01492-280130, मोबाईल नं. 8094004765 पर संपर्क कर सकते है।

दिनांक: 03.03.2025
स्थान: अलवर

हस्ता.
प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ बड़ौदा

संक्षिप्त

शिविर में 718 किसानों की बनी आईडी

निवाई। सिरस के राजीव गांधी सेवा केंद्र परिसर में फार्मर रजिस्ट्री प्रोजेक्ट अभियान के तहत तीन दिवसीय फार्मर रजिस्ट्री शिविर आयोजित हुआ। किसानों की 11 अंकों की फार्मर यूनिक आईडी बनाई गई। शिविर प्रभारी भू अभिलेख निरीक्षक मोहरपाल मीणा ने बताया कि तीन दिवसीय फॉर्मर रजिस्ट्री आईडी शिविर में 718 किसानों की फार्मर आईडी बनाई गई। फार्मर आईडी बनाने के लिए तीन दिन तक फार्मर आईडी बनाने के लिए 3 दिन तक किसानों की भीड़ लगी रही। फार्मर आईडी शिविर में ग्राम पंचायत प्रशासक शिवजीराम जाट, नायब तहसीलदार ओमप्रकाश जाटव, हल्का पटवारी रामेत मीणा, भवानी शंकर यादव, लिपिक बाबूलाल रैगर, वार्ड पंच लादूलाल वर्मा, पूर्व सीआर देवकरण गुर्जर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जलवायु के प्रति जागरूकता पर चर्चा

श्रीमाधोपुर। पीएमश्री विद्यालय श्रीमाधोपुर मे जलवायु के प्रति जागरूकता के लिए गतिविधि का हुआ आयोजन किया गया। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर प्रधानाचार्य राजेश कुमार अंकुर ने बताया कि पीएमश्री विद्यालयो मे किशोरों में जलवायु के प्रति जागरूकता के लिए गतिविधि का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय की कक्षा 6 ,7, 8 के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया ।गतिविधि प्रभारी आशा मीणा के निर्देशन में छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न माड्यूल चार्ट बनाकर प्रदर्शित किए गए। इस अवसर पर महावीर सिंह , गिरवर सिंह , विमला देवी, शिशुपाल सिंह उपस्थित थे।

भागवत कथा का समापन

श्रीमाधोपुर। निकटवर्ती ग्राम मऊ में 1 मार्च से 6 मार्च तक चल रही भागवत कथा का शुकदेव पूजन के साथ आरती करके समापन किया गया। यज्ञाचार्य कृष्णकांत शास्त्री ने पृथ्वी से अधर्म की समाप्ति के पश्चात श्रीकृष्ण के स्वधाम गमन की कथा सुनाई, शास्त्री ने कहा ऋषियों से यदुवंशी राजकुमारों ने परिहास करके पूजनीय लोगों से परिहास किया जिससे उनके शाप का कोप भाजन बनना पड़ा, इसलिए अपने पूजनीय लोगों का अपमान नहीं करना चाहिए। इसके बाद परीक्षित मोक्ष शुकदेव विदाई के बाद पूर्णाहुति,आरती के बाद कथा समापन किया गया, भंडारा प्रसाद करके विसर्जन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय राजपूत कुरीति उन्मूलन के अध्यक्ष दिलीप सिंह महरोली, जितेन्द्र सिंह,भवानी सिंह, आदि लोग उपस्थिति रहे।

अध्यक्ष का भव्य स्वागत

पावटा। जयपुर देहात उत्तर भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सुरेश बादलीवाल का पावटा कस्बे में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत सत्कार किया। माली /सैनी महासभा पंचायत संस्था तहसील पावटा की अगवाई ने पावटा आगमन पर सैनी समाज के लोगों व भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा आतिशबाजी के साथ फूल मालाओं से स्वागत सत्कार किया।कस्बे में जगह-जगह पुष्पमाला एवं आतिशबाजी कर स्वागत किया। इस मौके पर माली /सैनी महासभा पंचायत संस्था तहसील पावटा अध्यक्ष रामसिंह सैनी पटेल, तहसील विराटनगर अध्यक्ष संतोष कुमार सैनी, शाहपुरा तहसील से साधुराम सैनी, शिक्षाविद एवं पूर्व शिक्षा उपनिदेशक देवी सहाय सैनी एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा स्वागत सम्मान किया गया।

खामोश बाई गुर्जर रेस कोच नियुक्त

कोटपूतली। युवा खिलाड़ी नेशनल मैडलिस्ट एनआईएस कोच खामोश बाई गुर्जर को राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविधालय के मैदान में रेस का कोच नियुक्त किया गया है। खामोश बाई गुर्जर की नियुक्ति के आदेश राजस्थान क्रीड़ा परिषद जयपुर के खेल सचिव नीरज के पवन ने किये है।

परिक्षार्थियों का किया स्वागत

निवाई। राजकीय महाविद्यालय निवाई में एमडीएस विश्वविद्यालय परीक्षा 2025 के शुभारंभ पर प्राचार्य प्रो. दीपकराज जैन के सानिध्य में समस्त संकाय सदस्यों ने परिक्षार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत करके उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी।

कलेक्टर ने कानून एवं शांति व्यवस्था कायम रखने के दिए निर्देश

अलवर। कार्यवाहक जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम मुकेश कायथवाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय योगेश डागुर, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तेजपाल सिंह, समस्त उपखंड अधिकारी सहित जिला शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे।

अलवर मिनी सचिवालय के कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक लेते जिला कलेक्टर किशोर कुमार।

कार्यवाहक जिला कलेक्टर ने आगामी त्योहार होलिका दहन, धूलंडी, जमातुलविदा, चेटीचण्ड मेला, ईदुल फितर, रामनवमी, महावीर जयंती, महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती, वैशाखी, डॉ. अम्बेडकर जयंती, गुड फ्राइडे, सैन जयंती एवं परशुराम जयंती पर जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने, सद्भाव एवं साम्प्रदायिक सौहार्द कायम रखते हुए शांति एवं अमन चैन के साथ समस्त कार्यक्रम/त्योहार मनाए जाने के संबंध में विचार-विमर्श किया।

उन्होंने कहा कि धुलण्डी एवं रमजान महीने की (द्वितीय) जुम्मे की नमाज दोनों त्योहार एक ही दिन मनाए जाने पर पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस अधिकारियों से समन्वय कर

- बाल श्रम टास्क फोर्स व जिला स्तरीय बंधक श्रमिक सतर्कता समिति की भी हुई बैठक

सतत निगरानी एवं प्रभावी मॉनिटरिंग करें। साथ ही समय-समय पर सीएलजी बैठक कर आमजन से नियमित संवाद किया जावे। जिला शांति समिति के सदस्यगणों ने जिला प्रशासन को विश्वास दिलाया कि अलवर जिले का साम्प्रदायिक सौहार्द का इतिहास रहा है और इसे क़ायम रखने पूर्ण सहयोग प्रदान किया जावेगा।

इसके अलावा अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर बीना महावर की अध्यक्षता में बाल श्रम टास्क फोर्स व जिला स्तरीय बंधक श्रमिक सतर्कता समिति की बैठक आयोजित हुई। एडीएम शहर बीना ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को बाल श्रम की रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय रखते हुए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

14 वर्ष तक के बच्चों का सभी प्रकार के नियोजनों में एवं 14 से 18 आयु वर्ग के बच्चों का जोखिमपूर्ण कार्यों में नियोजन प्रतिबंधित है। इसका उल्लंघन करने वाले नियोजनकर्ताओं पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करें। बाल श्रमिक नियोजन करने वाले नियोक्ता के विरूद्ध 'बालक और कुमार श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम' 1986 संशोधित अधिनियम 2016 के तहत 6 माह से दो वर्ष का कारावास एवं 20 हजार से 50 हजार रूपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

तृतीय विशाल फाग महोत्सव के पोस्टर का विमोचन

श्रीमाधोपुर। श्री श्याम नवयुवक मण्डल द्वारा आयोजित तृतीय विशाल फाग महोत्सव का पोस्टर विमोचन यूडीएच मंत्री प्रतिनिधि एवं विधानसभा प्रभारी अजय सिंह खर्रा और तहसीलदार जगदीश प्रसाद बैरवा द्वारा गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम में छप्पन भोग की झांकी, बाबा का अलौकिक दरबार एवं श्रृंगार, पावन अखंड ज्योत सहित अनेक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। दिल्ली-जयपुर के कलाकारों द्वारा अलौकिक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। यह आयोजन शाम 6 बजे से प्रभु इच्छा तक चलेगा।आयोजन समिति के संयोजक लक्की अग्रवाल, बजरंग लाल शेखावत, ताराचंद बिजारणियां और विजय कसेरा ने बताया कि कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायिका निशा शर्मा,सोमेश जैन,दया कुमार अपनी प्रस्तुति देगें। उन्होंने इस भक्तिमय महोत्सव में शामिल होने का आग्रह किया।

भ्रामक व संवेदनशील खबरों पर रखें निगरानी : डॉ. सौम्या झा

टोंक। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) डॉ. सौम्या झा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित हुई।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार गैर चुनाव अवधि में भी जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग व क्रियान्वयन समिति का सतत रूप से सक्रिय रहना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित संवेदनशील न्यूज एवं फेक न्यूज (इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट एवं सोशल मीडिया) की जिला स्तर पर मॉनिटरिंग करने के लिए समिति के सदस्यों को निर्देशित किया।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी

जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कक्ष में क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित हुई।

ने सदस्यों को प्रभावी रूप से गैर चुनाव अवधि में फेक न्यूज की मॉनिटरिंग कर भारत निर्वाचन आयोग की मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार पालना करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में सीईओ परशुराम धानका, सूचना एवं प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के संयुक्त निदेशक दीपक कुमार, पीआरओ अपूर्व शर्मा, निर्वाचन कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी बुद्धिप्रकाश शर्मा, विवेक मीणा वरिष्ठ सहायक अक्षय नागरा मौजूद रहे।

सहायक उपकरण का होगा वितरण

निवाई। पंचायत समिति के सभागार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रबंधक एलीमको द्वारा निवाई में विशेष योग्यजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण हेतु चिन्हिकरण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में 113 दिव्यांगजनों ने भाग लिया। एलिमको कानपुर द्वारा 18 दिव्यांगों को व्हीलचेयर, मोटराईज्ड ट्राई साईकिल, श्रवण यंत्र, बैशाखी वितरण हेतु चिन्हित किया गया। शिविर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा 3 पालनहार, 2 आस्था कार्ड और एक कन्यादान योजना के लाभार्थियों को चिन्हित कर आवेदन करवाया गया। इस दौरान योगेश दिव्यांग शिक्षण संस्थान के निदेशक डॉ. सीताराम स्वामी, एलिमको के प्रतिनिधि सागर कादयान, विकलांग मंच के ब्लॉक अध्यक्ष भैरूलाल सैन सहित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

भोमराज आयुर्वैदिक व पंचकर्म हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन

पावटा। कस्बे में सर्विस रोड भोमाजी कॉम्प्लेक्स में गुरुवार को भोमराज आयुर्वैदिक व पंचकर्म हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारंभ महाराज श्री श्री 1008 श्री ओंमकारदास के सानिध्य में फीता काटकर किया गया। इस दौरान महंत सांवरमल व्यास,महाराज पोखरमल सहित अनेकों साधु संत व बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। वही पंडित माधव शर्मा ने विधि विधान से पूजा अर्चना करके हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ किया। इस दौरान अस्पताल के निदेशक भोमाराम मोटन, वैध पवन यादव के द्वारा आए हुई अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया।

मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए निदेशक भोमाराम मोटन, वैध पवन यादव ने कहा कि आज पूरा विश्व जहां आयुर्वेद की ओर तेजी से बढ़ रहा है वहीं भारत के लोग जहां आयुर्वेद का आविष्कार हुआ, लोग इसे नजरअंदाज कर रहे हैं। हाल के कुछ दशकों में स्थिति बदला है और अब लोगों को इस बात का अंदाजा हो गया है कि बिना किसी साइड इफेक्ट के आयुर्वेद सबसे बेहतर इलाज प्रक्रिया है। सेंटर में बिना किसी

भोमराज आयुर्वैदिक व पंचकर्म हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

दवा के पुरानी बीमारियों का भी पंचकर्म पद्धित से इलाज किया जाएगा।

इस दौरान विधायक प्रतिनिधि जगदीप धनखड़, नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, नगरपालिका पूर्व वाइस चेयरमैन अशोक सैनी, भाजपा नेता जीएल यादव, रोहिताश ताखर, बलबीर यादव सूबेदार, पूर्व जिला पार्षद जगदीश मीणा, बद्री प्रसाद चौहान ,सरपंच प्रतिनिधि रामेश्वर प्रसाद यादव, सुदरपुरा दाढ़ा सरपंच उमेश यादव, पूर्व सरपंच कैलाश चंद, लाडाकाबास सरपंच प्रतिनिधि मदन यादव, एनएसयूआई राष्ट्रीय महासचिव महावीर गुर्जर, भाजपा नेता फूलचंद यादव, पूर्व पंचायत समिति सदस्य धूडाराम यादव, डॉ जयराम यादव, डॉ सुरेंद्र गुर्जर, डॉ महेश यादव, डॉ पवन यादव, डॉ अशोक यादव, डॉ नाहरमल यादव, डॉ हंसराज यादव, डॉ रामकरण यादव, योगेश यादव, पुष्कर यादव, नवरत्न देवतवाल, सतवीर, गुल्लाराम यादव, ग्रामसेवक जगदीश यादव, महावीर पोसवाल, नाथूराम मोटन, जयराम यादव, लालाराम जाट, डॉ लक्ष्मण यादव, डॉ अशोक सैनी, डॉ अमित अग्रवाल, डॉ नवल योगी, महिमा यादव, संदीप यादव, पूजा यादव, पवन जांगिड़, विकास, सीताराम जावा, मुकेश यादव, इंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौके पर मौजूद रहे।

पानी की समस्या को लेकर लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

मनोहरपुर। कस्बे के तोपचिवाडा वार्ड नंबर 7 काली तली में करीब 2 वर्षों से पानी की समस्या बनी हुई है। जिसके कारण उन्हें अपने दैनिक जीवन में बहुत परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि वे पानी की समस्या के समाधान के लिए सरकार से मदद की उम्मीद करते हैं।

- अधिशाषी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर अवैध कनेक्शन हटाने व खारे पानी की लाइन जुड़वाने की मांग

इस दौरान विधायक मनीष यादव ने बताया कि वे तोपचीवाड़ा में पानी की समस्या के समाधान के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही पानी की समस्या का समाधान करेंगे।पानी की गंभीर समस्या को लेकर नाराज इकराम खान, शाहिद खान ,इरफान खान,पार्षद नफीस बानो, मदीना बानो, नसरीन बानो ,शहनाज,कल्लो, नजमा ,सरदार खान आदि अधिशाषी अभियंता कार्यालय शाहपुरा पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और उन्होंने पानी की गंभीर समस्या का समाधान करने व पाइपलाइन से अवैध कनेक्शन को हटाने की भी मांग की ह इस दौरान पार्षद नफीसा बानो ने बताया कि तोपचिवाडा वार्ड नंबर 7 काली तली में चांदोलियो के मकान से नीचे वाली मस्जिद तक पानी नहीं आने की गंभीर समस्या बनी रहती हैं। और करीब 50 मकान में पानी की सप्लाई बिल्कुल भी नहीं हो पा रही है यह समस्या करीब 2 साल से चल रही है।जिससे नाराज लोग शाहपुरा अधिशाषी अभियंता कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपकर उन्होंने ऊपर वाली खारे पानी की पाइपलाइन से जुड़वाने की मांग व अवैध कनेक्शन हटाने की मांग की है।

जलदाय विभाग कार्यालय पहुंचे जहां पर अधिकारियों व कर्मचारियों मनोहरपुर कार्यालय से नदारद मिले। जहां उन्होंने नाराजगी जाहिर की। इस दौरान हाजी सरदार खान ने बताया कि तोपचिवाडा के वार्ड नंबर 7 नफीसा बानो मकान व मदरसा से लेकर सलीम चक्की वाले के मकान तक खारे पानी की पाइप लाइन जोड़ी जाएगी जाएगी। इस दौरान अधिशाषी अभियंता ने नाराज लोगो को शांत करवाया और 9 मार्च रविवार को ही खारे पानी की पाइप लाइन से जुड़वाने का आश्वासन दिया। जिससे लोगो को लंबे समय से पानी की गंभीर समस्या से निजात मिल पाएगी।

कलक्टर ने परिवादों को निस्तारित कर आमजन को राहत देने के निर्देश दिए

दौसा। प्रत्येक माह त्रिस्तरीय जनसुनवाई के तहत के प्रथम गुरुवार को ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन जिले में सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर किया गया। पंचायत समिति नांगल राजावतान की ग्राम पंचायत चूड़ियावास एवं बैजवाड़ी में जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन हुआ।जिला कलक्टर ने अतिक्रमण संबंधी परिवादों की मौके पर ही अधिकारियों को भेज कर रिपोर्ट मंगवाई एवं तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर नें समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया और शेष परिवादों को निश्चित समय सीमा में नियमानुसार निस्तारित कर आमजन को राहत देने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने कहा कि राज्य सरकार एवं प्रशासन का उद्देश्य है कि ग्रामवासियों की समस्या को उन्हीं के स्थान पर आकर सुने एवं उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो।

जनसुनवाई करते जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार।

उन्होंने कहा कि सरकार एवं प्रशासन आमजन की समस्याओं के लिए संवेदनशील है। अगर प्रक्रिया में किसी औपचारिकता की आवश्यकता है तो परिवादी को वह भी विस्तार से समझाएं। ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाइयों में लगभग 45 परिवाद प्राप्त हुए, ग्रामीण के तहत आवास आवंटन, सड़कों की मरम्मत, मोबाईल नेटवर्क संबंधित, अतिक्रमण सहित बिजली, पेयजल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े परिवादों को सुनकर उनके निस्तारण के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेंद्र कुमार मीणा, उपखंड अधिकारी नांगल राजावतान यशवंत मीणा, विकास अधिकारी, तहसीलदार सहित जिला स्तरीय एवं उपखंड स्तरीय अधिकारी, स्थानीय सरपंच, कार्मिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर का उद्घाटन

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविधालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों ईकाईयों के तत्वाधान में सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन गुरूवार को प्राचार्य प्रो. राजेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत उठे समाज के लिये गायन के साथ शिविर का शुम्भारभ हुआ।

प्राचार्य सिंह ने स्वयंसेवकों को समाज एवं राष्ट्र में समर्पण भाव से अपनी सेवायें प्रदान करने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को शिविर के सातों दिन प्रत्येक गतिविधि में बढ़-चढकर भाग लेने के लिये प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सज्जन सिंह यादव ने सात दिवसीय शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की। शिविर के बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख प्रो. महावीर प्रसाद कुमावत ने भारतीय ज्ञान, मूल्य एवं संस्कृति विषय पर अपने विचारों से स्वयंसेवकों को लाभान्वित किया।

सार-समाचार

हवन कुंड में दी 18 लाख आहुतियां

मानपुरामाचेड़ी। निकटवर्ती ग्राम रुण्डल स्थित ब्रह्मलीन संत केवलदास जी के मन्दिर में हुए सात दिवसीय 51 कुंडीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ गुरुवार को पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हो गया।यज्ञ के दौरान हवन कुंडों में विष्णु व लक्ष्मी महामंत्रों के साथ पंडितों व यजमानों ने 18 लाख आहुतियां दी।इस दौरान रामकथा भी हुई जो राम के राज्याभिषेक के सात सम्पन्न हो गई।इस दौरान अनेक संत मौजूद रहे। यज्ञ आचार्य अयोध्या के गणेशदास ने बताया कि यज्ञ में नियमित मंत्र जप के साथ हवन कुंड में श्री विष्णु व लक्ष्मी महामंत्र के साथ आहुतियां दी गई। श्रदालुओ का तांता लगा रहा।क्षेत्र आध्यात्म से सरोबार नजर आया।इस दौरान 7 दिन तक रामकथा का भी वाचन किया गया।कथा में भगवान राम के राज्याभिषेक के साथ कथा का समापन हुआ। यज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर परमहामंडलेश्वर गणेशदास, अयोध्या धाम, नायन धाम से काली दास महाराज, सामोद के खेड़ापति से प्रेमदास महाराज, अरनिया धाम से हरिदास महाराज, काला कोटा से बलदेव दास महाराज सहित मुख्य यजमान शिवपाल दुसाद,कैलाश सैनी, रामसिंह खड़ोत्या,सुभाष चाहर, मुक्तिलाल दंगड,रणवीर सिंह शेखावत, सी एम बाड़ीगर, नंदकिशोर सैनी, बद्री बेजारा, रामू आफरिया, सूरज्ञान मीणा,दिनेश मीणा आदि लोग मौजूद थे।

एसेसमेंट टैस्ट का आयोजन 23 को

दौसा। जिले की समस्त ग्रामपंचायतों एवं यूसीईईओ स्तर पर उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं सांख्यात्मकता एसेसमेंट टैस्ट का आयोजन 23 मार्च को किया जाएगा। जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी राजीव शर्मा ने बताया कि जिले को 29000 लर्नर्स की परीक्षा करवाने का लक्ष्य मिला है। परीक्षा के सुचारू आयोजन हेतु जिला कलेक्टर ने जिला स्तर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को नोडल अधिकारी तथा जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। परीक्षा दिवस को परीक्षा केंद्र प्रात: नौ बजे से सायं छह बजे तक खुले रहेंगे तथा परीक्षा समय प्रात: दस से सायं पाँच बजे तक रहेगा।इस अवधि में नवसाक्षर अपनी सुविधानुसार समय पर उपस्थित होकर परीक्षा दे सकेंगे। परीक्षा का समय दो घंटे रहेगा। परीक्षा का निरीक्षण राज्य स्तरीय दल के साथ जिला स्तर और मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा गठित दल के माध्यम से किया जाएगा। परीक्षा हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायत और यूसीईईओ को 100 लर्नर्स का लक्ष्य प्रदान किया गया है। सभी नोडल अधिकारियों और सहायक नोडल अधिकारियों को लक्ष्य अनुरूप परीक्षा आयोजन हेतु पाबंद किया गया है।

पागल कुत्ते के काटने से तीन गांव में एक दर्जन महिला, पुरुष घायल

बौंली-बामनवास। क्षेत्र के बरनाला तहसील की ग्राम पंचायत सांचोली के तीन गांव में विगत दिनों से एक पागल कुत्ते ने आतंक मचा रखा है, इस कुत्ते ने अब तक सांचोली सुकानपुरा व टिगरिया गांव में करीब एक दर्जन महिला, पुरुषों को काटकर घायल कर दिया है लेकिन अब तक भी प्रशासन ने इसे नहीं पकड़ा है इस कारण ग्रामीणों का घरों से खेतों पर आना-जाना दुश्वार हो रहा है। ग्राम पंचायत सांचोली के सरपंच चतरलाल मीणा व ग्रामीण सचिन घुणावत ने बताया कि बुधवार को सुबह एक पागल कुत्ता अचानक गांव में आया एवं एक के बाद एक छह महिला, पुरुषों को काटता हुआ सुकानपुरा गांव की तरफ निकल गया वहां पर शाम को एक जाने को काट लिया, अगले दिन गुरुवार को टिगरिया गांव में घुस गया वहां पर चार जनों को काट लिया। पागल कुत्ते के काटे जाने से सांचोली निवासी लोकेश, शांति देवी, लक्ष्मीनारायण, भवानी, संपतराम एवं टिगरिया गांव निवासी बर्फा देवी, मुनीराम, नरेश व कालूराम इसी प्रकार सुकानपुरा निवासी हेमराज घायल हो गए। पागल कुत्ते के काटे जाने से घायल होने पर बामनवास व गंगापुर सिटी में जाकर इंजेक्शन लगाने पड़ रहे हैं। पागल कुत्ते का इन गांवों में इस तरह भय फैला है कि लोग अपने घरों में दुबके पड़े हैं एवं खेत पर आने-जाने के लिए समूह बनाकर व लाठी, डंडे लेकर निकल रहे हैं।

डॉ. आशु मीना का यूपीएससी असिस्टेंट प्रोफेशन में चयन

कोटपुतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम शुक्लावास निवासी आर्थोपेडिक एवं स्पोर्ट्स इंजरी सर्जन डॉ आशु कुमार मीना का न्च्बै यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन दिल्ली द्वारा आयोजित इंटरव्यू में असिस्टेंट प्रोफेशन आर्थोपेडिक में सामान्य श्रेणी में चौथी रैंक के साथ सलेक्शन हुआ है। डॉ आशु कुमार मीना, डॉक्टरों का गांव कहे जाने वाले गांव शुक्लावास के रहने वाले हैं, और अपनी डठठै, आर्थोपेडिक की पढ़ाई सफदरजंग अस्पताल दिल्ली से पूरी करके लगभग 2 साल ऑस्ट्रिया में स्पोर्ट्स इंजरी मैनेजमेंट की ट्रेनिंग लेकर, लगभग अब तक 10000 से ज्यादा सर्जरी का अनुभव प्राप्त कर चुके हैं। आगे डॉ मीना स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर सफदरजंग अस्पताल दिल्ली में सेवा देंगे। यहां पर वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज सफदरजंग अस्पताल में पेशेंट के देख रेख के साथ साथ एमबीबीएस स्टुडेंट्स तथा पीजी स्टूडेंट्स को मेडिकल की ट्रेनिंग का भी कार्य भार संभालेंगे।

नारायणपुर में बोर्ड परीक्षाएं शुरू, कड़ी निगरानी में हुआ आयोजन

नारायणपुर । माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा गुरुवार को आयोजित 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत सफलतापूर्वक हुई। कस्बे में 10वीं कक्षा की परीक्षा के लिए तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए, जिनमें राउमावि में 409, बाल भारती सीनियर सैकंडरी स्कूल में 205 और महात्मा गांधी गवर्मेंट स्कूल में 81 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों में काफी उत्साह देखने को मिला। नकल रहित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग ने कड़े इंतजाम किए। कोटपुतली-बहरोड़ जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव के नेतृत्व में महात्मा गांधी परीक्षा केंद्र सहित अन्य केंद्रों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं और परीक्षाएं शांतिपूर्ण तरीके से संचालित की जा रही हैं। शिक्षा विभाग ने सख्त निगरानी रखते हुए निष्पक्ष परीक्षा संपन्न कराने का आश्वासन दिया है। परीक्षार्थी भी परीक्षा व्यवस्था से संतुष्ट नजर आए।

बैठक का आयोजन

कोटपूतली। अतिरिक्त जिला कलक्टर कार्यालय में गुरुवार को एडीएम ओमप्रकाश सहारण की अध्यक्षता में जिले में नशा मुक्ति केंद्र खोलने को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले में नशा मुक्ति केंद्र की स्थापना के लिये संभावित स्थलों का चयन, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा संचालन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही नशे की लत से ग्रसित व्यक्तियों के उपचार, पुनर्वास एवं जन जागरूकता कार्यक्रमों के संचालन को लेकर आपसी समन्वय पर बल दिया गया। उन्होंने कहा की उपयुक्त स्थान को चिन्हित करने के लिये फील्ड में जाकर सर्वेक्षण करें, ताकि नशा मुक्ति केंद्र के लिये उपयुक्त स्थान चुना जा सके।

एक्स-रे कराने आए 63 वर्षीय बुजुर्ग की अस्पताल में अचानक मौत

नारायणपुर । कस्बा स्थित आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में गुरुवार को इलाज के लिए आए 63 वर्षीय जगदीश सैनी की अचानक मौत हो गई। वह ग्राम अजबपुरा निवासी था और छाती का एक्स-रे कराने अस्पताल पहुंचा था। अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार सुबह करीब 10 बजे जब रेडियोग्राफर उनका एक्स-रे करने वाला था, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

टीम इंडिया एक ही विकेट पिच पर नहीं निर्भर रहती। टीम इंडिया अपने खिलाड़ियों के दम पर खेलती है। कोई फेयर-अनफेयर की बात नहीं है।

- राजीव शुक्ला

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष, पाकिस्तानी मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अनिल कुंबले

अनिल कुंबले ने चैंपियंस ट्रॉफी में केएल राहुल के बल्लेबाजी क्रम के पीछे गौतम गंभीर की रणनीति को जिम्मेदार ठहराया है। चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत की पहुंच में केएल राहुल की भूमिका अहम रही है। केएल राहुल मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में अच्छी फॉर्म में दिख रहे हैं और जब भी टीम इंडिया को उनकी जरूरत पड़ी, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। केएल राहुल ने चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की चार विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई, जिससे भारत को फाइनल में जगह भी मिल गई।

क्या आप जानते हैं ?... डिफेंडर गोस्था पॉल भारत के राष्ट्रीय टीम के पहले कप्तान थे। उन्होंने 1920 और 1930 के दशक में भारतीय टीम का नेतृत्व किया था।

बीसीसीआई ने दी हरी झण्डी

राज्य क्रीड़ा परिषद करवायेगी आईपीएल मैचों का आयोजन

// राजस्थान रॉयल्स के साथ मिलकर बनेगी सयुंक्त समन्वय समिति //

जयपुर, 6 मार्च। आईपीएल मैचों के आयोजन को लेकर गुरूवार को बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कन्ट्रोल बोर्ड) ने राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद को मेल करके स्थिति को स्पष्ट करते हुए आईपीएल मैचों की मेजबानी का जिम्मा आरएसएससी को दे दिया है। इसके बाद से आईपीएल मैचों के आयोजन को लेकर चल रही रस्सा कशी थम गई।

डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने बताया कि बीसीसीआई के द्वारा आरएसएससी को की गई मेल में राजस्थान रॉयल्स के साथ मिलकर आईपीएल का आयोजन, पारस्परिक रूप से सहमत नियमों और शर्तों के अनुसार, आवश्यक अनुमतियों और प्रशासनिक सहायता के आधार पर सहमति प्रदान की गई है।

डॉ. पवन ने बताया कि राजस्थान रॉयल्स के सदस्यों के साथ मिलकरं एक सयुंक्त समन्वय समिति की नियुक्ति की जाकर बुनियादी ढ़ाचे की तैयारी और परिचालन की

आवश्यकताओं को सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीसीसीआई के द्वारा मैचों के सुचारू संचालन के लिए वित्तीय, तकनीकी और उपकरण उपलब्ध करवाएं जाएंगें।

मौजूदा परिस्थितियों के मध्य नजर बीसीसीआई ने लिया निर्णय : बीसीसीआई ने स्पष्ट किया कि राजस्थान क्रिकेट संघ में मौजूदा परिस्थितियों पर सावधानीपूर्वक विचार करने और तथ्य के कारण कि, अन्य बातों के साथ - साथ आरसीए के पास सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर पर कोई अधिकार नहीं है, और यह भी ध्यान में रखते हुए कि उक्त परिस्थितियाँ आईपीएल 2024 के बाद भी वैसी ही बनी हुई है, बीसीसीआई ने असाधारण परिस्थितियों पर विचार करते हुए अंतिम बार आरएसएससी के अनुरोध पर सहमति व्यक्त की है, और राजस्थान रॉयल्स के सहयोग से आरएसएससी के साथ सयुक्त रूप से सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में आईपीएल 2025 के कुछ मैचों की मेजबानी का निर्णय लिया है।

आगामी आईपीएल मैचों के आयोजन को लेकर बन सकती है संशय की स्थिति : बीसीसीआई ने मेल के जरिये यह भी कहा है कि बीसीसीआई आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए अपने से संबधित सदस्य राज्य किक्रेट संघों के साथ ही व्यवहार करता है, अर्थात जयपुर, राजस्थान में किसी भी मैच की मेजबानी के लिए राजस्थान क्रिकेट संघ है, हालांकि बीसीसीआई ने एक अपवाद बनाया है और आईपीएल 2025 मैचों की मेजबानी के लिए आरएसएससी के अनुरोध को अंतिम बार स्वीकार किए जाने की बात कहीं है। यदि मौजूद परिस्थितियाँ आगे भी बनी रहती है, तो भविष्य में सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में आईपीएल मैचों के आयोजन की मेजबानी को लेकर कोई भी अनुरोध बीसीसीआई के द्वारा स्वीकार नहीं किए जाने के लिए कहा गया है।

खिताबी मुकाबले को लेकर परेशान हैं विलियमसन

दुबई, 6 मार्च। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। वहीं मुकाबले को लेकर कीवी स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन का मानना है कि भारत के पास चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी मैच दुबई में खेलने के कारण वहां की परिस्थितियों को लेकर वास्तविक स्पष्टता है लेकिन साथ ही कहा कि उनकी टीम रविवार को होने वाले फाइनल के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि ये फाइनल मुकाबला और इसमें कुछ भी हो सकता है। विलियमसन ने सीधे तौर पर ये नहीं कहा कि भारत को एक ही स्थान पर खेलने का फायदा मिल रहा है। इसके बजाय उन्होंने इसकी तुलना और न्यूजीलैंड की लाहौर की परिस्थितियों की अच्छी समझ से की। न्यूजीलैंड ने बुधवार को यहां दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में प्रवेश किया।विलियमसन से जब पूछा गया कि क्या भारत को एक ही स्थान पर खेलने का फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि, मुझे लगता है कि जब आप कई मैच एक ही स्थान पर खेलते हैं तो चीजों को कैसे आगे बढ़ाना है इसको लेकर आपके पास वास्तविक स्पष्टता होती है।उन्होंने कहा कि, जिस तरह से हमें यहां मौका मिला। हमने भी इस स्थान पर कई मैच खेले और मुझे लगता है कि ये क्रिकेट का हिस्सा है। न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के दो मैच लाहौर में खेले थे।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में शतक लगाने के बाद विलियमसन आत्मविश्वास से भरे हुए हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मैच में बारिश करेगी काम खराब?

// आईसीसी ने निकाला रास्ता //

दुबई, 6 मार्च। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मैच रविवार, 9 मार्च को भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। ये मुकाबला रविवार को दुबई में आयोजित होगा। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई। अगर फाइनल में बारिश हुई तो मैच का मजा किरकिरा हो जाएगा। लेकिन बारिश से प्रभावित होने वाले फाइनल को लेकर आईसीसी ने पहले ही नियम बना रखे हैं।

10 मार्च का दिन रिजर्व डे : अगर फाइनल मैच के दौरान बारिश हुई तो ओवरों को घटाकर मैच करवाया जा सकता है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक फाइनल मैच में कम से कम 20 ओवरों का खेलना जरूरी है। हर टीम को 20-20 ओवर दिए जाएंगे। बारिश से प्रभावित होने वाले फाइनल में ओवरों की कटौती तय सम के बाद शुरू होता है। अगर ये मुकाबला रविवार, 9 मार्च को बारिश की वजह से नहीं खेला जा सका तब ये रिजर्व डे पर आयोजित होगा। 10 मार्च को फाइनल का रिजर्व डे है।अगर चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच ड्रॉ या टाई होता है तो विनर का फैसला सुपर ओवर से किया जाएगा। सुपर ओवर के नियम के मुताबिक दोनों ही टीमों को एक-एक ओवर खेलने का मौका मिलता है।

लाहौर में नहीं, दुबई में खेला जाएगा फाइनल मुकाबला

भारत के कारण पाकिस्तान को हुआ करोड़ों का नुकसान

लाहौर, 6 मार्च। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबले लाहौर की बजाय दुबई में खेला जाएगा। इस मेगा इवेंट में भारत ने पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को मात देकर फाइनल में एंट्री की। वहीं फाइनल मुकाबले के लाहौर की बजाय दुबई में होने से भारत ने पाकिस्तान का करोड़ों का नुकसान करा दिया है। सुरक्षा कारणों से टीम इंडिया ने पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया था। ऐसे में पहले ही तय हो गया था कि भारतीय टीम अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। इसके अलावा ये भी तय था कि 1 सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। साथ ही अगर भारतीय टीम फाइनल में पहुंचती है तो ये मैच दुबई में खेला जाएगा। अगर भारत फाइनल में नहीं पहुंचता तो ये मुकाबला लाहौर गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाना था।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल का वेन्यू बदलने से पाकिस्तान को तगड़ा नुकसान हो गया है। चैंपियंस ट्रॉपी की 8 साल बाद वापसी हुई। आखिरी बार ये टूर्नामेंट 2017 में खेला गया था। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में कुल 15 मुकाबले खेले जाने थे। इसके लिए 586 करोड़ रुपये का बजट था। ऐसे में हर मैच के लिए करीब 39करोड़ रुपये का बजट फिक्स था।

पाकिस्तान को हुआ करोड़ों का नुकसान : भारतीय टीम अब तक 4 मैच दुबई में खेल चुकी है। ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को 156 करोड़ रुपये का नुकसान तो हो चुका है। अब भारतीय टीम फाइनल में पहुंच चुकी है। ऐसे में पाकिस्तान को एक और मैच के लिए 39 करोड़ का नुकसान होगा और पीसीबी का कुल घाटा 195 करोड़ रुपये हो जाएगा।

जयपुर क्लब बना ए डिविजन चैंपियन

राजस्थान यूथ बनी उप विजेता

जयपुर, 6 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए अंतिम लीग मैच में राजीव गांधी क्लब ने जयपुर ब्लूज क्लब को 11 रनों से हराया।

के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में जयपुर ब्ल्यूज ने टॉस जीतकर पहले राजीव गांधी क्लब को बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया। राजीव गांधी क्लब ने मनय कटारिया के 68 रन, मनन सिंह शेखावत के 146 रन, जयेश पण्डिता के 86 रन, शिफॉन खान के 35 रनों से 50 ओवर में 5 विकेट पर 364 रन बनाए। जयपुर ब्लूज के लिए हिमांशु राणा ने 89 पर 2, राहुल चौधरी, प्रखर शर्मा व सचिन जाट ने 1 - 1 विकेट लिया। जवाबी पारी में जयपुर ब्ल्यूज क्लब ने सचिन जाट के 39, हर्ष यादव के 31, शुभम पटवाल के 138 रन, प्रखर शर्मा के 52 रन व राहुल चौधरी के 25 रनों से 50 ओवर में 9 विकेट पर 353 रन बनाकर मैच जीतने का प्रयास किया लेकिन जीत नहीं पाए। राजीव गांधी क्लब के लिए जयेश पण्डिता ने 58 पर 3, सारांश गोस्वामी ने 79 पर 2 व सौरभ यादव

ने 79 पर 2 विकेट लिए। प्रतियोगिता में सभी टीमों ने 7 - 7 मैच खेले है जिसमें जयपुर क्लब ने 6 मैच जीतते हुए 12 प्वाइंट लेकर चैम्पियन शिप जीती वही राजस्थान यूथ की टीम 5मैच जीतते हुए 10 प्वाइंट लेकर उप विजेता रही। प्वाइंट्स टेली में नीरजा मोदी एकेडमी व जयपुर ब्लूज की टीमें सबसे नीचे रहते हुए बी डिवीजन में चली गई।

प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व रणजी कप्तान विनोद माथुर, गिरीश पारीक (गारमेंट एक्सपोर्टर), मुकुन्द रूंगटा (पूर्व जेडीसीए सचिव), आशुतोष मिश्रा (सेंट्रल एकेडमी डायरेक्टर), राहुल कांवट व मोहम्मद असलम ने विजेता व उप विजेता टीमों को ट्रॉफी व व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर जेडीसीए एडहॉक कमेटी के सदस्य रोहित झालानी, महेश सैनी, माधव मित्र, लोकेश जैन सहित सैकड़ों खिलाड़ी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सर्व श्रेष्ठ बल्लेबाज रोहन राजभर (चम्बल स्पोर्ट्स), बेस्ट गेंदबाज सार्थक त्यागी (सबा क्लब) व मैन ऑफ द सीरीज आदित्य झाला (राजस्थान यूथ) रहे।

फुटबॉल टूर्नामेंट सुपर कप 2025 भुवनेश्वर में 21 अप्रैल से शुरु होगा

भुवनेश्वर, 6 मार्च। फुटबॉल टूर्नामेंट सुपर कप 2025 ओडिशा के भुवनेश्वर में 21 अप्रैल से शुरु होगा।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की घोषणा के अनुसार नॉक-आउट प्रारूप वाले इस टूर्नामेंट में 16 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रतियोगिता में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 13 क्लब और आई-लीग के तीन क्लब शामिल होंगे। सुपर कप का पहली बार 2018 में आयोजन किया गया था। इस टूर्नामेंट में आईएसएल टीमों का दबदबा रहा है। वर्ष 2018 में बेंगलुरू एफसी ने इसका खिताब जीता। उसके बाद वर्ष 2019 में एफसी गोवा ने फाइनल में चेन्नईयिन एफसी को हराया। कोविड-19 महामारी के कारण यह टूर्नामेंट 2020 और 2022 के बीच आयोजित नहीं किया गया था, लेकिन 2023 में ओडिशा एफसी ने बेंगलुरू एफसी को हराकर खिताब अपने नाम किया था। वर्ष 2024 में ईस्ट बंगाल एफसी ने ट्रॉफी उठाई। उल्लेखनीय है कि पिछले सभी चार संस्करणों में आईएसएल क्लबों ने जीत दर्ज की है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल कार्स की जगह मुल्डर को टीम में किया शामिल

हैदराबाद, 6 मार्च। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए चोटिल ब्रायडन कार्स की जगह दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर को टीम में जगह दी है। एसआरएच ने बताया कि इंग्लैंड के ऑलराउंडर कार्स चोट के कारण आईपीएल के इस सत्र नहीं खेल पाएंगे। टीम प्रबंधन ने उनकी जगह मुल्डर को 75 लाख रुपये में खरीदा है। मुल्डर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 11 टी-20, 25 एकदिवसीय और 18 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 60 विकेट लिए हैं और 970 रन बनाए हैं। एसस20 में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने डरबन सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए 32 मैचों में 26.21 की औसत और 136.11 के स्ट्राइक रेट से 603 रन बनाए हैं। इसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं।

महिला मुक्केबाजी राष्ट्रीय प्रतियोगिता 21 मार्च से शुरु

नई दिल्ली, 6 मार्च। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में 21 से 27 मार्च तक चलने वाली आठवीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप भारत की ओलंपिक तैयारी के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी। विश्व मुक्केबाजी और भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के प्रतियोगिता दिशानिर्देशों के तहत उत्तर प्रदेश मुक्केबाजी संघ के सहयोग से आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप में देश भर से करीब 300 शीर्ष महिला मुक्केबाज हिस्सा लेंगी। इस प्रतियोगिता में 01 जनवरी 1984 से 31 दिसंबर 2005 के बीच जन्मे मुक्केबाज प्रतिभाग ले सकते हैं मैच तीन राउंड के प्रारूप का पालन होगा। प्रत्येक राउंड तीन मिनट का होगा और एक मिनट का आराम अंतराल दिया जायेगा। इसमें 100 से अधिक कोच, सहायक कर्मचारी तथा 60 तकनीकी अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक राज्य अधिकतम 10 मुक्केबाजों को मैदान में उतार सकता है। नंबरों के आधार पर प्रवेश की अंतिम तिथि 10 मार्च है। प्रतियोगिता के लिए अंतिम नाम की पुष्टि 15 मार्च तक पूरी होगी। चैंपियनशिप के लिए आधिकारिक तौर पर 20 मार्च से प्रतिभागियों का आगमन शुरू होगी, उसके बाद ड्रॉ और तकनीकी बैठक होगी। शुरुआती मुकाबले 21 से 24 मार्च तक होंगे, 25 मार्च को क्वार्टर फाइनल, 26 मार्च को सेमीफाइनल और 27 मार्च को ग्रैंड फिनाले होगा।

एमेलिया केर ने यूपी वॉरियर्ज को 150 के स्कोर पर रोका

लखनऊ, 6 मार्च। एमेलिया कर (पांच विकेट) और हेली मैथ्यूज (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस ने गुरुवार को वूमेंस प्रीमियर लीग के 16वें मुकाबले में गुरुवार को यूपी वॉरियर्ज को 150 रनों के स्कोर पर रोक दिया। आज यहां मुम्बई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्ज के लिए ग्रेस हैरिस और जॉर्जिया वॉल ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। सातवें ओवर में हेली मैथ्यूज ने ग्रेस हैरिस को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद एमेलिया केर ने किरण नवगिरे (शून्य) को आउट कर पेवलियन भेज दिया। जॉर्जिया वॉल ने 33 गेंदों में 12 चौके लगाते हुए (55) रनों की पारी खेली। उन्हें 12वें ओवर में नेट सायवर ब्रंट ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद मुम्बई के गेंदबाजी आक्रमण के आगे यूपी का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। दिनेश वृंदा (10), शिनेल हेनरी (छह), श्वेता सहरावत (शून्य), उमा छेत्री (एक) और सोफी एकल्सटन (16) रन बनाकर आउट हुई।

भारत का गोल्फ टूर्नामेंट हीरो इंडियन ओपन का शुभारंभ 27 मार्च से

गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेला जायेगा

नई दिल्ली, 06 मार्च। भारत का बहुप्रतिष्ठित गोल्फ टूर्नामेंट हीरो इंडियन ओपन 2025 आगामी 27 से 30 मार्च तक गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेला जायेगा। गुरुवार को यहां आयोजित एक समारोह में भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) द्वारा सह-स्वीकृत हीरो इंडियन ओपन टूर्नामेंट के शुभारंभ की घोषणा की गई।

टूर्नामेंट में जैक्स क्रुइसविज्क, जोहान्स वीरमैन, जूलियन ग्यूरियर, एंजेल हिडाल्गो, फ्रेडरिक लैक्रोइक्स, डेविड रेवेटो, इवेन फर्ग्यूसन और गुइडो मिग्लिओजी जैसे नामी हिस्सा लेंगे। इस टूर्नामेंट में जीत हासिल करने वाले भारतीय गोल्फरों को डीपी वर्ल्ड टूर पर अगले वर्ष के लिए पूर्ण कार्ड प्राप्त करने का अवसर मिलता है। समारोह में टूर्नामेंट के लिए 22.5 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि घोषणा की गई है।

जापान के 24 वर्षीय गत विजेता कीता नाकाजिमा इस टूर्नामेंट में नेतृत्व करेंगे। नाकाजिमा के साथ एक और पिछले विजेता जर्मनी के मार्सेल सिएम भी होंगे। इस अवसर पर हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी उपाध्यक्ष संजय भान ने कहा, हीरो इंडियन ओपन सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है यह भारतीय गोल्फ के विकास और वैश्विक मंच पर इसकी बढ़ती प्रमुखता का प्रमाण है। हीरो इंडियन ओपन 2025 की घोषणा के साथ हमें भारत के राष्ट्रीय ओपन के साथ अपनी दो दशक लंबी साझेदारी का विस्तार करने पर गर्व है। यह टूर्नामेंट यहाँ की गोल्फ विरासत की आधारशिला है। हीरो मोटोकॉर्प भारत और वैश्विक स्तर पर खेलों को समर्थन देने और उन्हें आगे ले जाने में अपनी विरासत को बढ़ाने के लिए समर्पित है। डीपी वर्ल्ड टूर पर दो बार के विजेता शुभंकर शर्मा और वीर अहलावत इस आयोजन में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। वीर पिछले साल हीरो इंडियन ओपन में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे थे और टूर्नामेंट के पिछले दो संस्करणों (टी-2 और टी-13) में शीर्ष भारतीय रहे हैं। स्थानीय मनु गंडास और भारत के उभरते सितारे कार्तिक सिंहभी इस टूर्नामेंट का हिस्सा हैं। भारतीय गोल्फ संघ के अध्यक्ष ब्रृजिंदर सिंह ने कहा, हीरो इंडियन ओपन एशिया के सबसे प्रतिष्ठित गोल्फ टूर्नामेंटों में से एक है और इसने भारतीय गोल्फ के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम हीरो मोटोकॉर्प और डीपी वर्ल्ड टूर के हीरो इंडियन ओपन को उनके निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं।

मुशफिकुर ने एकदिवसीय क्रिकेट को कहा अलविदा

ढाका, 6 मार्च। बंगलादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने बुधवार देर रात अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। खराब फॉर्म में जूझ रहे मुशफिकुर ने अपने फेसबुक पेज पर अपने संन्यास की जानकारी दी। वह वर्ष 2022 में टी-20 से संन्यास ले चुके है। मुशफिकुर ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, मैं आज एकदिवसीय प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। सभी चीजों के लिए अलहमदुलिल्लाह। विश्व स्तर पर मेरी उपलब्धि सीमित रही। जब भी मैं अपने देश के लिए खेलने मैदान पर उतरा तो मैंने पूरी लगन और इमानदारी से अपना शतप्रतिशत से अधिक दिया। पिछले कुछ सप्ताह मेरे लिए चुनौतीपूर्ण रहे और मैंने महसूस किया कि यही मेरी किस्मत है। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों को धन्यवाद करता हूं जिनके लिए मैं पिछले 19 साल तक क्रिकेट खेला। मुशफिकुर चैंपियंस ट्रॉफी में भी संघर्ष करते हुए देखे गये। वह भारत के खिलाफ शून्य और न्यूजीलैंड के खिलाफ मात्र दो रन बनाकर आउट हुये।

रग्बी इंडिया ने किया रग्बी प्रीमियर लीग लोगो का अनावरण

मुंबई, 6 मार्च। भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ (रग्बी इंडिया) और जीएमआर स्पोर्ट्स ने पहले रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के आधिकारिक लोगो का अनावरण किया। भारत में रग्बी के नए युग की शुरुआत हो गई है। फ्रैंचाइजी-आधारित रग्बी 7एस लीग का शुभारंभ 2025 में होगा। इस लीग में छह शहर-आधारित टीमें भाग लेंगी। लीग में भारत के सर्वश्रेष्ठ और शीर्ष रग्बी खेलने वाले देशों के प्रमुख खिलाड़ी शामिल होंगे। इस अवसर पर भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष राहुल बोस ने लोगो के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा, रग्बी 7एस अविश्वसनीय गति, शानदार कौशल और अद्भुत शक्ति का खेल है। रग्बी प्रीमियर लीग इसे भारत में एक नए अंदाज में प्रस्तुत करेगी। यह लोगो लीग की ऊर्जा, गतिशीलता और उच्च-ऑक्टेन एक्शन को दर्शाता है। जीएमआर स्पोर्ट्स के अनुभव और सभी हितधारकों के समर्थन के साथ, हम भारतीय रग्बी को अगले स्तर तक ले जाने के लिए तैयार हैं। जीएमआर स्पोर्ट्स के मुख्य विपणन अधिकारी (सीएमओ) सुजॉय गांगुली ने कहा, रग्बी प्रीमियर लीग के लोगो का अनावरण भारतीय रग्बी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। इंटरब्रांड इंडिया के सहयोग से तैयार किया गया यह लोगो उस गति, कौशल और शक्ति का प्रतीक है जो इस खेल को परिभाषित करता है। आरपीएल की यह आधुनिक, अंतरराष्ट्रीय और प्रेरणादायक दृष्टि भारत को एक मजबूत रग्बी खेलने वाले देश के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक साहसिक कदम है।

आईपीएल में पदार्पण करने पर धोनी की सलाह मददगार साबित हुई : राहुल त्रिपाठी

नई दिल्ली, 6 मार्च। भारतीय क्रिकेटर राहुल त्रिपाठी ने कहा है कि वर्ष 2017 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पर्दापण करने पर कैप्टन कूल महेन्द्र सिंह धोनी की सलाह उसके लिए मददगार साबित हुई थी। हाल ही में गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन की पहल हाउस ऑफ ग्लोरी पॉडकास्ट में राहुल त्रिपाठी ने बताया कि उन्होंने लीग के दसवें सत्र के दौरान आईपीएल में पदार्पण किया। उस समय वह माही के साथ राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स टीम का हिस्सा थे। फ्रैंचाइजी के लिए अपने पहले मैच से पहले, पूर्व भारतीय कप्तान धोनी ने त्रिपाठी की घबराहट को शांत करने में मदद की थी। उन्होंने कहा, अपना पहला मैच खेलने से दो दिन पहले मैं ड्रेसिंग रूम में उन्हें देख रहा था। उन्होंने मुझे बुलाया और कहा कि मैं कुछ भी अतिरिक्त करने या सोचने का प्रयास न करूँ और मैं प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह से खेल रहा था, वैसा ही खेलने को कहा। इस सलाह से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। माही की सलाह ने वास्तव में मेरी घबराहट को शांत किया। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला।

रक्षा बलों से जुड़ी महिलाओं द्वारा मिक्स्ड मास्टर्स गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर, 6 मार्च। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक अनूठी पहल करते हुए राजस्थान में जयपुर में सात और आठ मार्च को रक्षा बलों जुड़ी महिलाओं द्वारा मिश्रित मास्टर्स 2025 गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

सैन्य प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा ने बुधवार को बताया कि यह विशेष पहल फेयरवे क्वेस्ट महिला गोल्फिंग ग्रुप की अध्यक्ष फ्लाइट लेफ्टिनेंट डॉ. अर्पिता शर्मा और उनके सहयोगियों द्वारा की जा रही है, जिसमें स्क्वाड्रन लीडर एसपीएस कौशिक की पत्नी डायना कौशिक और कर्नल जोगिंदर तंवर की पत्नी रूपाली तंवर शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं, बच्चों और

दिग्गजों के बीच गोल्फ को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में अन्य शहरों से भी बड़ी संख्या में गोल्फ खिलाड़ी भाग लेंगे। सात और आठ मार्च को होने वाली इस प्रतियोगिता में पुरुष और महिला खिलाड़ी शिरकत करेंगे। विजेताओं का फैसला दो दिवसीय 18 होल गोल्फिंग राउंड के आधार पर किया जाएगा। कर्नल शर्मा ने बताया कि पुरस्कारों में पुरुष और महिला वर्ग में रोलिंग ट्रॉफी और उपविजेता पुरस्कार, दोनों श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ ड्रेस वाले गोल्फ खिलाड़ी और स्पॉट पुरस्कारों में पिन के सबसे नजदीक सबसे लंबी ड्राइव और सबसे सीधी ड्राइव के लिए पुरस्कार शामिल हैं। आठ मार्च को महिलाओं के लिए ड्रेस कोड गुलाबी रंग होगा।

// जयपुर सीजन 2025, आरपीसी पोलो कप //

आरपीसी ने एसएमएस पोलो एकेडमी को हराया

जयपुर, 6 मार्च। जयपुर सीजन 2025, आरपीसी कप , 3 से 9 तक रामबाग पोलो ग्राउंड पर आयोजित टूर्नामेंट में

गुरुवार को आरपीसी बनाम एसएमएस पोलो एकेडमी के बीच शाम 4.45 बजे रामबाग पोलो ग्राउंड पाए खेला गया जिसमें आरपीसी ने 5.5-3 के स्कोर से एसएमएस पोलो एकेडमी को हराया। आधे गोल का एडवांटेज लेकर खेल रही आरपीसी की ओर से रणशेय पुरोहित, विशाल सिंह ने 1-1,ओर कुलदीप सिंह राठौड़ ने 3 गोल किए, जबकि एसएमएस पोलो एकेडमी की ओर से शुभम गुप्ता ने 2 और अनिरुद्ध मावाजी ने 1 गोल किया। शुक्रवार को रामबाग पोलो ग्राउंड पर शाम 4..45 बजे जयपुर ओर एसएमएस पोलो एकेडमी के बीच खेला जाएगा।

बब्बर खालसा का आतंकी लजर मसीह कौशांबी जिले में पकड़ा गया

कौशांबी, 06 मार्च। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पैशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और पंजाब पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर कौशांबी जिले से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक कथित सक्रिय आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। आतंकवादी की पहचान पंजाब के अमृतसर के रामदास क्षेत्र के कुर्लियान गांव के रहने वाले संदिग्ध आतंकी लजर मसीह के रूप में हुई है। आतंकी की गिरफ्तारी को लेकर एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया है कि आंतकी लजर हाल ही में संपन्न हुए प्रयागराज महाकुंभ में आतंकी घटना करने की फिराक में था।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने गिरफ्तार आतंकी को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया है कि आतंकी लजर लगातार पाकिस्तान में बैठे आईएसआई के साथ सम्पर्क में था। पाकिस्तान में बैठे कुछ हैंडलर उसे लगातार ड्रोन से गोला बारूद और असला भी भेज रहे थे। प्रशांत कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रैंस में बताया है कि लजर यूपी के प्रयागराज जिले में संपन्न हुए महाकुंभ में कोई बड़ी आतंकी घटना करना चाहता था। इसके बाद वो पुर्तगाल भागने की फिराक में था।

विदेश मंत्री जयशंकर की सुरक्षा में चूक को ब्रिटेन ने गंभीर माना

जयशंकर लंदन के चैथम हाउस से जब बाहर निकल रहे थे, तब एक व्यक्ति ने दौड़कर पुलिस के सामने, भारतीय ध्वज फाड़ा था

लंदन, 06 मार्च। जयशंकर की ब्रिटेन यात्रा के दौरान उनकी सुरक्षा में चूक मामले पर भारत की कड़ी आपत्ति को यूके ने भी गंभीरता से लिया है। ब्रिटेन ने कहा कि भारतीय विदेश मंत्री की सुरक्षा में चूक अस्वीकार्य है। यूके ने अपने बयान में कहा है कि मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए तेजी से काम किया। ''हम अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप अपने सभी राजनयिक आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। सुरक्षा बाधित करने के इस तरह के प्रयासों की हम कड़ी निंदा करते हैं।''

ज्ञातव्य है कि एस जयशंकर बुधवार को लंदन के चैथम हाउस में चर्चा के बाद बाहर निकल रहे थे, तभी एक व्यक्ति उनकी कार की ओर दौड़ा और पुलिस अधिकारियों के सामने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फाड़ दिया। ब्रिटेन ने इस घटना की कड़ी निंदा की है, जिसमें खालिस्तानी चरमपंथियों के एक समूह ने लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर की यात्रा को बाधित करने का प्रयास किया। इस सुरक्षा उल्लंघन को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी आपत्ति जाहिर की थी और इस मामले में ब्रिटिश सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

> ■ ब्रिटेन ने इस घटना की कड़ी निंदा की और कहा कि सार्वजनिक कार्यक्रमों को बाधित करने का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य है।

ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय ने कहा कि सार्वजनिक कार्यक्रमों को बाधित करने का कोई भी प्रयास पूरी तरह से अस्वीकार्य है। गुरुवार को जारी कार्यालय के बयान में कहा गया, ''हम विदेश मंत्री की यूके यात्रा के दौरान कल चैथम हाउस के बाहर हुई घटना की कड़ी निंदा करते हैं। हालांकि यूके शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार का समर्थन करता है, लेकिन सार्वजनिक कार्यक्रमों को डराने, धमकाने या बाधित करने का कोई भी प्रयास पूरी तरह से अस्वीकार्य है।''

''घटना के संबंध में यूके की यह प्रतिक्रिया भारत सरकार द्वारा सुरक्षा उल्लंघन पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराने और ''भड़काऊ गतिविधियों'' की निंदा करने के कुछ घंटों बाद आई है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में ''अलगाववादियों और चरमपंथियों'' के छोटे समूह द्वारा ''लोकतांत्रिक स्वतंत्रता'' के दुरुपयोग की निंदा की और यूके के लिए एक सख्त संदेश भी जारी किया था।

आबू रोड के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैड कांस्टेबल विनोद लाम्बा ने बताया कि मृतकों के शवों को बाहर निकालने के लिए कार के दरवाजे तोड़े गए। करीब 40 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला जा सका।

सड़क हादसे में मारे गए सभी लोग जालोर जिले के निवासी और और प्रजापत समाज से हैं। हादसे में एक परिवार के नारायण प्रजापत (58) पुत्र नरसाराम, उनकी पत्नी पोशी देवी (55) व उनका पुत्र दुष्यंत (24) निवासी कुम्हारों का वास, जालोर, सहित, चालक कालूराम (40) पुत्र प्रकाश चांदराई जालोर , यशराम (4) पुत्र कालूराम चांदराई जयदीप पुत्र पुखराज प्रजापत शामिल हैं। दरिया देवी (35) पत्नी पुखराज निवासी जालोर, घायल हैं, जिन्हें आबूरोड राजकीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद सिरोही रैफर किया गया। कार में कुल 7 लोग सवार थे, जिनमें से 6 की मौत हो गई।

जिला कलैक्टर अल्पा चौधरी, एसपी अनिल कुमार बेनीवाल ने घटना पर दु:ख जताया व घटना के बारे में आवश्यक जानकारी ली। शाम को जालोर निवासी नारायण सहित अन्य का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

पूरे परिवार की अर्थियां जब एक साथ उठीं तो हर किसी के आंखों में आंसू नजर आए।

'हजारों भारतीय युवाओं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिकन आप्रवासन (इमिग्रेशन) व्यवस्था में बैकलॉग की स्थिति यह है कि अनेक लोगों को स्थायी नागरिकता के लिये लम्बी प्रतीक्षा करनी होगी। कुछ आवेदनों में तो 12 से 100 वर्ष तक प्रतीक्षा करना सम्भावित बताया गया।

टैक्सस की एक अदालत के हाल ही के एक फैसले के अनुसार, डैफर्ड एक्शन फॉर चिल्ड्रन अराइवल्स (डीएसीए) प्रोग्राम के तहत, नये आवेदकों के लिये वर्क परमिट ब्लॉक कर दिये गये हैं। इस फैसले से स्थिति और ज्यादा खराब हो गई है। डीएसीए, अनडॉक्यूमेन्टेड युवाओं को डिपोर्टेशन से दो साल अस्थाई संरक्षण प्रदान करता है, जिसका नवीनीकरण करवाया जा सकता है, इनमें वे युवा भी शामिल है, जिनका, 21 वर्ष की उम्र के बाद, डिपेन्डेन्ट स्टेटस समाप्त हो चुका है। इस प्रावधान के बिना, बहुत से भारतीय युवाओं को अनिश्चित भविष्य का डर सता रहा है।

यू.एस. सीनेटर बर्नी सैन्डर्स, जो एक अग्रणी प्रगतिशील नेता हैं, ने इस साल के शुरु में एच-वन बी वीसा प्रोग्राम की आलोचना की थी तथा यह तर्क दिया था कि यह प्रोग्राम मुख्यत: कॉर्पोरेशन्स के लिये लाभदायक है क्योंकि वे अमेरिकनों को काम पर रखने के बजाय, कम वेतन वाले विदेशी कामगारों को लेते हैं।

सैन्डर्स ने कहा था, ''एच-वन बी प्रोग्राम का मुख्य काम ''सर्वोत्तम तथा कुशाग्र बुद्धि वाले लोगों को नौकरी देना नहीं, बल्कि अच्छा वेतन मांगने वाले अमेरिकनों के स्थान पर, कम वेतन स्वीकार करने वाले बाहरी देशों के हजारों लोगों को नौकरी पर रखना है। इन लोगों के साथ अनुबन्धित कर्मचारियों की तरह व्यवहार किया जाता है।''

सैन्डर्स ने लेकन रिले एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव पेश किया था, जिसका उद्देश्य एच-वन बी वीसा फीस को दुगुना करना था, ताकि अमेरिकन 370 मिलियन डालर प्रतिवर्ष अर्जित कर सके तथा एसटीईएम फील्ड में अमेरिकन छात्रों को करीब 20,0000 छात्रवृत्तियाँ दे सके। उन्होंने यह भी प्रस्तावित किया था कि एच-वन बी वर्कर्स वेतन बढ़ाकर, कम से कम औसत स्थानीय वेतन के बराबर कर देना चाहिये, जिससे कम्पनियों को अमेरिकन वेतन में कटौती से रोका जा सके। सैन्डर्स चाहते थे कि टेस्ला के मालिक एलन मस्क तथा भारतीय अमेरिकन उद्यमी विवेक रामास्वामी जैसे अरबपति एच-वन बी प्रोग्रैम में आर्थिक सहयोग दें।

उन्होंने कहा, ''दुनिया के सबसे अधिक धनवान, एलन मस्क तथा अन्य-खरबपति जोर देते हुये कहते हैं कि अत्यधिक कुशल वर्कर्स की कमी के कारण, एच-वन बी प्रौग्रैम बहुत उपयोगी हो गया है। मेरी नज़र में, ये लोग पूरी तरह गलत हैं।

इकॉनॉमिक पॉलिसी इन्स्टीट्यूट के डेटा का हवाला देते हुये, उन्होंने कहा था कि 2022 से 2023 के बीच, 30 शीर्षस्थ एच-वन बी नियोक्ताओं ने 85000 अमेरिकतन वर्कर्स का नौकरी से हटाकर, 34000 से अधिक गैस्ट वर्कर्स नौकरी पर रख लिये थे।

जब इंदिरा गांधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक महिला पत्रकार, जो एक मीटिंग कवर कर रही थीं, को वाशरुम जाने के लिये 24 अकबर रोड स्थित पुराने मुख्यालय भवन में जाना पड़ा।

नये मुख्यालय का काम-काज एक कॉर्पोरेट ऑफिस की तरह चल रहा है तथा उसका कार्यकर्ताओं और नेताओं से कोई सम्पर्क नहीं रहा है, जिनसे मिलकर कांग्रेस पार्टी बनी है।

ऐसे समय, जब पार्टी के लिए अपने दरवाजे खुले रखना तथा कार्यकर्ताओं और नेताओं को अंदर आने देना जरूरी है, पार्टी की चिन्तन प्रक्रिया इसके ठीक उलट चल रही है।

इस व्यवस्था के लिये कौन और क्यों जिम्मेदार है?

यह व्यवस्था न केवल घबराहट पैदा करने वाली है, बल्कि साजिशपूर्ण प्रतीत हो रही है। बहुत से नेता इस व्यवस्था तथा बदलाव का दोषारोपण महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल पर कर रहे हैं। लेकिन क्या वे यह सब राहुल गांधी की सहमति के बिना कर सकते हैं।

क्या राहुल गांधी ने वेणुगोपाल को कुछ भी करने की छूट दे रखी है?

तथा इस पूरे व्यवस्था-परिवर्तन में प्रियंका गांधी की भूमिका क्या है?

वे बिना विभाग की महासचिव हैं, लेकिन नये मुख्यालय की हाउस कीपिंग में लगी रहती हैं।

क्या गांधी परिवार को इस बात की जानकारी है कि वह उसके अपने कार्यकर्ताओं से किस प्रकार दूर होते जा रहे हैं, या फिर उन्हें इस बात की परवाह ही नहीं है?

नेताओं में ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि एआईसीसी में विभिन्न पदों पर बैठे नेता किस तरह से अपने पद सुरक्षित बनाये रखने में लगे हुये हैं तथा वे नहीं चाहते कि इन पदों तक अन्य लोग पहुँच सकें। बड़ी दिलचस्प, किन्तु घबराहट पैदा करने वाली स्थिति है।

पार्टी इस समय घोर असंतोष की जकड़ में है। नेतागण सवाल कर रहे हैं कि निर्णय किस तरह लिये जा रहे हैं तथा पार्टी लगातार चुनाव क्यों हारती जा रही है और इस स्थिति के बावजूद, सब कुछ व्यवस्थित और ठीक करने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया जा रहा।

फ्रांस ने अच्छी तरह से अमेरिका को अंगूठा दिखाया और दादागिरी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले ही यह निर्णय कर लिया था कि परमाणु सुरक्षा और रक्षा कवच का विस्तार यूरोप के अन्य देशों तक करने के लिए रणनीतिक वार्ता शुरु की जानी चाहिए। यूरोप में फ्रांस एवं ब्रिटेन ही हैं, जिनके पास अन्य देशों, खासकर रूस, के हमले से बचने के लिए परमाणु हथियारों का भंडार है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ैलैंस्की की ट्रम्प से हुई विनाशकारी मुलाकात के बाद लंदन में यूरोपियन देशों की बैठक बुलाई थी।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने अमेरिका से अलग होकर यूक्रेन की शांति योजना पर स्वतंत्र रूप से काम करने की मांग ट्रंप के समक्ष चुनौती पेश कर दी है। यह योजना एक छोटे समूह द्वारा बनाई जाएगी, जिसमें फ्रांस, यू.के., जर्मनी और पश्चिमी यूरोप के कई प्रमुख समूह शामिल हैं।

> ■ दूसरी और अमेरिका अभी भी ज़ैलैंस्की द्वारा वाइट हाउस में की गई ''धृष्टता'' के लिये प्रतिशोध लेने की फिराक में है तथा यूक्रेन युद्ध की खुफिया जानकारियाँ साझा करने से इन्कार कर दिया है।
>
> ■ द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, यूरोप व अमेरिका के बीच जो विश्वास व मित्रता का रिश्ता था, वो इतना बुरा छिन्न-भिन्न पहले कभी नहीं हुआ था। पर, अब क्या फ्रांस की नई भूमिका से अमेरिका यूरोप से एकदम कट सा नहीं गया।

यह ट्रम्प के रूसियों से स्वतंत्र रूप से सम्पर्क साधने और यूक्रेन वॉर खत्म करने की कोशिश के एकदम उलट है। ट्रम्प ने अपनी मुहिम में किसी भी यूरोपियन देश को साथ नहीं लिया था। अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल सऊदी अरब में रूस के प्रतिनिधियों से मिला था। इसमें यूरोपियन देश तो दूर यूक्रेन का भी प्रतिनिधित्व नहीं था।

ट्रम्प ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से बात किए बिना ही मिनरल डील भी घोषित कर दी थी। ट्रम्प एक दिन में यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के अपने चुनावी वायदे को पूरा करने के लिए यह सब कर रहे थे ताकि वे यह साबित कर सकें कि वे सुप्रीम डील मेकर हैं।

पर अमेरिकन्स के अक्खड़ रूख के कारण इन प्रयासों पर रोक लग गई हैं। अब फ्रांस ने इसका कूटनीतिक लाभ उठाकर अमेरिका से अलग अपना स्वतंत्र रूख घोषित कर दिया है। मैक्रों ने कहा है कि शांति होने तक यूरोपियन सैनिक यूक्रेन में ही डटे रहेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति को, आक्रमण के विरूद्ध लड़ने के अपने संकल्प को दिखाने के लिए यूरोपीय देश यूक्रेन और युद्ध में घिरे उसके राष्ट्रपति को और अधिक समर्थन दे रहे हैं। फ्रांस द्वारा उठाए गए कदम अमेरिका को शांति प्रक्रिया से और यूरोप के कूटनीतिक क्षेत्र से एक तरह से अलग-थलग कर रहे हैं।

हालांकि, फ्रांस के राष्ट्रपति कूटनीतिक पहलों को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन, यह आसान नहीं होगा। अमेरिका, यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर ज़ैलैंस्की को, वाइट हाउस में अमेरिका के खिलाफ बोलने की धृष्टता तथा आत्मनिर्भरता का प्रदर्शन करने के लिए सज़ा देने की अपनी योजनाओं पर आगे बढ़ रहा है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई रोकने के साथ-साथ खूफिया जानकारी भी साझा नहीं करने के आदेश दिए है। अमरीकी, बदला लेने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं, क्योंकि यूक्रेन ने उनकी हर बात मानने से इन्कार कर दिया। इसके कारण, रूस का प्रतिरोध करने की यूक्रेन की क्षमता सीमित हो गई है। इस बीच, रूस ने यूक्रेन के विरूद्ध अपनी आक्रामकता को बढ़ा दिया है तथा यूक्रेन पर लगातार मिसाइल हमले कर रहा है।

परिणाम चाहे जो भी हो, लेकिन फ्रांस ने अपनी स्वतंत्रता दर्शाने के लिए और यूरोप के मामलों पर नियंत्रण करने के लिए साहसी व निडर दांव खेला है। यह अमेरिका पर 1946, दूसरे विश्व युद्ध के बाद से जो भरोसा बना था और यूरोपियन देशों की निर्भरता बढ़ी थी, उसे छीन लेने जैसा है।

तमिलनाडु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हुये कहा कि उनकी सरकार अन्य भाषाओं का भी सम्मान करती है। ''अगर आप अपनी भाषा को प्रेम और सम्मान देते हैं, तो आप अन्य भाषाओं के प्रति भी वैसा ही करें। मुझे यकीन है कि भैया जी मुझसे सहमत होंगे।''

जोशी के बयान पर आईं कड़ी प्रतिक्रियाओं के एक दिन बाद, भैया जी ने स्वयं ''ऑन रिकार्ड'' स्पष्टीकरण दिया कि उनके बयान का गलत अर्थ निकाला गया है। ''मराठी मेरी जन्मजात भाषा है तथा मुझे इस पर गर्व है। मराठी मुम्बई और महाराष्ट्र की भाषा है, इस बारे में दो राय नहीं हैं। विभिन्न भाषाएं बोलने वाले लोग मुम्बई में मिलजुलकर रहते हैं।''

घाटकोपर के एक समारोह में, अपने भाषण के सम्बंध में भैया जी ने पुन: स्पष्टीकरण दिया: ''मुम्बई में एक भाषा नहीं बोली जाती हैं। मुम्बई के प्रत्येक हिस्से में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। घाटकोपर क्षेत्र की भाषा गुजराती है। इसलिये, अगर आप मुम्बई में रह रहे हैं तो आपको मराठी सीखना जरुरी नहीं है।''

ठाकरे ने कहा कि भैयाजी का बयान मुम्बई को विभाजित करने के आरएसएस और भाजपा के छिपे हुये एजेंडा को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा, ''मराठी मानुष'' (सबका) स्वागत कर रहा है, इसका मतलब यह नहीं है कि कोई भी उसे हानि पहुँचा सकता है।''

हज यात्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा तय किया जाता है। ऐसे में नीतिगत विषय में कोर्ट द्वारा कोई राय व्यक्त करना उचित नहीं है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908